राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 राजस्थान रॉयल्स से बदला लेने उतरेगी मुंबई इंडियंस ...

पूर्व सलामी बल्लेबाज का दावा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं ... 11

वर्ष : 14 | अंक : 338 | नई दिल्ली, सोमवार, 22 अप्रैल, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

विकसित भारत के निर्माण में योगदान करें लोक सेवक

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोक सेवा दिवस पर लोक सेवकों को शुभकामनाएं दी है और विकसित भारत के निर्माण में योगदान करने का आह्वान किया है। श्री धनखड़ ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि भारत के प्रशासनिक ढांचे में रीड की हड्डी लोकसेवक का राष्ट्र के विकास और प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है। श्री धनखड़ ने कहा, लोक सेवक दिवस की शुभकामनाएं। मैं कामना करता हूं कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में वे अपना समर्पण निरंतर जारी रखेंगे।

मोदी ने महावीर जयंती पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महावीर जयंती पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि भगवान महावीर का शांति एवं सद्भावना का संदेश विकसित भारत के निर्माण में देश के लिए प्रेरणा है। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्मदिन के अवसर पर महावीर जयंती मनाई जाती है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, महावीर जयंती के पावन अवसर पर देश के समस्त परिवारजनों को मेरी अनंत शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, शांति, संयम और सद्भावना से जुड़े भगवान महावीर के संदेश विकसित भारत के निर्माण में देश के लिए प्रेरणापुंज हैं।

ऑटो और मालगाड़ी के बीच भीषण टक्कर, एक महिला की मौत, सात घायल

पटना। नवादा जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां ऑटो और मालगाड़ी की बीच भीषण टक्कर हुई है। इस घटना में एक महिला की मौत हो गई है और तीन लोगों को हालत गंभीर बनी हुई है। नवादा के गया-किउल रेलखंड पर चातर हाल्ट मानवरहित रेलवे समपार फाटक के पास गया से किउल की ओर जा रही मालगाड़ी से ऑटो की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार था कि ऑटो दूर जाकर गिरा। ऑटो गिरने के बाद ऑटो पर सवार कई यात्री गंभीर रूप से जख्मी हो गये, जिनको स्थानीय लोगों के अथक प्रयास से इलाज के लिए सदर अस्पताल नवादा में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि चातर हाल्ट के समपार रेलवे फाटक पार करने के क्रम में मालगाड़ी से ऑटो टक्कर खा गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऑटो पर सवार लोग शादी समारोह के बाद ककोलत से स्नान कर अपने घर अरियन गांव जा रहे थे। यह घटना उसी दौरान घटित हुई। घायलों में सभी अरियन गांव के रहने वाले बताए गए हैं।

कांग्रेस ने पंजाब, बिहार के लिए सीईसी की बैठक की

नई दिल्ली। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने पंजाब और बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा को लेकर रविवार को यहां बैठक की। सूत्रों ने कहा कि उम्मीदवारों की अगली सूची बहुत जल्द घोषित की जाएगी। सीईसी की बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की और इसमें पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद तथा अंबिका सोनी समेत अन्य नेता शामिल हुए। सूत्रों ने कहा कि दोनों राज्यों के लिए कई नामों पर चर्चा की गई और प्रमुख सीट पर अंतिम निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष पर छोड़ दिया गया। कांग्रेस पंजाब में सभी 13 सीट पर चुनाव लड़ रही है, वहीं बिहार में वह नौ सीट पर उम्मीदवार उतारने के लिए तैयार है और राष्ट्रीय जनता दल तथा वाम दलों के साथ महागठबंधन का हिस्सा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कटिहार में चुनावी जनसभा को किया संबोधित, विपक्ष पर जमकर हमला बोला

पीएम मोदी ने देश के साथ बिहार को भी विकसित करने का किया काम : शाह

कहा-पीएम ने परिवारवाद, तुष्टीकरण और जातिवादी समाप्त करने का काम किया

प्रात : किरण

पटना/कटिहार/एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कटिहार में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी देश से परिवारवाद, तुष्टीकरण और जातिवादी समाप्त करने का काम किया है। राजेन्द्र स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के साथ बिहार को भी विकसित करने का काम किया। केन्द्र में 2014 से 2024 तक दस साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को 09 लाख 80 हजार करोड़ रुपये प्रदेश के विकास के लिए देने का काम किया। इसके अलावे मोदी ने 04 लाख करोड़ रुपये सड़क और पूल, एक लाख करोड़ रुपये रेलवे के विकास के लिए, दो हजार करोड़ रुपये एयरपोर्ट के उत्थान के लिए देने का काम किया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 करोड़ से ज्यादा घरों में शौचालय, 04 हजार करोड़ पक्का घर गरीब को दिया, 10 लाख महिलाओं को धुंआ से मुक्ति के लिए उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, 14 हजार घरों में नल का जल सहित कई जनहित में लोगों के लिए बीते 10 साल में काम किया।

जबकि 2014 से पहले 10 साल में कांग्रेस और लालू की सरकार ने बिहार को मात्र 02 लाख 80 हजार करोड़ रुपये दिया। गृहमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में से परिवारवाद, तुष्टीकरण और जातिवादी समाप्त करने का काम किया। जबकि आज लालू और कांग्रेस पार्टी एक होकर भाजपा और नीतीश कुमार के खिलाफ चुनाव लड़कर बिहार में जंगलराज दुबारा लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि लालू के लालटेन और कांग्रेस की पंजा के साथ खड़ा होने वाले देश में दंगा, अत्याचार, अन्याय, गरीबी और भुखमरी लाना चाहती है। जबकि भाजपा का कमल और जदयू के तीर की सरकार बिहार को आगे बढ़ाते हुए खुशहाली लाने का काम कर रही है। अमित शाह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए कटिहार लोकसभा सीट से जदयू प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी सहित बिहार की सभी 40 सीटों पर एनडीए प्रत्याशी को वोट देकर विजयी बनावे ।शाह ने कहा कि बीजेपी ने देश को पहला ओबीसी वर्ग का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप पर दिया है। एक गरीब चाय बेचने वाले के बेटे को प्रधानमंत्री बना दिया। मोदी जी ने अपनी कैबिनेट में 35 फीसदी पिछड़ों और अति पिछड़ा वर्ग के सांसदों को जगह दी है। उन्होंने पूछा कि आपलोगों को लालू-राबड़ी का शासन याद है ना? जिन्होंने बिहार को जंगलराज में बदलकर रख दिया था। पिछड़ा, दलित, गरीब सबके साथ यहां अत्याचार होता था। देश में पीएम मोदी और बिहार में नीतीश कुमार के आने के बाद गरीबों पर होने वाला अत्याचार बंद हुआ है। अमित शाह ने कहा कि धारा- 370 को कश्मीर से मोदी जी ने समाप्त कर दिया है। उन्होंने वहां से आतंकवाद को खत्म किया है। नक्सलवाद पर भी लगाम लगाया गया है। मोदी सरकार ने उरी और पुलवामा हमले के बाद 10 दिनो के अंदर पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकवाद खत्म करने का काम किया है। लेकिन वे लोग हमें फिर से लालटेन युग मे ले जाना चाहते हैं। पिछड़ों और अतिपिछड़ों पर फिर से अत्याचार करना चाहते हैं।

सीएम ने कटिहार में चुनावी सभा को किया संबोधित, राजद पर साधा निशाना

सभी वर्गों के विकास के लिए काम किया : नीतीश

- पहले जो लोग थे, कोई काम नहीं करते थे
- केवल हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था

प्रात : किरण

पटना/कटिहार। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर राजद पर हमला बोला है। रविवार को कटिहार में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले लोग शाम में घर से नहीं निकलते थे। लेकिन अब कोई दिक्कत है। अब लड़का-लड़की सब रातभर घूमते रहते हैं। हम लोगों ने आमलोगों के हित में यह सब काम किया है। सीएम ने कहा कि पहले जो लोग सत्ता में थे, वो कोई काम नहीं कर रहे थे। यहां के मुस्लिम समुदाय के लिए भी पहले कहां कुछ करते थे। पहले हमेशा आपसी झगडे होते रहता था। लोग भाजपा के बारे में कुछ-कुछ बोलते रहते थे। लेकिन जब हमलोग साथ आ गए तो कहां कही बिहार में हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता है। हिंदू हों, मुस्लिम हों या कोई भी जाति के लोग हों, सबके लिए हमलोगों ने काम किया है। सबके हित में काम किया है, इसलिए सबकी हालत भी पहले से बेहतर हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जो हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था, उसे हमलोगों ने तो बिल्कुल ही खत्म कर दिया है। लड़कियों को पढ़ाने के लिए भी बहुत काम हुआ है। अब लड़कियां कितनी बड़ी संख्या में पढ़ाई कर रही हैं। महिलाओं को हमलोगों ने पंचायत और नगर निकाय चुनावो में पचास फीसदी का आरक्षण दिया है। अब बड़ी संख्या में महिलाएं आगे आ रही हैं। पुलिस की नौकरी में भी उन्हें 35 प्रतिशत आरक्षण देने का काम हुआ है। इसके बाद सभी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दे दिया गया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोग हों या फिर महिलाएं हों। सभी के लिए हमलोगों ने काम किया है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हित में काम होता है। बिहार के लिए वह मदद कर रहे हैं। बिहार में 40 में से 40 सीट हमलोग जीतेंगे। देशभर में चार सौ से ज्यादा सीट हमलोग जीतने जा रहे हैं। नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे और देश तेजी से आगे बढ़ेगा। जब देश आगे बढ़ेगा तो बिहार भी उसी तेजी से आगे बढ़ता जाएगा ।मुख्यमंत्री ने कहा कि बीच में हम इधर-उधर भागे हुए थे। तब भी अमित शाह से हमारी बात होती रहती थी। लेकिन अब सब ठीक है और अब हम कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे। जहां पहले थे, अब वहीं रहेंगे और सभी लोग साथ मिलकर काम करेंगे। कुछ लोग तो बिना मतलब का भाषण देते रहता है। जब आएगा, तो बिना मतलब का भाषण देगा। मुस्लिम लोग को तो हम बता ही दिए हैं कि ये लोग पहले किसी की रक्षा नहीं करता था। लेकिन हम लोगों ने सब कुछ ठीक कर दिया है।

20 करोड रोजगार देने की बजाय छीनी 12 करोड़ नौकरी : खडगे

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर साल 2 करोड़ नौकरी देने का वादा किया था,और 10 साल में 20 करोड लोगों को रोजगार देना था,लेकिन इस अवधि में उल्टे 12 करोड लोगों की नौकरी छीन ली। श्री खडगे ने कहा युवाओं के लिए रोजगार, चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा है। मोदी जी की सैंकड़ों रैलियों में आपने उनके मुँह से कभी ये नहीं सुना कि उनकी सरकार ने पिछले 10 साल में कितने रोजगार दिए। दस साल में 20 करोड़ नौकरियाँ देनी थी, 12 करोड़ से ज्यादा छीन ली। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी युवा न्याय के तहत रोजगार क्रांति लाएगी, ताकि भर्ती परीक्षाओं से नौकरी मिलने तक का सफर हम आसान बना सके। भर्ती भरोसा-30 लाख सरकारी नौकरियों के पद भरेंगे। पहली नौकरी पक्की-अप्रेन्टिसशिप के अधिकार से हर डिग्री, डिप्लोमा धारक की पहली नौकरी पक्की व एक साल में एक रुपये लाख मानदेय। पेपर लीक से मुक्ति दी जाएगी और नौकरी परीक्षाओं के लिए पेपर लीक होने के मामलों का निपटारा करने के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों का गठन कर पीड़ितों को मुआवजा प्रदान करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा गिग इकॉनॉमी के लिए सामाजिक सुरक्षा- हम गिग इकॉनॉमी में कार्यरत श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण के लिए सामाजिक सुरक्षा का कानून बनाएँगे। युवा रोशनी के तहत स्टार्ट-अप के लिए फंड ऑफ फंड्स योजना का पुनर्गठन करेगी और उपलब्ध फंड का 50 प्रतिशत, 5,000 करोड़ रुपए, जहां तक संभव हो, देश के सभी जिलों में समान रूप से आवंटित करेगी ताकि देशभर में 40 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए धन उपलब्ध कराया जा सके जिससे वो अपने व्यवसाय को बढ़ा सके और रोजगार के अवसर पैदा करें। उन्होंने कहा कांग्रेस देशभक्त युवाओं पर थोपी गई अग्निवीर योजना बंद करेगी। व्यापक बेरोजगारी के कारण, कांग्रेस सभी छात्र शैक्षिक ऋणों के संबंध में 15 मार्च 2024 तक ब्याज सहित ऋण की देय राशि को माफ करेगी और बैंकों को सरकार द्वारा प्रतिपूर्ति की जाएगी। 21 वर्ष से कम आयु के प्रतिभाशाली और उभरते खिलाड़ियों को प्रति माह 10,000 रुपये की खेल छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। श्री खडगे ने कहा कांग्रेस सरकार सरकारी परीक्षाओं और सरकारी पदों के लिए आवेदन शुल्क समाप्त करेगी। उन आवेदकों को एक बार कि राहत दी जाएगी जो महामारी के समय 1 अप्रैल 2020 से 30 जून 2021 के दौरान सरकारी परीक्षा देने में असमर्थ रहे। अमल करेंगे अपनी हर बात। हाथ बदलेगा हालात।

देश बचाने की लड़ाई हमलोग जारी रखेंगे : तेजस्वी

कहा-हर हाल में इस बार ये सरकार बदलनी है

प्रात : किरण

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कविता के माध्यम से लोगों को हक की जंग लड़ने के लिए प्रेरित किया है। रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर उन्होंने कहा कि ये हक की जंग / अब मिल के संग संग जी जान से लड़नी है। हर हाल में इस बार ये सरकार बदलनी है। अत्याचार की काली कहानी मिल के मिटानी है। हर हाल में इस बार ये सरकार बदलनी है। अब ललकार के इस सरकार की छुट्टी करनी है। हर हाल में इस बार ये सरकार बदलनी है । इस सरकार की तानाशाही और ना सहनी है। हर हाल में इस बार ये सरकार बदलनी है।

इससे पहले तेजस्वी प्रसाद यादव ने एनडीए के खिलाफ हमला बोला और कहा कि एनडीए मुद्दे पर बात नहीं करती है। तेजस्वी यादव ने पहले चरण में कम मतदान प्रतिशत को लेकर कहा कि दक्षिण भारत से जो हवा चली है। वहां खत्म हो गई भाजपा, यहां दक्षिण बिहार की चारो सीट से भी खत्म हो गयी है। इंडिया गठबंधन बड़े अंतर से जीत दर्ज कराएगी। बार-बार मैंने कहा कि बिहार चौकानें वाला परिणाम देगा। बीजेपी अब बैकफुट पर आ गई है। बीजेपी जुमलाबाजों की पार्टी है। देश बचाने की लड़ाई हमलोग जारी रखेंगे।

कसा तंज-गृह मंत्री बिहार आएं तो सत्तू पीएं : नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला है। रांची में आयोजित उलगुलान रैली को संबोधित करने के बाद वापस पटना लौटे तेजस्वी यादव ने कहा कि रांची में बहुत बड़ी रैली थी, ग्राउंड छोटा पड़ गया।

सब लोगों ने हुंकार भरी है और झारखंड की जनता ने तय कर लिया है कि इस बार वहां से भी भगाएंगे। बिहार, झारखंड, यूपी साफ हो जाएंगे तो बचेंगे कहां? ये लोग कहीं नहीं टिकने वाले हैं।

मीडियाकर्मियों ने उनसे पूछा कि अमित शाह ने कहा है कि कि अगर आरजेडी सत्ता में आई तो जंगलराज वापस आ जाएगा, इसपर तेजस्वी ने शाह को बड़ी नसीहत दे दी। तेजस्वी ने कहा कि अमित शाह बिहार आएं तो सत्तू पिएं, सत्तू पीने से शरीर ठंडा और दिमाग शांत रहता है। ठंडे दिमाग से वे बिहार के बारे में और ज्यादा जानकारी हासिल कर सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक कर रखा है। तेजस्वी ने प्रदेश राजद कार्यालय में एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में ये बातें कही। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लालू परिवार को लेकर दिए गए बयान से जुड़े सवाल पर कहा कि इसे मैं आशीर्वाद के रूप में देख रहा हूं।

राजस्थानः सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत

प्रात : किरण

झालावाड़/एजेंसी। झालावाड़ जिले के अकलेरा थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। ट्राले से वैन की टक्कर हो गई जिससे वैन सवार लोगों की मौत हो गई। वैन सवार लोग मध्यप्रदेश के खिलचीपुर के पास डूंगरी से विवाह समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। अकलेरा थाना प्रभारी संदीप बिश्नोई के अनुसार हादसा थाने से करीब 5 किलोमीटर दूर भोपाल मार्ग पर शनिवार-रविवार मध्य रात्रि करीब ढाई बजे हुआ। हादसे में वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर वैन में फंसे घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने 9 लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, एक घायल का इलाज किया जा रहा है। हादसे में अशोक कुमार पुत्र घनश्याम बागरी, रोहित पुत्र नंदकिशोर बागरी, हेमराज पुत्र बंशीलाल बागरी, सोनू पुत्र मोहनलाल बागरी, दीपक पुत्र जयलाल बागरी, रविशंकर पुत्र प्रेमचंद बागरी, रोहित जगदीश बागरी और हरनावदा शाहजी (बारां) निवासी, रामकृष्ण पुत्र प्रेमचंद, सारौला (खानपुर, झालवाड़) निवासी राहुल पुत्र प्रेमचंद की मौत हो गई। मृतकों में सात लोग अकलेरा के रहने वाले थे। बिश्नोई ने बताया कि अकलेरा कस्बे में विवाह समारोह था। बारात शुक्रवार को मध्य प्रदेश के खिलचीपुर क्षेत्र के डूंगरी गांव गई थी। बारातियों में से शनिवार देर रात 10 लोग मारुति वैन से वापस अकलेरा लौट रहे थे।

रेलवे को बचाने के लिए मोदी सरकार को हटाना पड़ेगा : राहुल

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार रेलवे को अयोग्य साबित करना चाहती है ताकि उसे इसे अपने मित्रों को बेचने का बहाना मिल सके। उन्होंने लोगों से आम आदमी की सवारी को बचाने के लिए मोदी सरकार को हटाने का अनुरोध किया। राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधने के लिए एक्स पर एक वीडियो साझा किया जिसमें लोग ट्रेन के शौचालयों में और फर्श पर बैठकर यात्रा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नरेन्द्र मोदी के राज में रेल का सफर सजा बन गया है। आम आदमी की ट्रेनों से जनरल डिब्बे कम कर सिर्फ एलीट ट्रेनों का प्रचार कर रही मोदी सरकार में हर वर्ग का यात्री प्रताड़ित हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि लोग कन्फर्म टिकट लेकर भी अपनी सीट पर चैन से बैठ नहीं पा रहे, आम आदमी जमीन पर और शौचालय में छिपकर यात्रा करने को मजबूर हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, मोदी सरकार अपनी नीतियों से रेल को कमजोर कर अयोग्य साबित करना चाहती है ताकि उसे अपने मित्रों को बेचने का बहाना मिल सके। राहुल गांधी ने कहा कि अगर आम आदमी की सवारी को बचाना है तो रेलवे को बर्बाद करने में जुटी मोदी सरकार को हटाना होगा।

कार्यक्रम भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलें पीएम

देश का मानना है कि चुनाव से शुरू होगी भविष्य की नई यात्रा : मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत दुनिया के सामने मौजूद समस्याओं के समाधान के तौर पर सच्चाई एवं अहिंसा के मंत्रों को आत्मविश्वास के साथ पेश कर रहा है और उसकी सांस्कृतिक छवि भी इसमें अहम भूमिका निभा रही है। रविवार को भारत मंडपम में भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने 2014 में सत्ता में आने पर ऐसे समय में विरासत के साथ-साथ भौतिक विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया जब देश निराशा में डूबा हुआ था। उन्होंने लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि लोकतंत्र का बड़ा उत्सव जारी है और देश का मानना है कि यहां से भविष्य की नई यात्रा भी शुरू होगी। मोदी ने अपनी सरकार द्वारा योग और आयुर्वेद जैसी भारतीय विरासत को बढ़ावा दिए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि देश की नई पीढ़ी अब मानती है कि स्वाभिमान ही उसकी पहचान है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की समस्याओं के समाधान के रूप में सत्य और अहिंसा के मंत्र को वैश्विक स्तर पर अब आत्मविश्वास के साथ पेश कर रहा है। मोदी ने कहा कि दुनिया को भारत से शांति की राह दिखाने की उम्मीद है और इसकी वजह देश की बढ़ती ताकत एवं विदेश नीति बताई जाती है, लेकिन इसमें इसकी सांस्कृतिक छवि ने भी बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संघर्षों के समय में तीर्थंकरों, श्रद्धेय आध्यात्मिक जैन गुरुओं की शिक्षाएं और भी अधिक प्रासंगिक हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा कि उन्हें सुबह-सुबह मतदान करना चाहिए। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि संतों का संबंध कमल से होता है जिसका इस्तेमाल प्रायः पवित्र आयोजनों में किया जाता है और यह फूल भाजपा का चुनाव चिह्न भी है। मोदी ने कहा कि यह आयोजन एक दुर्लभ अवसर है और यह अमृत काल की शुरूआत में हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश आजादी के शताब्दी वर्ष को स्वर्णिम शताब्दी बनाने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमृत काल का विचार केवल एक संकल्प नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक प्रेरणा है। मोदी ने कहा कि भारत न केवल सबसे पुरानी जीवित सभ्यता है बल्कि मानवता के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल भी है। प्रधानमंत्री ने कहा, भगवान महावीर का शांति, करुणा और बंधुत्व का संदेश सभी के लिए महान प्रेरणा का स्रोत है।

हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत पर है गर्व : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 10 साल पहले देश में चारों तरफ निराशा व हताशा थी। यह मान लिया गया था कि इस देश का कुछ नहीं हो सकता। यह निराशा भारतीय संस्कृति के लिए भी परेशान करने वाली बात थी। इसलिए 2014 के बाद हमने भौतिक विकास के साथ ही सांस्कृतिक विरासत पर गर्व का संकल्प लिया ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इसी तरह हमने अपनी धरोहरों को संभालना शुरू किया। हमने योग और आयुर्वेद की बात की। आज देश की नई पीढ़ी को यह विश्वास हो गया है कि हमारी पहचान हमारा स्वाभिमान है। जब राष्ट्र में स्वाभिमान का यह भाव जाग जाता है, तो उसे रोकना असंभव हो जाता है। भारत की प्रगति इसका प्रमाण है। भारत के लिए आधुनिकता शरीर है, आध्यात्मिकता उसकी आत्मा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगर आधुनिकता से आध्यात्मिकता को निकाल दिया जाता है, तो अराजकता का जन्म होता है। आचरण में अगर त्याग नहीं है, तो बड़े से बड़ा विचार भी विसंगति बन जाता है। यही दृष्टि भगवान महावीर ने हमें सदियों पहले दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दशकों तक हमारे देश ने भ्रष्टाचार की त्रासदी को सहा है। हमने गरीबों की गहरी पीड़ा देखी है। आज देश उस मुकाम पर पहुंचा है कि हमने 25 करोड़ देशवासियों को गरीबी की दलदल से बाहर निकाला है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारत मंडपम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और मीनाक्षी लेखी भी मौजूद थीं।

लोक सेवक राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ नागरिकों की सेवा करते रहेंगे : राष्ट्रपति

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को सिविल सेवा दिवस पर लोक सेवकों को बधाई दी और विश्वास जताया कि वे राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश के नागरिकों की सेवा करना जारी रखेंगे। देश में 21 अप्रैल को सिविल सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है और यह नौकरशाहों का नागरिकों के हित के लिए खुद को पुनः समर्पित करने और सार्वजनिक सेवा एवं काम में उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को दोहराने का अवसर होता है। उन्होंने कहा, सिविल सेवा दिवस पर सभी लोक सेवकों को शुभकामनाएं। आपने देश की प्रगति के लिए अथक काम करने की महान विरासत को आगे बढ़ाया है। हमारी सिविल सेवाओं को बदलते माहौल के अनुसार शीघ्रता से स्वयं को ढालने की चुनौती का हमेशा सामना करना पड़ता है और साथ ही उन्हें उन तीन मूलभूत मूल्यों को भी बरकरार रखना होता है जिन्हें सरदार पटेल ने 1947 में इसी दिन अपने भाषण में रेखांकित किया था। गरिमा, सत्यनिष्ठा और सच्चरित्र। मुर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे विश्वास है कि आप राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश के नागरिकों की सेवा करना जारी रखेंगे। इस प्रयास के लिए आपको मेरी शुभकामनाएं। स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1947 में इसी दिन दिल्ली के मेटकाफ हाउस में परिवीक्षाधीन प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को संबोधित किया था। उन्होंने उन्होंने लोक सेवकों को भारत का स्टील फ्रेम कहा था। पहला सिविल सेवा दिवस समारोह 21 अप्रैल, 2006 को यहां विज्ञान भवन में आयोजित किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

पांच रुपये में रॉयल भोजन थाल सेवा शुरू

ऋषिकेश, एजेंसी। लायंस क्लब ऋषिकेश रॉयल की ओर से शनिवार से रॉयल भोजन सेवा शुरू कर दी है। जिसमें जरूरतमंद लोगों को पांच रुपये में भोजन की थाली परोसी जा रही है। सेवा के पहले दिन जीवनी माई धर्मशाला के सामने क्लब की रसोई में बने स्वादिष्ट भोजन से सैकड़ों लोगों ने स्वाद लिया। क्लब की इस सेवा की शहर की विभिन्न संस्थाओं ने प्रशंसा की। कहा कि यह सेवा जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित होगी। क्लब अध्यक्ष सुशील छाबड़ा ने बताया कि जनसेवा के लिए खोले गए भोजनालय में प्रत्येक दिन राजमा-चावल, कढ़ी-चावल, दाल-चावल परोसा जाएगा। आने वाले दिनों में भोजन की थाली के मेन्यू में वृद्धि भी की जाएगी। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक आशीष अग्रवाल, हिमांशु अरोड़ा, अभिनव गोयल, सचिव सुमित चोपड़ा, मयंक अरोड़ा, पंकज चंदानी, राही कपाड़िया, धीरज मखीजा आदि मौजूद रहे।

अब आईएसबीटी के अंदर पार्क नहीं होंगी अनुबंधित बसें

ऋषिकेश, एजेंसी। आईएसबीटी में पेयजल टैंक से पाइप जोड़कर रोडवेज की अनुबंधित बसों की धुलाई किए जाने की रोडवेज प्रशासन ने सभी अनुबंधित बसों को आईएसबीटी परिसर में पार्क करने पर रोक लगा दी है। एजीएम की ओर से पेयजल का दुरुपयोग रोकने का आश्वासन दिया था। अब एजीएम कार्यालय की ओर से इसका आदेश जारी हो गया है। इसमें सभी अनुबंधित वाल्वो और साधारण बसों के आईएसबीटी परिसर में पार्क करने पर रोक लगा दी है। यह बसें अब नटराज चौक के पास रोडवेज की वर्कशॉप के बाहर पार्क होंगी। आदेश जारी होने के बाद अब अनुबंधित बसें वर्कशॉप के बाहर ही पार्क हो रही हैं। पेयजल का दुरुपयोग रोकने के लिए अब सभी अनुबंधित बसों को आईएसबीटी में पार्क करने पर रोक लगा दी है। अनुबंधित बसें रूट से आने के बाद सीधे रोडवेज वर्कशॉप के बाहर खाली जगह पर खड़ी की जाएंगी। इस बाबत बस ऑपरेटरों को भी सूचना दी गई है।

आईडीपीएल कॉलोनी क्षेत्र में बहाल नहीं हुई बिजली

ऋषिकेश, एजेंसी। आईपीएल कॉलोनी क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से अधिक समय से बिजली की आपूर्ति बाधित है। बिजली नहीं होने से कॉलोनी के परिवारों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है। 19 अप्रैल की शाम तेज आंधी और तूफान से जगह-जगह पेड़ टूटकर विद्युत तारों के ऊपर भी गिर गए थे। जिससे आसपास क्षेत्र में बिजली गुल हो गई थी। बिजली नहीं होने से आईडीपीएल क्षेत्र के लोग परेशान हैं। कॉलोनी में बिजली नहीं होने से पेयजल संकट भी खड़ा हो गया। कॉलोनी में रात में अंधेरा छा रहा है, जिससे चोरी और दूसरी घटनाएं होने की आशंका बनी है। इन्वर्टर ठप होने से लोग मोबाइल फोन भी चार्ज नहीं कर पा रहे हैं।

जमीन के विवाद में सीओ दफ्तर के बाहर मारपीट

रूड़की, एजेंसी। जमीन के विवाद में दो पक्षों में सीओ कार्यालय के बाहर मारपीट हो गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को दौड़ाकर पीटा। इससे तहसील परिसर में अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लेकर शांतिभंग में चालान कर दिया। मंगलौर निवासी कुछ लोग रुड़की तहसील में जमीन की लिखापढ़ी करने के लिए आए थे। यहां जमीन की लिखापढ़ी को लेकर उक्त लोगों में विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और दोनों पक्षों में सीओ कार्यालय के बाहर मारपीट शुरू हो गई। मारपीट से तहसील में अफरातफरी मच गई। साथ ही आसपास के वकील और अन्य लोग मौके पर जमा हो गए। किसी ने सूचना सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को दी।

मतदान के बाद अब जीत-हार का लग रहा गुणा भाग

देहरादून, एजेंसी।
मतदान के बाद राजनीतिक हलकों में जीत-हार को लेकर गुणा-भाग शुरू हो गया है। कम मतदान के बावजूद भाजपा और कांग्रेस अपनी-अपनी जीत की संभावना जता रहे हैं। जातिगत आंकड़ों, कैडर वोट के आधार पर लगाए जा रहे इन अनुमानों के बीच यह मतदान प्रतिशत में आई बड़ी गिरावट को लेकर चिंता भी उभरी है। खासतौर पर पहाड़ की संसदीय सीटों पर जिनमें 30 फीसदी यानी 21 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत 50 फीसदी से भी कम रहा है। अल्मोड़ा की सल्ट सीट पर प्रदेश में सबसे कम 32 फीसदी मतदान रहा, जबकि हरिद्वार ग्रामीण में सबसे अधिक 73.21 प्रतिशत मतदान रहा, लेकिन श्रीनगर गढ़वाल विधानसभा को छोड़कर प्रदेश की बाकी सभी सीटों पर मतदान प्रतिशत 2019 की तुलना में घटा है।

हरिद्वार लोस सीट पर भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत और कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र रावत अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं। दोनों ही उम्मीदवारों के अपनी जीत के पक्ष में अपने-अपने तर्क हैं। इस सीट पर मतदान प्रतिशत घटता चला गया। भाजपा कब्जे वाली इस सीट पर 2014 में यह 71.57 प्रतिशत था। 2019 में यह 68.92 प्रतिशत था। इस चुनाव में यह घटकर 62.36 प्रतिशत पहुंच गया। मतदान प्रतिशत के आंकड़ों के विश्लेषण से जो तस्वीर उभर कर सामने आ रही है, वह बता रही कि संसदीय क्षेत्र में जिन विस सीटों पर कांग्रेस व विपक्षी विधायक काबिज हैं, उनमें भाजपा कब्जे वाली विधानसभा सीटों से अधिक मतदान हुआ है। भाजपा शासित धर्मपुर, ऋषिकेश, डोईवाला, हरिद्वार, रुड़की में 60 फीसदी से कम मतदान हुआ। केवल भेल रानीपुर सीट पर 60 फीसदी मतदान हुआ। वहीं, कांग्रेस शासित सीटों भगवानपुर, हरिद्वार ग्रामीण, झबरेड़ा, ज्वालापुर, पिरान कलियर सीट पर मतदान 60 फीसदी से लेकर 73.21 फीसदी तक रहा। इन सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं की संख्या भी अच्छी-खासी तादाद में है। इसके अलावा मंगलौर, लक्सर व खानपुर सीट पर भी मतदान 60 फीसदी से अधिक रहा है। इस हिसाब से कांग्रेस बाजी अपने पक्ष होने का दावा कर रही है।

पछले तीन चुनावों में पहली बार टिहरी लोकसभा में मतदान प्रतिशत गिर गया। 2019 के मुकाबले मतदान प्रतिशत में 5.73 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस लोकसभा में वर्तमान में 14 में से 11 विधानसभा सीटों पर भाजपा, दो पर कांग्रेस और एक पर निर्दलीय विधायक हैं। पिछले चार चुनावों के हिसाब से टिहरी लोकसभा को देखें तो वर्ष 2009 के चुनाव में यहां 50.38 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2014 में यह आंकड़ा बढ़कर 57.44 प्रतिशत और 2019 में 58.30 प्रतिशत पर पहुंच गया था, लेकिन इस बार अचानक मतदान प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गई है। इस साल के चुनाव में टिहरी लोकसभा में 52.57 प्रतिशत मतदान हुआ है। यहां भाजपा से माला राज्य लक्ष्मी शाह, कांग्रेस से जोत सिंह गुनसोला के अलावा निर्दलीय प्रत्याशी बॉबी पंवार भी मैदान में थे।

नैनीताल-ऊधम सिंह नगर लोकसभा सीट पर इस बार 7.57 प्रतिशत तक मतदान घट गया है। मतदान में आई इस गिरावट ने सभी प्रत्याशियों की पेशानी पर बल डाल दिए हैं। ऐसा इसलिए कि 2009 के बाद इसी सीट पर मतदान प्रतिशत ने 9.73 प्रतिशत की छलांग लगाई थी। 2009 में 58.69 प्रतिशत वोट पड़े थे। 2014 में प्रचंड मोदी लहर में यह बढ़कर 68.41 प्रतिशत हो गए और 2019 में यह मतदान प्रतिशत 68.92 तक रहा, लेकिन 2024 के चुनाव में यह घटकर 61.35 प्रतिशत रह गया। इसके बावजूद भाजपा इस सीट पर हैट्रिक लगाने का दावा कर रही है, जबकि कांग्रेस भी इस सीट पर अपनी जीत को लेकर आश्वस्त दिख रही है। 2019 के चुनाव में छह सीटों पर 70 फीसदी से अधिक मतदान हुआ था, लेकिन इस बार केवल सितारगंज सीट पर ही 70.15 मतदान हुआ। भाजपा के कब्जे वाली भीमताल, नैनीताल, काशीपुर सीटों पर 60 फीसदी से कम मतदान रहा। लालकुआं, जसपुर व काशीपुर सीटों पर मतदान में नौ फीसद तक गिरावट रही। इसके बावजूद भाजपा इस सीट पर लगातार हैट्रिक लगाने का दावा कर रही, जबकि कांग्रेस भी इस सीट पर अपनी जीत को लेकर आश्वस्त दिख रही है।

पांचों लोस सीटों में सबसे कम मतदान अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर हुआ है। पिछले चुनाव की तुलना में इस सीट पर 4.88 प्रतिशत मतदान कम हुआ। 2009 में इस सीट पर 45.86 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2014 में प्रचंड मोदी लहर के बावजूद यहां 52.41 फीसदी ही वोट पड़े और 2019 में 51.82 मतदान प्रतिशत रहा। इस बार यह 46.94 प्रतिशत पर आकर अटक गया। इस लोस क्षेत्र में अल्मोड़ा विस सीट पर गत चुनाव की तुलना में सबसे अधिक 10.55 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। संसदीय क्षेत्र की 14 विधानसभा सीटों में से नौ सीटों पर 50 फीसदी से कम मतदान हुआ है। सल्ट सीट पर एक बार फिर सबसे कम 32 फीसदी मतदान हुआ जो 2019 से कम है। संसदीय क्षेत्र में कम मतदान को लेकर भाजपा और कांग्रेस नफा-नुकसान के गुणा भाग में जुटे हैं। गढ़वाल लोकसभा सीट पर लगातार दूसरे चुनाव में मतदान प्रतिशत की गिरावट जारी है। यह सीट पिछले 10 साल से बीजेपी के पास है। वर्तमान में इस लोकसभा की 14 में से 13 सीटें भी भाजपा के पास हैं, जबकि 14वीं बदरीनाथ विधानसभा के कांग्रेस विधायक भी चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे। पिछले तीन चुनावों का ट्रेंड देखें तो गढ़वाल लोकसभा की तस्वीर कुछ समझ आती है। 2009 के लोकसभा चुनाव में यहां 48.87 प्रतिशत मतदान हुआ था, जिसमें कांग्रेस से सतपाल महाराज सांसद चुने गए थे। 2014 में तस्वीर पलट गई। इस सीट पर मतदान प्रतिशत बढ़कर 53.98 प्रतिशत हो गया और भाजपा के मेजर जनरल बीसी खंडूड़ी यहां से सांसद चुने गए। 2019 में मतदान प्रतिशत और बढ़कर 54.47 प्रतिशत दर्ज किया गया और भाजपा के तीरथ सिंह रावत यहां सांसद चुने गए, लेकिन इस बार मतदान प्रतिशत में करीब 3.63 प्रतिशत गिरकर 50.84 पर पहुंच गया है। इस लोकसभा की 14 में से 13 विधानसभा सीटों पर 2022 के विस चुनाव में भाजपा विजयी हुई थी। बदरीनाथ विस सीट पर कांग्रेस के राजेंद्र भंडारी विधायक थे जो लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा में शामिल हो गए थे, जिसके बाद ये सीट खाली है। इस बार यहां भाजपा के अनिल बलूनी और कांग्रेस के गणेश गोदियाल मैदान में थे। दोनों ही अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं।

यात्रा की तैयारियां शुरू...बर्फ हटाने के लिए हेमकुंड रवाना हुए सेना के जवान, 25 को खुलेंगे कपाट

चमोली , एजेंसी।
विश्व प्रसिद्ध हेमकुंड साहिब के कपाट आगामी 25 मई को तीर्थयात्रियों के लिए खोल दिए जाएंगे। इसे लेकर यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई है। यात्रा की तैयारियों में मुख्य कार्य यात्रा पथ से बर्फ को हटाने का रहता है। यह काम हर साल भारतीय सेना के जवान करते हैं।

हेमकुंड में अभी भी करीब 10 फीट तक बर्फ जमी हुई है। ऐसे में बर्फ हटाने के लिए आज ब्रिगेड कमांडर ब्रिगेडियर ढिल्लों के निर्देश पर 418 इंडिपेंडेंट इंजीनियरिंग कोर के ओसी कर्नेल सुनील यादव ने हर सेवक सिंह व प्रमोद कुमार के नेतृत्व में सेना के जवानों को बर्फ हटाने के लिए भेज दिया है।

सुबह गुरुद्वारा गोविंद घाट में गुरु ग्रंथ साहिब की उपस्थिति में अरदास कर इजाजत ली गई। इसके बाद पहली टुकड़ी व गुरुद्वारा के सेवादारों को गुरुद्वारा ट्रस्ट के मुख्य प्रबंधक सेवा सिंह ने घांघरिया के लिए रवाना किया।

यह जत्था कल घांघरिया से हेमकुंड साहिब बर्फ हटाने के लिए पहुंचेगा। 35 जवान व गुरुद्वारा के सेवादार यह जिमेदारी निभा रहे हैं।

सर्दियों में हेमकुंड साहिब में हमेशा भारी बर्फबारी होती है। जिसके चलते यहां जगह-जगह हिमखंड पसरे रहते हैं। हेमकुंड साहिब से दो किमी पहले अटलाकुडी के पास भारी भरकम ग्लेशियर आया हुआ है।

यहां बर्फ को बीच से काटकर रास्ता बनाया जाना है। यहां का पवित्र सरोवर भी पूरी तरह बर्फ से जम गया है।

अहमदाबाद-ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस के कोच में अचानक लगी आग, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

रुड़की, एजेंसी। अहमदाबाद ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस ट्रेन में रेलवे स्टेशन इकबालपुर के पास ब्रेक लगाने के दौरान अचानक आग लग गई।

अहमदाबाद-ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस ट्रेन के कोच में रविवार को अचानक आग लगने से यत्रियों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि समय से आग पर काबू पा लिया गया और कोई भी यात्री हताहत नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार, ट्रेन अहमदाबाद से ऋषिकेश जा रही थी। सुबह आरटी सेंटर रुड़की से सूचना मिली कि गाड़ी संख्या 19031 अहमदाबाद ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस ट्रेन में रेलवे स्टेशन इकबालपुर के पास ब्रेक लगाने के दौरान आग लग गई। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी उप निरीक्षक प्रीति करनवाल पुलिस बल के साथ रेलवे स्टेशन इकबलपुर पहुंचीं। इस दौरान कोच के यात्री नीचे उतरे हुए थे।

लक्सर जीआरपी थाना अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि कोच के निचले हिस्से में आग लगी थी। आग से कोई नुकसान नहीं हुआ है। रेलवे कर्मचारियों ने कोच को दुरुस्त कर दिया है। करीब एक1 घंटे बाद ट्रेन को ऋषिकेश के लिए रवाना कर दिया है।

युवक से मांगे 50 हजार, नहीं देने पर शादी तुड़वाने की दी धमकी

रूड़की, एजेंसी। साहब! एक युवती शादी तुड़वाने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर 50 हजार रुपये मांग रही है। युवती लगातार कॉल कर रुपये मांगकर परेशान कर रही है। एक युवक ने पुलिस से शिकायत कर युवती के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी युवक की कुछ माह पूर्व शादी तय हुई थी। रविवार को युवक की भगवानपुर क्षेत्र में बरात जानी है। शनिवार को कोतवाली पहुंचे युवक ने पुलिस से बताया कि कुछ माह पूर्व उसकी सहानपुर निवासी रिश्तेदारी में आने वाली एक युवती से जान-पहचान हुई थी।

सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा पीने का पानी

रूड़की, एजेंसी। नगर के वार्ड नंबर-एक के शेरपुर में पेयजल लाइन में लीकेज होने से पीने का पानी सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा है। ऐसे में एक ओर जहां घरों में पानी की सप्लाई नहीं हो पाती, वहीं सड़क पर भरे पानी से लोगों का चलना भी दूभर हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह कई बार जल संस्थान से शिकायत की जा चुकी है लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

इस भीषण गर्मी में नगर के कई मोहल्ले ऐसे हैं जहां पानी की किल्लत बनी हुई है। यहां समय से पानी नहीं आने से लोगों के हलक सूख रहे हैं। स्थिति ऐसी आ जाती है कि लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस जाते हैं। वहीं दूसरी ओर नगर के वार्ड नंबर-एक के शेरपुर के मुख्य मार्ग पर कई दिन से पेयजल लाइन फटी पड़ी है। इससे सुबह-शाम जैसे ही पानी की सप्लाई शुरू होती है तो सड़क पर लीकेज शुरू हो जाता है।

वहीं, जब प्रेशर बहुत तेज होता है तो पूरी सड़क पानी से लबालब भर जाती है। वहीं दो से तीन परिवार ऐसे हैं जिनके आंगन में पानी भर जाता है। दूसरी ओर लोगों के घरों में प्रेशर न होने से पानी नहीं पहुंचा पाता है। ऐसे में लोगों को दिक्कतें होती है। यह स्थिति दिन में दो बार आती है।

स्थानीय निवासी विनोद कुमार, अजय कुमार, संजय सैनी, विकास शर्मा आदि का कहना है कि कई बार जल संस्थान में फोन करके लीकेज की समस्या बता चुके हैं लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

मकतूपुरी, चंद्रपुरी, रामनगर, सेखपुरी में अक्सर पेयजल समस्या रहती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां करीब 15 हजार के करीब आबादी रहती है। इसमें से जिनके दो या तीन मंजिला मकान हैं उनकी छतों पर पानी पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाता है।

तराई में लू और गर्मी से राहत नहीं, बढ़ेगा तापमान

रुद्रपुर, एजेंसी।
अप्रैल में प्रचंड गर्मी और तेज धूप से राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। मौसम विभाग की ओर से एक सप्ताह तक तापमान के बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। आलम यह है कि सुबह से ही सूर्य की किरणें चुभ रही हैं। दोपहर 12 बजे के बाद धूप की तपिश तेज होने से सड़कों पर आवागमन में कमी आ जा रही है।

न्यूनतम पारा 22 डिग्री तो अधिकतम 37 डिग्री दर्ज किया गया जबकि रविवार को एक डिग्री के बढ़ोत्तरी के अनुमान लगाए जा रहे हैं। मौसम विभाग का मानना है कि अब गर्मी लू में तब्दील हो गई है। एक सप्ताह तक इससे राहत की कोई उम्मीद दिखाई नहीं पड़ रही है।

ऐसे में लोगों को घरों से बाहर निकलने में सावधानी बरतनी होगी। अगले सप्ताह में पारा के 42 से 43 डिग्री पहुंचने के आसार बलवती हैं। तीखी धूप के चलते दोपहर में ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जा रहा है। बंद गाड़ियों से ही लोग दोपहर में निकल रहे हैं। चिलचिलाती धूप में लोग अब सुबह-शाम ही बाहर निकलने में भलाई समझ रहे हैं।

मौसम वैज्ञानिक आरके सिंह ने बताया कि तेज धूप के साथ लू चल रही है। वर्तमान में तापमान 38 से 39 डिग्री पहुंच गया है। एक सप्ताह तक तापमान से राहत के कोई आसार नहीं है। लोग गर्मी से बचाव करते हुए घरों से बाहर निकलें और शरीर को ढककर रखें। पानी का सेवन अधिक से अधिक करें।

ऊधमसिंह नगर में गर्मी और तेज धूप में तरबूज-खरबूज, ककड़ी व नीबू पानी की डिमांड बढ़ गई है। जगह-जगह सड़क किनारे ठेलों पर तरबूज-खरबूज की दुकानें सज गई हैं।

नाबालिग छात्रा के अपहरण के दोषी को दो साल का कठोर कारावास

रूड़की, एजेंसी। कोर्ट ने नाबालिग छात्रा के अपहरण के दोषी को दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर दो माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

मंगलौर कोतवाली क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उनकी 16 साल की बेटी पास के ही एक गांव के इंटर कॉलेज में 11वीं कक्षा में पढ़ रही थी। आठ सितंबर 2022 को वह स्कूल जाने के लिए निकली थी लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटी। इस बीच पता चला कि मोहित निवासी खेड़ाजट्ट, मंगलौर बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर दोनों को पकड़ लिया था। साथ ही युवक को जेल भेज दिया था। यह मामला अपर सत्र न्यायाधीश रुड़की मोहम्मद सुल्तान की कोर्ट में विचाराधीन था। शासकीय अधिवक्ता विवेक कुश ने बताया कि कोर्ट ने गवाह और साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त मोहित कुमार को दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 22 अप्रैल, 2024

केजरीवाल को देने इंसुलिन लेकर तिहाड़ पहुंचे आप नेता और जनता, जेल प्रशासन के लेने से इन्कार पर किया विरोध-प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

तिहाड़ में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन नहीं देने को लेकर आम आदमी पार्टी कार्यकताओं और जनता ने भाजपा सरकार के खिलाफ तिहाड़ जेल के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी के विरोध प्रदर्शन में कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ नेता अतिशी, विधायक संजीव झा और मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़, आदिल खां समेत अन्य नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कैबिनेट मंत्री आतिशी समेत अन्य नेता अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली के लोगों द्वारा भेजी गई इंसुलिन के इंजेक्शन लेकर पहुंचे थे। आतिशी ने जेल के बाहर मौजूद अधिकारियों को इंसुलिन देने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने नहीं ली। इस पर आतिशी ने कहा कि दिल्ली की जनता को अपने मुख्यमंत्री की सेहत को लेकर चिंता है। इसलिए उन्होंने अरविंद केजरीवाल के लिए इंसुलिन भेजी है। लेकिन जेल अधिकारियों ने इंसुलिन लेने से इन्कार कर दिया। भाजपा इंसुलिन को रोक कर अरविंद केजरीवाल की जान को खतरे में रखने की साजिश कर रही है। इस दौरान आप नेता हाथों में अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन दो और अरविंद केजरीवाल की जान से खिलवाड़ मत करो लिखी तख्तियां, पोस्टर और बैनर लेकर पहुंचे थे।

इस दौरान आतिशी ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने अपने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए इंसुलिन भेजा है। अरविंद केजरीवाल पिछले 20 सालों से डायबिटिज के मरीज हैं। आज उनका शुगर लेवल 300 से उपर पहुंच गया है और शुगर लेवल लगातार 300 के पार बना हुआ है। दिल्ली और देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के किसी भी डॉक्टर से परामर्श लिया जाए तो वो बता देगा कि 300 से उपर शुगर लेवल है तो बिना इंसुलिन का इंजेक्शन लिए कम ही नहीं हो सकता है। अगर 300 से उपर शुगर लेवल बिना इंसुलिन के कंट्रोल नहीं हो सकता है और तिहाड़ प्रशासन इंसुलिन देने से मना कर रहा है, तो साफ तौर पर अरविंद केजरीवाल की जान को खतरा है।

आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का शुगर लेवल लगातार ज्यादा स्तर पर बना हुआ है। इससे किड़नी, लीवर, आंखों समेत नर्वस सिस्टम पर असर पड़ता है। अगर अरविंद केजरीवाल को कुछ हो गया तो कौन जिम्मेदार होगा। अगर अरविंद केजरीवाल की किडनी और आंखें खराब हो गई तो कौन जिम्मेदार होगा। अरविंद केजरीवाल की दवाइयां रोकने के पीछे निश्चित तौर पर गहरी साजिश है। आतिशी ने एक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार के वकील को कोर्ट में उपस्थित होकर तिहाड़ जेल प्रशासन का पक्ष रखना चाहिए, लेकिन तिहाड़ प्रशासन के लिए एलजी के दो वकील व्यक्तिगत तौर पर कोर्ट में उपस्थित हुए थे। ये दोनों वकील एलजी के केस देखते हैं। तिहाड़ जेल प्रशासन को अपनी रिपोर्ट दिल्ली सरकार को भेजनी चाहिए, लेकिन वो एलजी को भेज रहा है। इन घटनाओं से साफ है कि वर्तमान में तिहाड़ जेल प्रशासन पूरी तरह एलजी साहब के अधीन उनके आदेश के मुताबिक काम कर रहा है। जेल प्रशासन द्वारा साजिशन अरविंद केजरीवाल की इंसुलिन रोकी जा रही है। आतिशी ने कहा कि तिहाड़ प्रशासन ने इतने समय बाद शनिवार को एम्स को चिट्ठी लिखी कि उन्हें डायबिटिज के विशेषज्ञ डॉक्टर की जरुरत है। यानि इतने समय से तिहाड़ प्रशासन, कोर्ट को झूठ बोल रहा है कि केजरीवाल की मेडिकल मॉनिटरिंग हो रही है। इसलिए सवाल उठता है कि जब तिहाड़ में डायबटिज का डॉक्टर ही नहीं है तो मॉनिटरिंग कौन कर रहा है? उन्होंने कहा कि ये भाजपा की कैसी क्रूरता है। भाजपा की अरविंद केजरीवाल से कैसी नफरत है कि उन्हें इंसुलिन नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा अरविंद केजरीवाल की इंसुलिन को रोककर उनकी जान को खतरे में रखने की साजिश कर रही है। भाजपा की शह पर तिहाड़ प्रशासन अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन नहीं दे रहा है। इसलिए दिल्ली के लोगों ने अरविंद केजरीवाल के लिए इंसुलिन भेजी है और ये संदेश भेजा है की हमारे मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए। दिल्लीवालों ने भेजी इंसुलिन, पर जेल प्रशासन ने लेने से किया इन्कार दिल्ली की जनता द्वारा अपने सीएम अरविंद केजरीवाल को भेजी गई इंसुलिन की दवा को जेल प्रशासन ने लेने से इन्कार कर दिया। दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री आतिशी व अन्य आप नेताओं ने इंसुलिन का इंजेक्शन अधिकारियों को देने का प्रयास किया। आतिशी ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने यह इंसुलिन की दवा भेजी है। इसे ले लीजिए, लेकिन अधिकारी दवा नहीं लिए। अतिशी ने कहा कि अगर तिहाड़ प्रशासन के पास इंसुलिन नहीं है तो दिल्ली के लोगों ने अरविंद केजरीवाल के लिए इंसुलिन भेजी है। लेकिन जेल के अधिकारी इंसुलिन लेने से इन्कार कर दिए। इसमें जेल अधिकारियों की कोई गलती नहीं है। दरअसल, इनके आका भाजपा नेताओं की साजिश है कि अरविंद केजरीवाल की दवाई रोकी जाए। उनका शुगर लेवल 300 के पार पहुंचे ताकि उनकी तबीयत खराब हो और मल्टीपल आर्गन फेल हो। इस देश के इतिहास में पहले कभी इतनी घटिया राजनीति नहीं हुई होगी। भाजपा इतनी घटिया राजनीति न करे और अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन देने दे।

तिहाड़ जेल दिल्ली सरकार के अधीन है तो डीजी एलजी को रिपोर्ट क्यों भेज रहे हैं?- संजीव झा

आप विधायक संजीव झा ने कहा कि 11 अप्रैल से अरविंद केजरीवाल का शुगर लेवल बढ़ रहा है, जो खतरे की घंटी है। अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन की जरूरत है। अरविंद केजरीवाल अपने डॉक्टर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बात कराने की मांग कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल की लगातार मांग के बाद भी उनको इंसुलिन नहीं दी जा रही है। कोई भी डायबिटिज का विशेषज्ञ डॉक्टर कहेगा कि अगर मरीज का शुगर लेवल 300 के करीब है तो इंसुलिन दी जानी चाहिए। ताकि शरीर कोई अंग प्रभावित न हो। हम जेल प्रशासन से पूछना चाहते हैं कि आखिर इंसुलिन क्यों नहीं दी जा रही है। हमें लगता है कि इस मामले में भाजपा गहरी सजिश कर रही है। इसमें तिहाड़ जेल प्रशासन और एलजी शामिल हैं। भाजपा बार-बार कह रही है कि तिहाड़ दिल्ली सरकार के पास है। अगर तिहाड़ दिल्ली सरकार के पास है तो तिहाड़ का डीजी दिल्ली के मंत्री को रिपोर्ट क्यों नहीं कर रहा है, वो एलजी को क्यों रिपोर्ट कर रहा है। एलजी मीटिंग करने वाले कौन होते हैं? हम डीजी तिहाड़ से कहना चाहते हैं कि यह साजिश करना बंद करें। हमारी मांग है कि डीजी तिहाड़ के लोकेशन की जांच हो। इससे पता चल जाएगा कि डीजी एलजी के पास कितनी बार गए। उस मीटिंग के मिनट्स क्या थे। हमें पूरा शक है कि यह साजिश करके अरविंद केजरीवाल को जान से मारना चाह रहे हैं।

अमरोहा में बोली बसपा सुप्रीमो मायावती, पूंजीपतियों को फायदा पहुचा रही भाजपा

मौजूदा सांसद ने स्थानीय जनता एवं पार्टी के साथ विश्वासघात कियाः मायावती

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। जनसभा के दौरान बसपा प्रमुख मायावती ने भाजपा-कांग्रेस और सपा पर जमकर हमला किया। कहा कि इस चुनाव में गारंटी काम नहीं आएगी।आगे कहा कि पार्टी ने 2019 में जिस व्यक्ति को चुनाव में जीताकर संसद भेजा उसने पार्टी का मान-सम्मान नहीं रखा।यहां के मौजूदा सांसद ने स्थानीय जनता के साथ विश्वासघात किया।इसी को देखते हुए इस बार पार्टी ने दूसरे प्रत्याशी को टिकट दिया।रविवार को जोया रोड स्थित जोई के मैदान में जनसभा के दौरान मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव में अकेले लड़ रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सांसद ने स्थानीय मुस्लिम समाज के साथ भी विश्वासघात किया है। लेकिन पार्टी ने उनके सम्मान में मुस्लिम उम्मीदवार को ही मैदान में उतारा है।भीड़ को देखकर उन्हें विश्वास हो गया है कि इस बार भी अमरोहा से बसपा को ही जीत मिलेगी। आजादी के बाद दिल्ली की सत्ता कांग्रेस के ही हाथ रही। लेकिन गलत मानसिकता के कारण उसे सत्ता से बाहर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा की करनी और कथनी में भी बड़ा अंतर है। इस चुनाव में भाजपा की गारंटी काम आने वाली नहीं है। अब जनता समझ चुकी है कि यह सब बातें हवा हवाई और कागजी गारंटी वाली है। आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बड़े पूंजीपतियों को फायदा पहुंचा रही है। कई मामलों में उन्हें बचाने में लगी है।कांग्रेस की तरह ही भाजपा भी देश की सरकारी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। आज देश का किसान परेशान है। जब-जब बसपा की प्रदेश में सरकार बनी है। तब हमने किसानों का विशेष ध्यान रखा। उनकी फसलों का उचित दाम दिया है।आज गरीब, पिछड़े, दलितों, मुस्लिम को दरकिनार कर दिया गया है। उन तक योजनाएं नहीं पहुंच रही हैं। इसके अलवा आरक्षण का कोटा भी अधूरा रखा गया है। सरकारी काम लगातार प्राइवेट सेक्टर को दिया जा रहा है। इस सरकार में दलितों और मुस्लिमों का लगातार शोषण किया जा रहा है। गरीब तबके की हालत ठीक नहीं है। मायावती ने कहा कि वर्तमान सरकार की गलत नीतियों के चलते मध्यम वर्ग के लोग भी दुखी और परेशान हैं। देश और प्रदेश में महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ा है।सभी विरोधी पार्टियां जीतने के लिए साम-दाम, दंड और भेद के तरीके आजमाने में लगी हैं।बसपा प्रमुख ने कहा कि अगर फिर सरकार बनाने का मौका मिलेगा तो विरोधी पार्टियों की तरह हवा हवाई काम नहीं किया जाएगा।पिछले कई सालों से भाजपा सरकार फ्री में राशन दे रही है लेकिन जब चुनाव होता है तो भाजपा और आरएसएस के लोग गांव-गांव जाकर इसका कर्ज उतारने को कहते हैं। देश में लगातार महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है इससे जनता परेशान है। इन दिनों विरोधी पार्टियों कई प्रकार के लोकलुभावन घोषणा पत्र ला रहे हैं। लोगों को उनके चक्करों में नहीं पड़ना है। उन्होंने कहा कि बसपा को जिताकर काशीराम और डॉ. भीमराव आंबेडकर का अधूरा सपना पूरा करना है।

कांग्रेस प्रत्याशी उदित राज बोले- ये चुनाव ऐतिहासिक, मोदी सरकार आई तो खत्म हो जाएंगे चुनाव

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली के उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ उदित राज ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर 16 स्थित गुरुद्वारा में मत्था टेकने और सिख समुदाय के बीच पहुंचे कांग्रेस प्रत्याशी डॉ उदित राज ने कहा कि इस बार का चुनाव एक ऐतिहासिक चुनाव है। अगर इस बार मोदी सरकार सत्ता में आ गई तो अगली बार से चुनाव ही समाप्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसलिए यह जरूरी है कि इस बार कांग्रेस की सरकार बनाए। साथ ही उन्होंने मोदी सरकार की गारंटी पर कांग्रेस की गारंटी को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। इसी फेहरिस्त में कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी डॉ उदित राज ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। डॉ उदित राज ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक चुनाव होने वाला है। अगर इस चुनाव में फिर से मोदी सरकार आ गई तो अगली बार से चुनाव ही समाप्त हो जाएंगे। मोदी सरकार की गारंटी पर कांग्रेस की गारंटी को लेकर डॉ उदित राज ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मोदी फसलों में केवल महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। इसलिए कांग्रेस अपनी गारंटी लेकर आई है, जिसमें वो युवाओं को रोजगार, शिक्षित और महिलाओं को सम्मान, एमएसपी की गारंटी के साथ ही किसानों की कर्ज माफी सरीखे मुद्दों पर अपना चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस जो अपना गारंटी कार्ड लेकर आई है वो उसे पूरा करेगी। साथ ही इस दौरान उन्होंने अपनी जीत का दावा करते हुए लंबे अंतर से जीत की बात कही। दरअसल मौका था जब इंडिया गठबंधन में कांग्रेस से उत्तर पश्चिम लोकसभा प्रत्याशी डॉ. उदित राज रोहिणी सेक्टर 16 स्थित गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में पहुंचे और वहां पर मत्था टेका। साथ ही सिख समाज का समर्थन भी अपने लिए मांगा। इस दौरान डॉ उदित राज ने लोगों के साथ लंबा समय भी बिताया। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रत्याशियों का प्रचार प्रसार अभियान जोर पकड़ता जा रहा है। सभी प्रत्याशी विभिन्न समाज और वर्ग के लोगों के बीच पहुंच कर अपना वोट बैंक बटोरने की कवायद में जुटे हुए हैं। इसी फेहरिस्त में कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी डॉ उदित राज ने गुरुद्वारा पहुंचकर सिख समुदाय के लोगों से वोट देने की अपील की।

तेज रफ्तार कारों की जोरदार टक्कर, दो लोगों की मौत

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (वेब वार्ता)। पंजाबी बाग थाना इलाके में तेज रफ्तार कारों के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो युवकों की मौत हो गई व दो घायल हो गए। दुर्घटना इतनी खतरनाक थी कि एक कार के दो टुकड़े हो गए और दूसरी उछलकर मेट्रो के पिलर से टकरा गई। मृतकों की पहचान दिचाऊ गांव के प्रिंस व गोविंद के रूप में हुई है। वहीं, घायल नजफगढ़ के नारायण व शशिनगर के सौरभ गुप्ता का इलाज चल रहा है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, प्रिंस, गोविंद व नारायण स्विफ्ट डिजायर कार में सवार थे और सौरभ गुप्ता आई20 कार में जा रहे थे। दोनों गाड़ियां तेज रफ्तार में रोहतक रोड पर बृहस्पतिवार देर रात को समानांतर जा रही थीं। तभी अचानक दोनों टकरा गई व टक्कर होते ही आई20 कार के दो टुकड़े हो गए व स्विफ्ट डिजायर हवा में उड़ते हुए मेट्रो पिलर नंबर 74 से टकरा गई व दूसरी तरफ जाकर गिर गई। घायलों को आसपास के लोग अस्पताल लेकर गए।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को पंजाबी बाग थाना पुलिस को जानकारी मिली थी कि भगवान दास नगर के पंजाबी बाग मेट्रो पिलर नंबर 72 से 74 के बीच में गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई है। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो वहां पर सड़क पर दोनों तरफ दो गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त थी। आई20 कार जखीरा की ओर जाते समय फुटपाथ पर खड़ी थी। उसका इंजन पिलर नंबर 74 के सामने फुटपाथ पर पड़ा था। वहीं, रोहतक रोड पर ही दूसरी तरफ मेट्रो पिलर 72 के सामने ही फुटपाथ पर लाल रंग की स्विफ्ट डिजायर दुर्घटनाग्रस्त खड़ी थी।

पूछताछ के दौरान पता लगा कि आसपास के लोगों ने घायलों को अस्पताल भिजवा दिया। वहां जाकर पता लगा कि प्रिंस को मृत घोषित कर दिया गया है और गोविंद व नारायण का इलाज चल रहा है। पास के ही एक अस्पताल में सौरभ का इलाज चल रहा था। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। घायल बयान देने की हालत में नहीं थे। इसलिए पुलिस को इस बात की पुष्टि भी नहीं हुई कि दुर्घटना कैसे हुई। बाद में गोविंद की इलाज के दौरान मौत हो गई। पंजाबी बाग थाना पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले में जांच कर रही है।

व्यापारियों ने तीनों प्रमुख राजनीतिक दलों के सामने रखा 10 सूत्रीय मांग पत्र

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

चांदनी चौक, सदर, कश्मीरी गेट, खारी बावली, करोल बाग, लाजपत नगर, सरोजिनी नगर, कीर्ति नगर, कनोट प्लेस, रोहिणी, राजौरी गार्डन आदि बाजारों के व्यापारियों ने क्षेत्र की समस्याओं और समाधान पर बैठक कर 10 मांगों को सभी राजनीतिक दलों को भेजने का फैसला किया है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल व अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने कहा, हम बीजेपी के 7, आप के 4 और कांग्रेस के तीनों उम्मीदवारों, तीनों पार्टियों के प्रदेश अध्यक्षों को 10 मांगों का पत्र भेजेंगे, ताकि वे घोषणा पत्र में हमारे मुद्दों को शामिल करें। बृजेश गोयल ने कहा, बीजेपी, कांग्रेस और आप भी दिल्ली स्तर पर मेनिफेस्टो जारी करें क्योंकि दस साल से हम सातों सांसदों से उम्मीद लगाए रहे लेकिन निराशा हाथ लगी। सीटीआई महासचिव विष्णु भार्गव और गुरमीत अरोड़ा ने बताया कि जो भी राजनैतिक दल व्यापारियों के इन 10 प्रमुख मुद्दों को अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करेगा दिल्ली के व्यापारी उसी को लोकसभा चुनाव में वोट डालेंगे। बता दें दिल्ली में करीबन 20 लाख व्यापारी हैं जिनके 50 से 60 लाख वोट बताए जाते हैं।

प्रमुख 10 मांगें...

-आज जीएसटी के पोर्टल में खामियां हैं, जीएसटी सिस्टम जटिल है, इसे सरल किया जाए

-एमएसएमई उद्यमियों के लिए 43 बीएच कानून वापस लिया जाए

-व्यापारियों द्वारा दिए गए टैक्स के आधार पर 60 साल के बाद उन्हें पेंशन और स्वास्थ्य बीमा मिले

-सस्ते ब्याज दरों पर लोन मिले

-बाजार से जितना टैक्स वसूला जाए उसका एक तय हिस्सा उसी मार्केट के विकास पर खर्च हो

-ई-कॉमर्स पॉलिसी में सुधार लाया जाए

-नई दिल्ली लोकसभा के कनाट प्लेस, पालिका बाजार, जनपथ आदि बाजारों के व्यापारियों को लाइसेंस फीस, हाउस टैक्स राहत दी जाए

-बाजारों में सीलिंग का स्थायी समाधान हो

-पुरानी दिल्ली के बाजारों चांदनी चौक, कश्मीरी गेट, खारी बावली, नया बाजार, चावड़ी, सदर बाजार आदि के पुनर्वास के लिए अलग से पैकेज लाया जाए

-व्यापारियों और उद्यमियों के लिए भारत सरकार एक ट्रेड एंड इंडस्ट्री डेवलपमेंट बोर्ड बनाए जिसमें कि प्रमुख व्यापारिक संगठनों को शामिल किया जाए

निर्वाचन के लिए अधिग्रहण किए गए वाहन को 23 अप्रैल तक वाहन स्वामी चिन्हित स्थान पर उपलब्ध कराएं

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत जनपद में 26 अप्रैल को मतदान है 23 अप्रैल को हल्के एवं भारी वाहनों को मंडी परिसर गुलड़िया रोड अमरोहा पर वाहन स्वामियों को अपना वाहन लाकर उपलब्ध कराना होगा। जिससे कि जीपीएस एवं सुरक्षा सयंत्र ईंधन डलवा कर पोलिंग पार्टियों सेक्टर मजिस्ट्रेट जोनल मजिस्ट्रेट जिला निर्वाचन एवं पुलिस प्रशासन के सभी कर्मचारियों अधिकारियों को आवंटित कर जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्र के लिए समय से रवाना कराया जा सके।उन्होंने कहा कि हमारे भारत देश में निर्वाचन कार्य को संपन्न कराना सरकारी अधिकारियों के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का न केवल कर्तव्य है बल्कि कानूनी रूप से भी सभी का उत्तरदायित्व है।जनपद के समस्त वाहन स्वामियों को निर्देशित किया जाता है कि जिनको अधिग्रहण आदेश/ नोटिस पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग के द्वारा तामील कराया गया है दिनांक 23 अप्रैल को समय से अधिग्रहण आदेश में लिखित स्थान पर वाहन को उपलब्ध करा दें अन्यथा की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की निहित धारा 160 के तहत किए गए अधिग्रहण आदेशों के उल्लंघन में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया जाएगा जिसमें वाहन स्वामी को जेल एवं वाहन के जब्ती करण की कार्यवाही की जाएगी।इस अप्रिय स्थिति से बचने के लिए अपने वाहन को स समय उपलब्ध करा दें।

खड़ी कारों के शीशे तोड़े, सीसीटीवी कैमरों में स्कूटी सवार युवक दिखाई दिये

नई दिल्ली। शाहबाद डेयरी इलाके में बीती रात अज्ञात बदमाशों ने करीब आधा दर्जन खड़ी कारों के शीशे तोड़ दिये। जिसके बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने भी लोगों को आरोरियों को जल्द से जल्द पकडे का आश्वासन दिया है। पुलिस को कुछ सीसीटीवी कैमरों में तीन लडके डंडे लेकर इलाके में दिखाई दिये हैं। जिनकी पहचान कर पकडे की कोशिश की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह शाहबाद डेयरी पुलिस को मुर्गा मार्किट इलाके में करीब आधा दर्जन खड़ी कारों के शीशे टूटने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। कार मालिकों की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर रात करीब दो बजकर 18 मिनट और उसके कुछ मिनट बाद की तीन से चार सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में तीन लडके डंडे लेकर जाते व आते हुए और स्कूटी सवार जिसने हरे रंग की टी शर्ट पहन रखी थी। लडका स्कूटी से उतरकर पास खड़ी सफेद रंग की कार के पीछे के शीशे को डंडे से तोडकर साथी के साथ स्कूटी पर जाता दिखाई दे रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी की पहचान करके उनके ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पीड़ित राजेश, अजय और रईस आदि व्यक्तियों ने बताया कि घर के बाहर हमारी कारें खड़ी थी। सुबह देखा तो शीशे तोड़ रखे थे। सीसीटीवी कैमरे में कन्हैया उर्फ पप्लू और उसके साथी दिखाई दे रहे हैं, जिनके हाथ में डंडे हैं। ये लडके इलाके में अपना वर्चस्व जमाने के लिये इस तरह की दहशत मचा रहे हैं। जबकि एक अन्य सीसीटीवी फुटेज में दो पहिया वाहन पर लडके एक गली में जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन लडकों से कोई विवाद भी नहीं हुआ है। लेकिन इन्होंने अलग अलग जगहों पर जाकर गाडिों के शीशे तोड़े हैं।

कैब चालक की हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लाल किले के निकट एक कैब चालक की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि फिरोज नामक व्यक्ति ने 15 अप्रैल को विवाद होने के बाद एक कैब चालक की गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी थी। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) एम. के. मीणा ने कहा, ह्यरविवार को फिरोज के ठिकाने के बारे में एक सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस टीम उसके ठिकाने पर पहुंच गई। उन्होंने बताया कि जब फिरोज को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया तो उसने पुलिस टीम पर गोलीबारी की। पुलिस उपायुक्त ने कहा, पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की। आरोपी के बाएं पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे तुरंत इलाज के लिए अरुणा आसफ अली अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि जाकिर नगर निवासी 36 वर्षीय कैब चालक मोहम्मद साकिब और पलवल निवासी लवकुश (15) को 15 अप्रैल की देर रात गोली लगने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था,

गाजीपुर में कूड़े के पहाड़ में लगी आग, दमकल की गाड़ियां मौके पर

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में स्थित गाजीपुर लैंडफिल साइट में आग लग गई है। कूड़े के पहाड़ से ऊंचा धुआं उठ रहा है। दमकल को 5:22 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर दमकल की दो गाड़ियां पहुंच गईं जो आग को बुझाने में जुटी हुई हैं। आग लगने की वजह नहीं पता चल पाई है। पहले कूड़े के ढेर से धुआं उठा, उसके बाद आग लग गई।

पुस्तकें, बदलवा का माध्यमः पद्म श्री डॉ. बी. के. एस. संजय

- पुस्तकें, बदलाव का अच्छा, सस्ता एवं स्थायी माध्यमः पद्म श्री डॉ. बी. के. एस. संजय
- अच्छा सोचें, अच्छा पढ़ें, अच्छा करें: डॉ रमेश पोखरियाल निशंक

संजय ऑर्थोपीडिक, स्पाइन एवं मैटरनिटी सेंटर दून विहार, जाखन, राजपुर रोड, देहरादून के द्वारा विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय लोकसभा सांसद, पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड डॉ. रमेंश पोखरियाल ह्यनिशंकह्य ने सम्मानित अतिथि औरोवैली आश्रम के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी ब्रह्मदेव एवं विशिष्ट अतिथि पर्यावरणविद् पद्म श्री कल्याण सिंह रावत, यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत, देहरादून महानगर के बी.जे.पी. अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल, झांसी विश्वविद्यालय के प्रो. पुनीत बिसारिया एवं कार्यक्रम के आयोजक पद्म श्री डॉ. बी. के. एस. संजय के साथ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पद्म श्री डॉ. बी. के. एस. संजय ने कहा कि पुस्तकें ऐसी दोस्त हैं कि जब भी आप उनका साथ चाहते हो वह आपके साथ हो जाती हैं और अपने पूरे कर्तव्य और जिम्मेदारी निभाती हैं। उनके लिए समय और परिस्थितियों की बाधता नहीं होती है जैसे कि व्यक्तियों के साथ होती है। लेखक लिखने के बाद मर जाते हैं पर पुस्तकें अमर रहती हैं जैसे हमारे ग्रंथ रामायण, महाभारत, कुरान, बाइबल, गुरु ग्रंथ साहब, आगाम और पिटिक इत्यादि। जब हम कोई पुस्तक पढ़ते हैं तो ऐसा लगता है मेरा लेखक से सीधा साक्षात्कार हो रहा है और यही भावना उसमें लेखकों की लेखन के साथ अमर बनाती हैं। डॉ. संजय ने सभी से अनुरोध किया कि हम सभी को बचपन से ही पढ़ने की आदत डालनी चाहिए और बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

कार्यकम के सम्मानित अतिथि स्वामी ब्रह्मदेव ने कहा कि चाहे हम किताबें कितना भी पढ़ लें लेकिन अपनी जिंदगी को पढ़ना सबसे बडा काम है। अपने आप को समझें, जानें और खुद को पहचानें। पुस्तकों से ही जीवन का विकास होता है इसलिए पढ़ते रहें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय रमेश पोखरियाल निशंक जी ने कहा कि पुस्तकों का महत्व असीमित है। आज हम जो भी हैं, जहा भी हैं, यह सब पुस्तकों की ही देन है। हम जैसा सोचते हैं, वैसा बोलते हैं और हम जैसा बोलते हैं, वैसा करते हैं इसलिए अच्छा सोचें, अच्छा करें और अच्छे बनें। डॉ. योगेंद्र नाथ अरुण ने कहा कि पुस्तकें आपकी सबसे अच्छी दोस्त हैं, बशर्ते तुम्हें चुनना आता हो। आज संस्कारों एवं संस्कृति को बचाने की आवश्यकता है और पुस्तकें ही इस कार्य को करने में महत्त्वपूर्ण योगदान देती हैं। डॉ. सुधा रानी पांडे ने कहा कि हम सभी पुस्तकें पढ़ कर ही आगे बढ़े हैं। पुस्तकें हमारी मानसिक, वैचारिक, बौद्धिक एवं सैद्धांतिक विचारों की अवधारणा को प्रभावित करते हैं। प्रो. प्रियदर्शन पात्रा ने कहा कि हमें स्वयं पढ़ना चाहिए और दूसरों को पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। श्री विश्वंबर नाथ बजाज ने कहा कि हमारे जीवन में धार्मिक ग्रंथों का महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रो सुशील उपाध्य ने कहा कि बहुत सारे शैक्षणिक संस्थानों एवं पुस्तकालयों में बहुत सारी पुस्तकें हैं परंतु पुस्तकें केवल अलमारियों तक पहुंची हैं। श्री रूबा बिजनौरी ने शायरी एवं गजल गायन से सबका मनोरंजन किया। डॉ. एस. एन. सिंह ने कहा कि हमें अनावश्यक खर्चों के बजाय पुस्तकें खरीदनी चाहिए जो हमारे जीवन को बनाए और संवारे। हास्य कवि श्री राकेश एवं श्री अरुण भट्ट ने कविता का पाठ किया। श्री रजनीश त्रिवेदी ने कहा कि किताबें अंधकार में उजाला होती हैं और हमारे जीवन का उद्धार करती हैं। कार्यक्रम का संचालन श्री योगेश अग्रवाल के द्वारा किया गया। ऑर्थोपीडिक एवं स्पाइन सर्जन डॉ. गौरव संजय ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों, वक्ताओं, छात्र-छात्राओं, संस्था के सभी कर्मचारियों, पत्रकार बंधुओं एवं सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. पी.के. गर्ग, डॉ. सुनील सोनकर, श्री जे.एस. हलधर, भागीरथ शर्मा, बैचेन कंडियाल, असीम शुक्ला, डॉ. सुजाता संजय, डॉ. गौरव संजय, डॉ. प्रतीक, श्री आर.पी. गौतम, शिव मोहन, सपना पांडे, हरिओम सिंह आदि मौजूद रहे।

गोपाल राय ने संभाली प्रचार की कमान, संकल्प सभा में जेल का जवाब वोट से देने की अपील

राजधानी दिल्ली में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं।वैसे-वैसे राजनीतिक चुनाव प्रचार तेज होता हुआ नजर आ रहा है। आम आदमी पार्टी जोर-शोर से चुनाव प्रचार कर रही है और सभा का आयोजन कर रही है इसी कड़ी में शनिवार शाम को दिल्ली के तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने संकल्प सभा को संबोधित किया और लोगों से जेल का जवाब वोट से देने की अपील की।

दक्षिणी दिल्ली लोक सभा क्षेत्र के हरकेश नगर में संकल्प सभा में आम आदमी पार्टी दिल्ली संयोजक गोपाल राय पहुंचे और इस दौरान उन्होंने मौजूद लोगों को शपथ दिलवाई कि जनता किसी भी हाल में केंद्र सरकार के अत्याचार और तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करेगी, साथ ही मुख्यमंत्री को जेल में डालने का जवाब अपने वोट से देगी।गोपाल राय ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि इखढ की केंद्र सरकार ने पहले तो जनता के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गैरकानूनी तरीके से गिरफ़्तार किया और फिर जेल में डालने का काम किया है। एक चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में डालने से जनता का अपमान हुआ है और जनता इसका बदला अब 25 मई को मतदान करके लेगी,

गोपाल राय ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सहीराम पहलवान के काम और नाम से भारतीय जनता पार्टी कितनी घबरायी हुई है, इस बात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपने मौजूदा सांसद का टिकट तक काटना पड़ा। भारतीय जनता पार्टी अब भ्रष्ट लोगों की पार्टी बनकर रह गई है और प्रधानमंत्री मोदी की बुलेट ट्रेन पर सभी भ्रष्ट नेता सवार हो गए हैं। इस बात को लेकर जनता के मन में बहुत गुस्सा है। इस बात का भारतीय जनता पार्टी को एहसास भी है, कारणवश उन्हें अपने 6 उम्मीदवार बदलने पड़े हैं।

प्रत्याशी सहीराम पहलवान ने मीडिया को दिए अपने बयान में कहा है कि हरकेश नगर में आज भारतीय जनता पार्टी की तानाशाही मानसिकता की झलक एक बार फिर देखने को मिली, जब जब भारी जनसैलाब से घबरायी भारतीय जनता पार्टी ने अपनी दिल्ली पुलिस को भेजकर सभा को आयोजित होने से रोकने की कोशिश की। जबकि इस आयोजन के लिए पहले से दिल्ली पुलिस ने इजाजत दे रखी थी। दक्षिणी दिल्ली लोक सभा क्षेत्र में आयोजित इस संकल्प सभा में विधायक ऋतुराज झा, पूर्व विधायक राम सिंह नेताजी, पार्षद हेमचंद गोयल, पार्षद ममता पवन प्रताप और राकेश लोहिया भी मौजूद रहे।बता दें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कथित शराब घोटाला में गिरफ्तार किए गए हैं और फिलहाल में तिहाड़ जेल में बंद है। इसी मुद्दे को मुद्दा बनाकर आदमी पार्टी लोकसभा चुनाव में जेल का जवाब वोट से मुहिम चला रही है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 22 अप्रैल, 2024

तिहाड़ जेल के डीजी ने चिट्ठी लिख, एम्स अस्पताल से मांगा शुगर स्पेशलिस्ट डॉक्टर : भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पार्टी मुख्यालय में हुई एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने तिहाड़ जेल के डीजी द्वारा बीते कल 20 अप्रैल को अक्क्टर को लिखी एक चिट्ठी पत्रकारों के साथ साझा की, जिसमें तिहाड़ जेल के डीजी ने एम्स अस्पताल से एक शुगर के स्पेशलिस्ट डॉक्टर तिहाड़ जेल को मुहैया कराने की मांग की है कसौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज भाजपा शासित केंद्र सरकार पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हो गई है कउन्होंने कहा की 1 अप्रैल से अरविंद केजरीवाल जी दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है और जैसा कि सभी जानते हैं, अरविंद केजरीवाल जी को शुगर की गंभीर बीमारी है और वह शुगर नियंत्रित करने के लिए लगातार इंसुलिन दवाई लेते हैं कअरविंद केजरीवाल जी लगातार इस बात को कह रहे थे, कि मुझे शुगर बढ़ती जा रही है और तिहाड़ जेल में मुझे इंसुलिन नहीं दी जा रही है, या तो मुझे शुगर के स्पेशलिस्ट डॉक्टर को दिखाया जाए या फिर मेरे फैमिली डॉक्टर जिन्हें मेरी बीमारी की पूरी केस हिस्ट्री मालूम है, से मुझे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए परामर्श करने दिया जाए कपरंतु बीजेपी शासित केंद्र सरकार और तिहाड़ प्रशासन लगातार इस बात को कह रहा था, कि अरविंद केजरीवाल जी की शुगर ठीक है और उनको इंसुलिन की कोई जरूरत नहीं है और हमारे पास यहां क्लिनिक है, पर्याप्त सुविधाएं हैं, स्पेशलिस्ट डॉक्टर हैं, सभी दवाइयां उपलब्ध हैं कपरंतु जेल के डीजी द्वारा अक्क्टर अस्पताल को लिखी गई यह चिट्ठी इस बात का सबूत है, कि जेल प्रशासन और भाजपा शासित केंद्र सरकार अभी तक झूठ बोल रही थी

सौरभ भारद्वाज ने भाजपा शासित केंद्र सरकार और जेल प्रशासन के एक और झूठ से पर्दा उठाते हुए कहा, कि कल तिहाड़ जेल प्रशासन ने अरविंद केजरीवाल जी की शुगर से संबंधित एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें उन्होंने लिखा है शुगर रैंडम कजबकि पूरी दुनिया इस बात को जानती है कि शुगर को जांच करने का जो तरीका है वह खाना खाने से पहले खाली पेट जांच की जाती है और फिर खाना खाने के 2 घंटे बाद जांच की जाती है करैंडम शुगर का कोई आधार ही नहीं है क उन्होंने कहा कि यह रैंडम शुगर उस समय की शुगर, रिपोर्ट में लिखी गई है, जब उनकी शुगर गिरी हुई है क जबकि सही तरीका खाली पेट जांच करने पर आई शुगर और खाना खाने के 2 घंटे बाद जांच करने पर आई शुगर कितनी है वह होता है, जो की जेल प्रशासन ने अपनी कल की रिपोर्ट में नहीं दी है कउन्होंने कहा कि किसी भी हाई शुगर के मरीज की शुगर बहुत तेजी से बढ़ती है और बहुत तेजी से गिरती है, जिस प्रकार से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी की शुगर ईडी की कस्टडी में गिरी थी और 46 पहुंच गई थी कइसीलिए अधिकतर मरीज अपनी जेब में कुछ टॉफी या मीठा खाने का सामान रखते हैं, ताकि अचानक शुगर गिरने पर वह खा लिया जाए और मरीज की जान बच जाए कभाजपा शासित केंद्र सरकार और जेल प्रशासन को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि यदि अरविंद केजरीवाल जी द्वारा जारी की गई रिपोर्ट गलत है तो केंद्र सरकार आए, जेल प्रशासन आए और मीडिया के सामने इस बात को कहे कउन्होंने कहा कि वह ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि अरविंद केजरीवाल जी द्वारा जारी की गई रिपोर्ट जेल में उनकी शुगर जाँचने के लिए लगी मशीन में दर्ज है क पिछले 20 दिन की जो रिपोर्ट अरविंद केजरीवाल जी ने जारी की है वह सारी रिपोर्ट उस मशीन में दर्ज है, जिसे की भाजपा शासित केंद्र सरकार और जेल प्रशासन झुठला नहीं सकता

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह समझ के बिल्कुल परे है, कि आखिर भाजपा शासित केंद्र सरकार और जेल प्रशासन अरविंद केजरीवाल जी की बढ़ी हुई शुगर को क्यों छुपा रहे हैं ? उन्होंने कहा सिर्फ और सिर्फ एक ही बात समझ में आती है, कि भाजपा शासित केंद्र सरकार चाहती है, कि अरविंद केजरीवाल जी की शुगर लगातार बढ़ी रहे और तर्क कुतर्क करके मीडिया में माहौल बना के रखा जाए और बढ़ी हुई शुगर के कारण धीरे-धीरे अरविंद केजरीवाल जी के शरीर के जो अन्य अंग हैं, जैसे की किडनी, लीवर, हार्ट, आंखें आदि खराब हो जाए और धीरे-धीरे उनकी मृत्यु हो जाए कसौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी अरविंद केजरीवाल जी की हत्या करने की साजिश रच रही है कसौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस बढ़ी हुई शुगर की परेशानी से जूझ रहे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने भाजपा शासित केंद्र सरकार का, जेल प्रशासन का और अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है कि मुझे इंसुलिन दवाई दे दी जाए

मनोज तिवारी के समर्थन में सभा आयोजित

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास नगर विधानसभा के अशोकनगर वार्ड में उत्तर पूर्वी लोकसभा के प्रत्याशी मनोज तिवारी के समर्थन में सभा का आयोजन सुनील डेरी एमआईजी फ्लैट में हुआ ! क्षेत्रवासियों ने मनोज तिवारी को अधिक से अधिक वोटो से जिताने का आशीर्वाद दिया ! मनोज तिवारी ने पिछले 10 वर्षों में अपनी लोकसभा के लिए क्या-क्या कार्य किया तथा आगामी 100 दिन में क्या विकास कार्य किए जाएंगे जनसभा में उपस्थित लोगों को जानकारी दी इस सभा में लोकसभा प्रभारी विष्णु मित्तल जिला अध्यक्ष मनोज त्यागी वार्ड की निगम पार्षद रीना माहेश्वरी विधानसभा प्रभारी अनुराग चंदेल विधानसभा संयोजक धर्मवीर नागर मंडल अध्यक्ष संजय पांचाल , रीमा सेठ, दीपक गोस्वामी ओमप्रकाश बैसला मुकेश माहेश्वरी विकास त्यागी मंच संचालक पंकज गुप्ता आर.डब्लू.ए. के अध्यक्ष व क्षेत्र के प्रमुख लोग उपस्थित रहे !

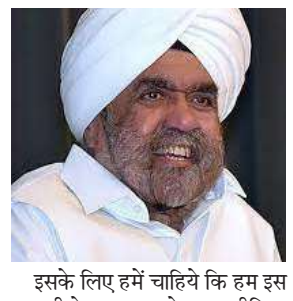

पृथ्वी दिवस पर इस ग्रह की देखभाल करें और आध्यात्मिक रूप से विकसित हों

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

पृथ्वी दिवस हम सबके लिए पृथ्वी के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है क्योंकि यह हमें जीवन जीने के लिए कई प्रकार के प्राकृतिक संसाधनों को उपलब्ध करती है। यह सभी संसाधन न सिर्फ हमारे लिए बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मूल्यवान है, इसलिए हम सभी को चाहिए कि इन सभी संसाधनों का प्रयोग हम बहुत ही सावधानी से करें।

इन संसाधनों का सदुपयोग करने और पृथ्वी का सम्मान करने के लिए हमें अहिंसा का रास्ता अपनाना होगा, जिसमें कि हम इस पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों और प्राकृतिक संसाधनों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करते हैं। इसमें इंसानों से लेकर जानवरों और पौधों तक सभी शामिल हैं। सिर्फ यह सोचकर ही हमें खुशी मिलती है कि इस विशाल अंतरिक्ष में यह ग्रह पिता-परमेश्वर का बनाया एक खूबसूरत रत्न है, जिसमें हम सब इस परिवार के एक सदस्य हैं। इसलिए हमें ऐसे कार्य करने चाहिएं जिसमें कि हम एक-दूसरे की मदद करते हुए प्रेम और शांतिपूर्वक जी सकें।

इस ग्रह पर रहते हुए हम स्वस्थ तरीके से अपना जीवन यापन करें, ताकि हमारे परिवार और पूरे विश्व के लिए वर्तमान में और आने वाले समय में भी पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हों।

इसके लिए हमें चाहिये कि हम इस ग्रह की देखभाल करते हुए शारीरिक, मानसिक और आत्मिक तौर पर विकसित हों। जिसके लिए हमें एक शाकाहारी जीवन शैली को अपनाना होगा और साथ ही साथ अपनी आत्मिक तरक्की के लिए अपने जीवन में हमें सद्गुणों को भी धारण करना होगा। जिसमें कि हम दूसरों की सेवा करते हुए ध्यान-अभ्यास के जरिये अपने अंतर में प्रभु-सत्ता से जुड़कर आध्यात्मिक रूप से विकसित हो सकते हैं। दूसरों की सेवा करना और मिल-जुलकर रहना आध्यात्मिकता का ही एक हिस्सा है। दूसरों के साथ मिलकर रहना और इस पृथ्वी की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है क्योंकि इस सृष्टि के कण-कण में परमात्मा विद्यमान हैं। आईये, आध्यात्मिक रूप से बढ़ते हुए हम इस ग्रह, पेड़-पौधों, जानवरों और इंसानों की देखभाल करते हुए हम पृथ्वी दिवस मनायें और पृथ्वी द्वारा दिये गए बहुमूल्य उपहारों का सर्वोत्तम उपयोग करें।

देश का शासन मजबूत हाथों में होना चाहिए : आर के महतो

नई दिल्ली। भारत के विकास और उत्थान को प्रदर्शित करने के लिए शनिवार को दिल्ली में आदयानत सोशल फाउंडेशन की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के बाहर रहने वाले नॉन रेजिडेंट इंडियन (एनआरआई) और ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) एवं प्रबुद्ध भारतीय नागरिक भाग लिया। कॉन्फ्रेंस में प्रवासी भारतीय भारत के बारे में क्या सोचते हैं इस पर विस्तृत चर्चा की गई। कॉन्फ्रेंस को आर के महतो, उद्योगपति, परोपकारी और मध्य पूर्व के सामुदायिक नेता, डॉ. आजाद कुमार कौशिक, प्रोफेसर और सामुदायिक नेता, उत्तरी अमेरिका, अध्यक्ष-नेशनल अलायंस ऑफ इंडो-के नेडियन, राजेश जिंदल, दक्षिण पूर्व एशिया के उद्योगपति और परोपकारी, मीना कुमारी, पूर्व निदेशक, एनपीटीआई (भारत सरकार), गजेंद्र सोलंकी, अंतरराष्ट्रीय कवि पी.डी. सिवाल, डॉ. राजीव कंसल, जयंत कुमार, विनोद कुमार और नरेंद्र एम गुप्ता ने संबोधित किया। आर के महतो ने विस्तार से बताया कि भारत के बाहर रहने वाले सभी एनआरआई भारत के बारे में क्या सोचते हैं और भारत के नेतृत्व से उनकी क्या उम्मीदें हैं। उन्होंने बताया कि आज लाखों लोग अपने देश के बाहर हैं और वैश्विक स्तर पर वे हमेशा भारत की ओर आशा भरी नजरों से देखते हैं। नॉर्थ अमेरिका के कम्युनिटी लीडर डॉ. डॉ. आजाद कुमार कौशिक ने भारत से एनआरआई की अपेक्षाओं के बारे में विस्तार से बताया और एनआरआई के लिए, उसी तर्ज पर दोहरी नागरिकता की आवश्यकता पर बल दिया, जो कई अन्य देश पहले से ही प्रदान कर रहे हैं। हालाँकि वर्तमान में एनआरआई के पास मतदान का अधिकार है लेकिन इसका प्रयोग करने के लिए उन्हें भारत की यात्रा करनी पड़ती है। इस पहलू की समीक्षा करने की आवश्यकता है ताकि मतदान उनके संबंधित देशों से डिजिटल रूप से ऑनलाइन किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे एक मजबूत भारत का मतलब दुनिया के लिए अच्छा है, अपने मजबूत सांस्कृतिक नेतृत्व के साथ भारत दुनिया को प्रदान कर सकता है। भारत पहले भी आर्थिक मोर्चे पर वैश्विक नेता रहा है और जल्द ही एक केंद्रित नेतृत्व के साथ एक बार फिर आर्थिक मोर्चे पर वैश्विक नेता बन सकता है। उन्होंने भारत की संस्कृति को संरक्षित करने और अपनी विरासत पर गर्व करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

कनाट प्लेस में नकली डॉलर बदलवाने की कोशिश, दो विदेशी पकड़े

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कनॉट प्लेस ने नकली अमेरिकी डॉलर चलाने की कोशिश करने वाले दो विदेशी नागरिकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी उज्बेकिस्तान के रहने वाले हैं। आरोपियों की पहचान मिरोडियल उमारोव (30) और फारुख रसूलोव (33) के रूप में हुई है। आरोपियों के कब्जे से 12 हजार के नकली अमेरिकी डॉलर,तीन मोबाइल फोन,तीन पासपोर्ट,उज्बेकिस्तान बैंक से पांच डेबिट कार्ड,दो उज्बेकिस्तानी सिम कार्ड,दो उज्बेकिस्तानी ड्राइविंग लाइसेंस और साढ़े चार लाख रुपये की नकदी बरामद की है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बारे में पुलिस ने उज्बेकिस्तान दूतावास को सूचित कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपी ईजी फॉरेक्स के मालिक कपिल कुमार के पास सौ डॉलर को भारतीय रुपए में बदलने के लिये आए थे। डॉलर को देखने पर शक हुआ। पुलिस को मामले की जानकारी दी। एसएचओ राजीव कुमार के निर्देशन में पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर पता चला कि बीते सोमवार को दोनों भारत आए और पहाड़ गंज स्थित एक होटल में ठहरे थे। आरोपियों ने उसके अगले ही दिन नकली सात हजार डॉलर को देकर मनी चेंजर से पांच लाख 80 हजार रुपये लिये थे। आरोपी नकली डॉलर कहां से और किससे लाए थे। क्या उनके पास डॉलर बनाने वाली कोई मशीन है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस उज्बेकिस्तान दूतावास से संपर्क करके उनके रिकॉर्ड को खंगालने की कोशिश कर रही है। पुलिस को शक है कि आरोपियों से पूछताछ करने के बाद एक बड़े इंटरनेशनल गैंग के बारे में जानकारी मिल सकती है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शुरूआती जांच में आरोपियों ने पुलिस को बरगलाने की कोशिश की है। आरोपियों ने किसी अंजान महिला के बारे में भी बताया है। पुलिस अब दोनों के बारे में जानकारी लेने के लिये पहाडगंज होटल के अधिकाारियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस उनके मोबाइल फोन की भी कॉल डिटेल को खंगाल रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नाइजीरियन या फिर उजबेकिस्तान के पकड़े आरोपियों को अंग्रेजी और हिन्दी नहीं आती है। इसी कारण से उनसे जांच करने में काफी परेशानी होती है। इस बार भी कुछ ऐसी ही कठिनाई हो रही है। जिससे जांच काफी लंबी हो जाती है। पहले भी सैंकड़ों ऐसे विदेशी आरोपियों के मामले हैं,जिसमें भाषा सबसे ज्यादा रोड़ा पैदा करती है।

नकदी और जूलरी के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सराय रोहिल्ला थाना पुलिस टीम ने चोरी के आरोप में एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी सलीम है। पुलिस ने इसके पास से नकदी, जूलरी और अन्य सामान व चोरी में इस्तेमाल करने वाले उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

उत्तरी जिला डीसीपी मनोज कुमार मीना ने बताया कि 12 अप्रैल को शिकायतकर्ता कुणाल सक्सेना ने जूलरी व नकदी चोरी की रिपोर्ट की जिसमें 60 से 65 हजार रुपए नकदी, सोने की बालियों के चार सेट, तीन सोने की अंगूठियां, चार सोने की चूड़ियाँ, एक सोने का कंगन और एक कलाई घड़ी व अन्य सामान के चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। थानाध्यक्ष सराय रोहिल्ला विकास राणा, की देखरेख में गठित टीम ने घटना का विश्लेषण किया गया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच और विश्लेषण किया गया। इससे पता चला कि चोर दिन में बंद घर को निशाना बनाते थे। यह भी पता चला कि वह सार्वजनिक परिवहन से क्लस्टर बसों का उपयोग करके सराय रोहिल्ला क्षेत्र में आता था। टीम ने अपराधी द्वारा इस्तेमाल की गई एक क्लस्टर बस के पंजीकरण नंबर का पता किया और सीसीटीवी कैमरे की जांच की गई तो पता चला कि आरोपी सुल्तान पुरी बस टर्मिनल से बस में चढ़ा था। यह सुराग मिलने पर टीम के सदस्यों ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से आरोपियों द्वारा अपनाए गए रास्ते का पीछा किया। आरोपी व्यक्ति को कैलाश विहार, अमन विहार, दिल्ली में गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे शहर में आर्द्रता का स्तर 52 प्रतिशत था।

मौसम विभाग ने दिन के समय आसमान मुख्य रूप से साफ रहने एवं तेज सतही हवाएं चलने का पूवार्नुमान व्यक्त किया है। इसने बताया कि अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 150 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है।

शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

EWSबच्चों के दाखिले में देरी, दिल्ली के शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें-पंचायत संघ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पंचायत संघ ने पब्लिक स्कूलों में एहर कैटेगरी के गरीब,गांवों व दिल्ली देहात के बच्चों के दाखिले में देरी को लेकर दिल्ली सरकार व पब्लिक स्कूलों को जिम्मेवार बताया। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा की हमेशा गांव,गरीब,ग्रामीण ही क्यों शासन प्रशासन की गलत नीतियों के शिकार होते है।

गांवों की कृषि भूमि जबर्दस्ती अधिग्रहण कर पब्लिक स्कूलों को कोड़ियों के भाव जमीन दी। जिस पर खुलेआम शिक्षा के नाम पर मजाक हो रहा है।

दाखिले को लेकर कोई सही नीति नहीं। ओर इसका पालन नहीं हो रहा। वहीं अभी तक एहर बच्चों के दाखिले की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। ओर सामान्य वर्ग के बच्चें स्कूलों में जा रहे है। दिल्ली सरकार गांवों, गरीबों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार कर रही है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा की दिल्ली सरकार व पब्लिक स्कूल आपस में मिले हुए है। इनके खिलाफ आक्रोश बढ़ रहा है। पंचायत संघ ने इनसे गांव,ग्रामीण, गरीब से माफी मांगने की मांग की है।ओर दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। साथ ही दिल्ली के उपराज्यपाल से सामान्य वर्ग में हुए दाखिले की जांच कराने मांग की। दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा की गांवों के किसानों की सस्ती दरों पर लुटी हुई जमीनों पर बने पब्लिक स्कूलों व अस्पतालों की मनमानी नहीं बर्दाश्त करेगें।इनकी जल्द से जल्द जांच हो ओर इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जल्द हो। इसको लेकर पंचायत संघ जल्द ही सांकेतिक विरोध दर्ज कराने के लिए किसी भी पब्लिक स्कूल के बहार धरना प्रदर्शन करने के लिए महापंचायत में निर्णय लेगा।

तिहाड़ जेल के बाहर आप नेताओं का प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पिछले 20 दिनों से तिहाड़ जेल नंबर दो में बंद हैं। इन दिनों उनका शुगर लेवल बढ़ने की खबरें सुर्खियों में हैं। इसे लेकर आप नेताओं ने रविवार को तिहाड़ जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी भी शामिल हुईं। जहां उन्होंने जमकर नारेबाजी की और अरविंद केजरीवाल को जल्द से जल्द इंसुलिन देने की मांग की। आतिशी ने कहा कि उन्हें 30 साल से डायबिटीज की बीमारी है और कुछ दिनों से उनका शुगर लेवल 300 के पार पहुंच गया है। अगर आप दुनिया के किसी भी डॉक्टर से पूछेंगे तो वह यही कहेंगे कि 300 से ऊपर शुगर लेवल को इंसुलिन के बिना नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। इसके बावजूद उन्हें जेल में इंसुलिन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। उनका कहना है कि भाजपा के इशारे पर तिहाड़ प्रशासन ने इंसुलिन देने से इनकार कर दिया है, ऐसी क्रूरता तो अंग्रेजों के समय भी नहीं हुई। हालांकि प्रदर्शन के कुछ देर बाद पुलिस ने सभी को वहां से हटा दिया। दरअसल, अरविंद केजरीवाल के शुगर लेवल को लेकर आम आदमी पार्टी के मंत्री विधायक से लेकर हर एक नेता जेल में उनके स्वास्थ्य को लेकर न सिर्फ चिंता जता रहे, बल्कि भाजपा पर अरविंद केजरीवाल के जान से खेलने का भी आरोप लगा रहे हैं। वहीं, भाजपा का कहना है कि वह जेल में जानबूझकर मीठी चीज खाते हैं। वह जानबूझकर शुगर लेवल बढ़ा रहे हैं, ताकि उसके आधार पर उन्हें बेल मिल जाए।

दिल्ली पुलिस ने नौ आपराधिक मामलों में संलिप्त दो स्नैचरों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी जिला के पुलिस ने दो स्नैचरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक छीना हुआ मोबाइल फोन, चोरी की गई और अपराध में इस्तेमाल समेत दो मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। आरोपियों की पहचान टिंकू, पुत्र विजयपाल निवासी संगम विहार नई दिल्ली के रूप में हुई है। टिंकू के ऊपर पहले से ही 9 आपराधिक मामले दर्ज है। वहीं दूसरे आरोपी की पहचान योगेश उर्फ बोना पुत्र जगबीर निवासी संगम विहार नई दिल्ली के रूप में हुई है। दक्षिण दिल्ली जिला के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि 15 अप्रैल को एक शिकायतकर्ता ने थाना तिगरी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि जब दोपहर करीब 1:30 बजे वह काम पर जा रहा था और जैसे ही ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल ए ब्लॉक संगम विहार के पास पहुंचा तो अचानक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आए और उनका मोबाइल फोन छीन कर भाग गए। इसके बाद एएटीएस प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

दिल्ली में कड़ी सुरक्षा के बीच होगी वोटिंग, पड़ोसी राज्योंघ के साथ मिलकर दिल्ली पुलिस ने बनाया प्लान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दल्लिीम की सात लोकसभा सीटों पर अगले महीने 25 तारीख को चुनाव होने जा रहे हैं। 29 अप्रैल से चुनाव नामांकन प्रक्रि या शुरू हो जाएगी। इससे पहले राजधानी की सुरक्षा व्यरवस्थां को और चाक चौबंद करने को लेकर रणनीत‍ि तैयार की जा रही है। इस दशिा दल्लिीय पुलसि अपने पड़ोसी राज्यों हरयिाणा और उत्तर प्रदेश के आला सुरक्षा अफसरों के साथ बेहतर समन्वलय स्था।पति करने को लगातार मीटगिं कर रही है।

दल्लिीय पुलसि और हरयिाणा-यूपी के आला पुलसि अफसरों के बीच भी हाल ही में इंटरस्टेबट कॉर्डिसनेशन मीटगिं हुई जसिमें चुनाव के समय में हर खुफयिा जानकारी शेयर करने पर भी चर्चा हुई। अंतरराज्यीगय समन्वसय बैठक में तीनों राज्युों के पुलसि अफसरों के बीच लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा इंतजाम कड़े करने पर पूरा फोकस कयिा गया है। खासकर चुनाव के वक्तस धन-बल के प्रयोग को सख्तीं से रोकने, आदर्श आचार संहति‍ा उल्लांघन के खलिाफ कार्रवाई करने और गलत व भ्रामक सूचनाओं के आदान प्रदानपर नकेल कसना आद‍ि पर वशिेष चर्चा की गई। इसके साथ ही अन्यक सभी खुफयिा जानकारयिों को बिना कसिी रुकावट या बाधा के शेयर करने पर भी बल दयिा गया। संवेदनशील इलाकों पर सुरक्षा बल की रहेगी पैनी नजर दल्लिीक के सभी संवेदनशील और अतसिंवेदनशील इलाकों पर खास नजर बनाए रखने पर भी जोर दयिा गया है। घनी आबादी के साथ-साथ मक्सि ड कम्युननटिी वाले इलाकों में लोकल और पैरा-मलिट्रिी फोर्स के जवानों को क्षेत्र में अभ्याकस करने के लएि तैनाती पर भी चर्चा की गई है। इससे क्षेत्र में शांत‍ि और सांप्रदायकि सद्भाव को कायम रखा जा सकेगा।

आरडब्लूषए व मार्केट एसोएिऔशन के संग होंगी मीटगिं

दल्लिीू पुलसि आरडब्लूनए और मार्केट वेलफेयर एसोसएिशनों के साथ भी लगातार मीटगिं कर उन सभी मैसेज पर पैनी नजर रखेगी जो क‍ि किसी भी तरह से सांप्रदायिकता को भड़काने का कारण बन सकता है। इन संघों को इस दशिा में ज्यारदा संवेदनशील बनाने पर जोर दयिा जाएगा। इस तरह के भ्रामक और गलत सूचनाओं को रोकने के लएि बीट लेवल से लेकर एसएचओ, डीसीपी और रेंज स्त्र के अफसरों के बीच बेहतर तालमेल स्थाटपति कयिा जाएगा। इस तरह के मैसेज सोशल मीडयिा पर शुरूआती दौर में प्रसारति होते हैं। इनको स्था नीय बीट अफसरों और थाना अध्य क्ष के साथ साझा कयिा जाएगा।

बॉर्डर एरयिा में बनाए जाएंगे ज्यादिा चेकगिं प्वा इंट कॉर्डिनेशन मीटगिं में इंटरस्टेट बॉर्डर पर मॉनटिरगिं को बढ़ाने से लेकर ज्वानइंट पेट्रोलगिं और ज्याएदा चेक प्वानइंट स्थाटपति करने पर काम करने पर बल दयिा गया है जसिसे क‍ि अवैध शराब तस्करी और अपराधयिों की हर गतवि‍िधि पर पैनी नजर बनाई जा सके। बॉर्डर कैमरों पर मॉनटिरगिं को बढ़ाया जाएगा जसिसे क‍ि चुनाव से पहले और वोटगिं के दनि धन, शराब और फ्रीबी पर लगाम लगाई जा सके। वोटगिं के शांति व्यिवस्थो बनाए रखने को क्रिमनिल्सर और आदतन अपराधयिों की लस्टिज भी एक दूसरे राज्योंा की पुलसि के बीच साझा करने पर भी चर्चा हुई है। इस बीच देखा जाए तो आगामी चुनावों के साथ-साथ त्यो हारों के मद्देनजर क्षेत्र में कसिी प्रकार की गड़बड़ी उत्पजन्न हो इसको लेकर जलिा स्तरर पर डीसीपी अपने क्षेत्र की अमन कमेटी, आरडब्लूरए और मार्केट वेलफेयर एसोसशिनों के साथ मीटगिं कर रहे हैं। मीटगिं के जरएि संघों के पदाधकिारयिों से क्षेत्र में शांत‍ि व्यंवस्था बनाए रखने और आपसी सौहार्द को बढ़ाने का प्रयास करने का अनुरोध भी कयिा जा रहा है। शाहदरा जलिा पुलसि उपायुक्ती सुरेंद्र चौधरी ने भी जलि‍े की आरडब्ल्यूए और मार्केट संघों के साथ अहम मीटगिं की।

छात्रों ने सीखे साक्षात्कार से लेकर सीवी बनाने के गुर

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से ऑनलाइन तीन दिवसीय प्लेसमेंट वर्कशॉप व काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया। इसमें छात्रों को साक्षात्कार देने व सीवी बनाने के गुर सिखाए गए। यह भी बताया गया कि समय प्रबंधन का ध्यान कैसे रखें। रविवार शाम तक ऑनलाइन काउंसलिंग सेशन आयोजित किए गए। इसमें करीब एक हजार से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय जॉब फेयर का आयोजन बुधवार से किया जाएगा। इसमें 30 से अधिक कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। इस फेयर में अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट के फाइनल ईयर के छात्र शामिल होंगे। डीयू ने कैंपस प्लेसमेंट सेशन से पहले छात्रों के लिए काउंसलिंग सेशन आयोजित किए गए। सेशन में साक्षात्कार की तैयारी कराई गई, विशेषज्ञों ने ऑनलाइन सत्र लिए। इससे पहले सीपीसी ने एक काउंसलिंग सेशन छात्रों के लिए आयोजित किया था। इसमें उन्हें साक्षात्कार के समय किन बातों का ध्यान रखना है, सवालों के जवाब किस तरह से देने हैं, की जानकारी दी गई। मालूम हो कि उपस्थित होने वाली कई कंपनियां साक्षात्कार के साथ-साथ लिखित परीक्षा भी लेती है। सीपीसी अधिकारी के अनुसार अक्सर ऐसा होता है कि छात्र जॉब के लिए योग्य होते हैं लेकिन वह साक्षात्कार में चूक जाते हैं। ऐसे में इन सत्रों को आयोजित कर छात्रों को साक्षात्कार देने के लिए ही तैयार किया है।

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की 2550वीं जयंती पर सत्य, अहिंसा और करुणा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया

- भगवान महावीर की शिक्षाएं मानव कल्याण के लिए आज भी प्रासंगिक: शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नेशनल चाइल्ड एंड वूमेन डेवलपमेंट चेरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने आज बरवाला में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की 2550वीं जयंती पर सत्य, अहिंसा और करुणा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वत्स ने कहा कि तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर बैठी दुनिया को भगवान महावीर की शिक्षाएं और सिद्धांत ही विनाश से बचा सकते हैं।

मानव को अपने और दूसरे के जीवन को सुखमय बनाने के लिए सत्य का आचरण करना होगा, अहिंसा के रास्ते पर चलना होगा और सभी प्राणियों के लिए अपने मन में करुणा और दया की भावना विकसित करनी होगी। यह संसार जीयो और जीने दो के सिद्धांत पर ही चलेगा तभी विश्व का कल्याण होगा। तभी विश्व बंधुत्व और भाईचारे की भावना विकसित होगी। वत्स ने कहा कि भगवान महावीर जयंती पर हम सब भारतवासी यह प्रण लें कि हम छल, कपट, झूंठ, प्रपंच से दूर रहकर इस मानव जीवन को जीने लायक बनाएंगे।

दिल्ली मेट्रो में मच्छरों से यात्री परेशान, वायरल हुआ वीडियो

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में कई तरह के रील और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होता रहता है। अभी मेट्रो में मच्छरों से परेशान यात्रियों का एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो देखने के बाद लोग मेट्रो की व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। यह वायरल वीडियो ग्रे (द्वारका- नजफगढ़- ढांसा बार्डर) कॉरिडोर का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि चलती मेट्रो में मच्छरों से परेशान दिख रहे हैं। इसलिए यात्री, गमछे, रूमाल और हाथों से मच्छरों को भगाते दिख रहे हैं। शाम होते ही बढ़ जाती है मच्छरों से परेशानी

वैसे इन दिनों पूरी दिल्ली में मच्छरों का आतंक बढ़ा हुआ है। क्योंकि मौजूदा समय में मौसम मच्छरों की उत्पत्ति के अनुकूल बना है। इसलिए अभी मच्छरों की उत्पत्ति बढ़ी हुई है। इस वजह से शाम होते ही मच्छरों से परेशानी बढ़ जाती है।मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो का गेट खुलने के दौरान मच्छर मेट्रो में प्रवेश कर जाते हैं। पहले भी ग्रे लाइन और ब्लू लाइन पर इंद्रप्रस्थ से यमुना बैंक स्टेशन के बीच मेट्रो में मच्छरों की परेशानी की सामने आ चुकी है। लोग सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मच्छरों की उत्पत्ति रोकने कि लिए जरूरी कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

धरौड़ा गांव में पुलिया निर्माण के फाउंडेशन पर उठ रहा अंगुली

बेनीपुर (दरभंगा)। पथ निर्माण विभाग की बहेड़ा सकरी पथ की चौड़ीकरण एवं मजबूती कार्य में कथित गड़बड़ी को लेकर स्थानीय लोगो ने विभागीय अधिकारियों से जांच करने की मांग की है ।धरौड़ा में पुलिया निर्माण के फाउंडेशन का डीपीआर के मुताबिक नहीं करने पर इसकी मजबूती पर सवालिया निशान लग गया है। पुलिया ढलाई के बाद ढलाई फाउंडेशन को मिट्टी का छोटा-छोटा घेरा बनाकर पानी में डूबाना चाहिए ताकि ढलाई की मजबूती बरकरार रहे ।पथ प्रमंडल बेनीपुर के अधीन बहेड़ा से नेहरा तक सड़क की चौड़ीकरण व मजबूती करण कार्य चल रही है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक 8 किलोमीटर सड़क में 6 पुलिया बना है फिलहाल धरौड़ा एवं हावीभौआर मैं पुलिया निर्माण चल रहा है। हावीभौआर में फाउंडेशन से ऊपर पुलिया उठाया गया है।

घरेलू विवाद में भाई ने कि चाकू गोद कर हत्या

- मृतक ने बेटे के जन्मदिन का कर रहा था तैयारी, छा गया मातम
- हत्या कर हुआ फरार, मामले की तफ्तीश में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा एक सनकी भाई ने अपने ही भाई की चाकू गोदकर हत्या कर दी। मामले की तफ्तीश में पुलिस जुट गई है। वहीं आरोपी के पिता को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल मामला सदर थाना क्षेत्र के नगर परिषद स्थित आदर्श नगर मुहल्ले की है जहां पारिवारिक विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, मृतक की पहचान आदर्श नगर वार्ड संख्या 8 निवासी उमेश यादव के बेटे 25 वर्षीय अखिलेश यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। वहीं सदर थाना अध्यक्ष विमलेंदु कुमार ने बताया कि आरोपी के पिता को तत्काल गिरफ्तार कर हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं मृतका की मां अनिता देवी ने बताया कि उनके सौतेले बेटे ने भैंस बेचने के विवाद में उनके बेटे अखिलेश कुमार को चाकू मार दिया उन्होंने बताया कि आपसी बंटवारा में अखिलेश को भैंस मिला था जिसे आज व्यापारी को बुला कर बेचा जा रहा था इसी बात को लेकर आक्रोशित होकर सौतेले बेटे रूपेश ने अखलेश के पेट में चाकू मार दिया, गंभीर हालत में आसपास के लोगों की मदद से उसे सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत चुकी थी। बताया जा रहा है कि लगभग डेढ़ साल पूर्व ही अखिलेश की शादी हुई थी उसे एक साल का बेटा भी है जिसका आज जन्मदिन था। जन्मदिन मनाने को लेकर घर में तैयारी चल रही थी अखिलेश ने कई रिश्तेदारों को भी फोन कर जन्मदिन पर बुलाया भी था। इधर मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद सदर अस्पताल पहुंची पुलिस ने तत्काल पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं इस मामले को लेकर मधेपुरा एएसपी प्रवेंद्र भारती ने बताया कि चाकू मारकर युवक की हत्या की जानकारी मिली है, परिजनों के द्वारा अभी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन प्राप्त होते हीं मामला दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाएगी। तत्काल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी जारी है।

8 आर्म्स लाइसेंस धारी ने थाना पहुंचकर किया आर्म्स जमा

प्रात : किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) आगामी 7 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला जिला पदाधिकारी के निर्देश पर कुमारखंड थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने थाना क्षेत्र के विभिन्न आर्म्स लाइसेंस धारी मलिक से आर्म्स जमा करवाया। इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया 8 आर्म्स लाइसेंस धारी मलिक ने अपना अपना आर्म्स और कारतूस के साथ कुमारखंड थाना में पहुंचकर जमा किया। श्री कुमार ने कहा 7 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर कुमारखंड पुलिस पदाधिकारी पूरी तरीके से कमर कर चुकी है। शांतिपूर्ण माहौल और भय मुक्त माहौल में चुनाव संपन्न कराने को लेकर जो भी बचे हुए आर्म्स लाइसेंस धारी मालिक है अपना-अपना आर्म्स जमा नहीं किए हैं वैसे मालिक आर्म्स और कारतूस थाना में आकर जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला प्रतिनिधि की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर।अखिल भारतीय कायस्थ महासभा , बिहार प्रदेश के जिला प्रतिनिधि की बैठक स्थानीय सूरजदेव मेमोरियल स्कूल के सभागार में आयोजित की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री चंदन अरुण कुमार सिन्हा ने की । इस बैठक में बिहार प्रदेश में उत्पन्न संशय की स्थिति पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि विजय कुमार राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा बिहार प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किए गए है और वो प्रदेश अध्यक्ष रहेंगे। उन्होंने विजय कुमार को प्रदेश में संगठन को सशक्त बनाने हेतु हरसंभव प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया और यथाशीघ्र बिहार के सभी जिलों में टीम गठित कर संगठन को मजबूत बनाने का आग्रह किया। इस बैठक में वरीय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनहर कृष्ण अतुल, प्रदेश महामंत्री राकेश कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव , महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सुषमा सिन्हा, उपाध्यक्ष माला सिन्हा , राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमरेश प्रसाद ,राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री राजेश कुमार कंठ , प्रचार -प्रसार के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा, प्रदेश उपाध्यक्ष कौशल किशोर सिन्हा , राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री विजय शंकर , राष्ट्रीय युवा मोर्चा के अध्यक्ष पवन सक्सेना समेत पटना जिला के अध्यक्ष अजित कुमार , वैशाली जिला के अध्यक्ष दीपक कुमार सिन्हा वैशाली जिले के महामंत्री संजीव कुमार श्रीवास्तव, प्रदेश मंत्री आनंद कुमार सिन्हा , प्रदेश मंत्री पंकज कुमार सिन्हा , प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार दिवाकर समेत 16 जिला के अध्यक्ष, महामंत्री एवं उनके प्रतिनिधि समेत पूरे बिहार से करीब 150 चित्रांश बंधु उपस्थित थे। सभी लोगों ने राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा विजय कुमार को प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर अपनी सहमति व्यक्त की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार द्वारा 3 महीने के अंदर अपने प्रबंधकारिणी सदस्यों के सहयोग से प्रदेश के 38 जिलों में संगठन को बनाने का वादा किया और बैठक में आये हुए सभी प्रतिनिधियों से सहयोग करने का आग्रह किया । अंत मे राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री राजेश कंठ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारी की जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक के तुरंत बाद वैशाली के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी श्री यशपाल मीणा ने सभीकोषांगो के वरीय प्रभारी पदाधिकारी एवं नोडल पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक की। जिला कार्मिक कोषांग के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया की बीएलओ के साथ बैठक करें तथा जिस बीएलओ की ड्यूटी मतदान कार्य में लग गई है, उनकी सूची कार्मिक कोषांग को उपलब्ध कराएं। उन्होंने सभी एआरओ को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने डिस्पैच सेंटर पर जाएं तथा आवश्यक सामग्रियों की सूची बनाकर निर्वाचन कोषांग को उपलब्ध कराएं।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि निर्वाचन से संबंधित सभी मोबाइल ऐप को सभी एआरओ, बीडीओ सीओ, बीएलओ अपने अपने मोबाइल में इंस्टॉल करें। सभी निर्वाचन कोषांगों को निर्देश दिया गया कि अपने-अपने कोषांग से निर्गत पत्रों की एक प्रति निर्वाचन कोषांग को अवश्य उपलब्ध कराएं।विधि व्यवस्था कोषांग को निदेश दिया गया कि उनके यहाँ से निर्गत पत्रों में आवश्यक रूप से प्रतिलिपि पुलिस अधीक्षक को देना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वीप कोषांग के अधिकारियों को निदेश दिया कि मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने हेतु आवश्यक कदम उठाएं। बैठक में एडीएम, डीडीसी, सभी एसडीओ,सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी के साथ-साथ वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता मुरारी प्रताप सिंह के आवास पर एनडीए की बैठक

कार्यकताओं में खुशी का लहर दिनेश चंद्र यादव का हुआ भव्य स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

आलमनगर (मधेपुरा) प्रखंड के खुरहान पंचायत स्थित सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता मुरारी प्रताप सिंह के आवास परिसर में प्रखंड स्तरीय एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से मधेपुरा लोकसभा एनडीए प्रत्याशी दिनेश चंद्रयादव, आलमनगर विधानसभा के विधायक सह बिहार विधानसभा उपसभापति नरेंद्र नारायण यादव मौजूद थे। इस दौरान उपस्थित कार्यकताओं को लोकसभा में जीत की पाठ पढ़ाते हुए बिहार विधानसभा उपसभापति नरेंद्र नारायण यादव ने बताया कि कार्यकर्ता पार्टी की रीड होती है। आप लोगों के करी मेहनत और लगन के बदौलत ही भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 पार का लक्ष्य पूरा हो सकता है। उन्होंने बताया कि जब तक आप अपना बूथ नहीं जीतेंगे तब तक लोकसभा नहीं जीत पाएंगे। वही इस दौरान सांसद सह प्रत्याशी दिनेश चंद्र यादव ने बताया कि देश और प्रदेश में एनडीए सरकार विकास के पद पर अग्रेषित है भारत को विश्व गुरु बनाना है तो नरेंद्र मोदी के हाथ को मजबूत करना होगा तभी हम फिर से एक बार विश्व गुरु बन पायेंगे। उन्होंने बताया कि कई विकास कार्य मधेपुरा लोकसभा में किए गए और अभी भी कई विकास कार्य होना बाकी है। आप लोगों के आशीर्वाद के बल पर हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि क्षेत्र में विकास की जो रफ्तार है वह निरंतर बढ़ता रहेगा। वही इस दौरान सहरसा भाजपा जिलाध्यक्ष दिवाकर कुमार सिंह, भाजपा नेता अमोल राय, मधेपुरा जिलाध्यक्ष दीपक कुमार यादव, लोक जनशक्ति रामविलास के जिला अध्यक्ष दिनेश पासवान, जदयू प्रदेश सलाहकार मनीष वर्मा, विजेंद्र यादव, वीबी प्रभाकर, राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष सह भाजपा नेता डॉ विक्रम सिंह, मोहम्मद अब्दुस सत्तार, सहित कई एनडीए कार्यकताओं ने अपने-अपने विचार रखे और मधेपुरा लोकसभा से चार लाख से अधिक मतों से जीतने का विश्वास जताया। वहीं इस दौरान मंच का संचालन जदयू प्रखंड अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने किया। मोके पर सैकडो.की संख्या में एनडीए कार्यकर्ता मौजूद थे।

तम्बाकू मिल की प्रदूषण से लोगों का जीना मुहाल

प्रात : किरण संवाददाता

महनार । एशिया में सबसे अधिक तम्बाकू मिल महनार में है और वह भी नगर के घनी आबादी वाला इलाका में है। इस तम्बाकू मिल में तम्बाकू की खूंटी को पीस कर उसका पाउडर बनाया जाता है एवं इसे बंगाल सिगरेट बनाने हेतु भेजा जाता है। खूंटी ट्रक से उतार कर गोदाम में भरने और फिर उसकी पिसाई कर उसका पाउडर बना कर ट्रक में लादने के दौरान वहां पर वायु प्रदूषण की मात्रा काफी बढ़ जाती है । मिल के अंदर श्रमिक की बदन पर गुंडी पाउडर की एक परत जम जाती है और वह तीखी गंध से बचने के लिए अपने मुंह मे गमछा बांध कर काम करते है । तम्बाकू उत्पाद नियंत्रण अधिनियम 2003 के अनुसार विद्यालय के आस पास सौ मीटर की दूरी में तम्बाकू उत्पाद की बिक्री करना अपराध है किंतु यहां पर तीन विद्यालय ऐसे है जिसके बगल में ही तम्बाकू उत्पाद का भंडारण व बिक्री की जाती है एवं प्रशासन मूकदर्शक बना है। यहां पर होने वाले प्रदूषण से बच्चों की पढ़ाई पर काफी प्रतिकूल असर पड़ रहा है एवं तम्बाकू मिल मालिक के बच्चे दार्जिलिंग जैसे अच्छे वातावरण वाले स्थान पर रह कर पढ़ाई करते है किंतु यहां के गरीबो के बच्चे इस प्रदूषित वातावरण में पढ़ने को मजबूर है। महनार का स्टेट बैंक का इलाका हो या थाना मोड़ का या बाजार घाट का , सभी जगह इतनी प्रदूषण रहती है कि पांच मिनट आप वहां पर ठीक ढंग से खड़ा नही हो सकते है और आपको सांस लेने में काफी कठिनाई होने लगेगी। इस प्रदूषण के कारण टी बी , कैंसर व दमा रोग फैल रहा है और एक युवा तम्बाकू व्यवसायी समेत कई अन्य लोगों की मौत भी हो चुकी है नगर परिषद, स्थानीय प्रशासन व बिहार राज प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से लोगों ने कई बार पूछा कि घनी आबादी वाले शहरी इलाका में और वह भी विद्यालय के निकट तम्बाकू की भंडारण, पिसाई एवं बिक्री कैसे हो रही है किंतु किसी ने इस पर जवाब नही दिया है। इस सम्बंध में युवा व्यवसायी नयन उर्फ बंटी ने कहा है कि वह इस मामले को राष्ट्रीय हरित न्यायधिकरण ले जाएंगे और वहां से भी करवाई नही हुई तो माननीय उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करेंगे।

मतदान प्रतिशत को बढ़ाने हेतु जीविका द्वार कई प्रखंडो में मतदाता जागरुकता अभियान चलाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर।जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी श्री यशपाल मीणा के निर्देश के आलोक में वैशाली जिला अंतर्गत स्वीप गतिविधि के माध्यम से मतदान प्रतिशत को बढ़ाने हेतु जीविका द्वारा महुआ, भगवानपुर, सहदेई बुजुर्ग एवं वैशाली प्रखण्ड अंतर्गत मतदाता जागरुकता अभियान चलाया गया जिसमें जीविका के विभिन्न समूहों के जीविका दीदीयों, जीविका के अन्य सदस्यों एवं आमजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जीविका दीदीयों से मतदान करने अपने परिवार के सभी मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने एवं अपने आस-पास के घरों में जाकर मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने की अपील की गई।इसी क्रम में चेहराकला,देसरी,जंदाहाप्रखंड में भी सेविकाओं एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं ने घर-घर जाकर मतदाताओं से माताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। स्वास्थ्य विभाग के आशा कार्यकर्ता ने घर-घर जाकर मतदाताओं से अपने माताधिकार का प्रयोग करने की अपील की । गृह भ्रमण के दौरान घर पर उपस्थित सभी मतदाताओ से लोक सभा आम निर्वाचन 2024 में अपने माताधिकार का प्रयोग कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र वैशाली के द्वारा मतदाता जागरुकता कार्यक्रम के तहत संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में केन्द्र से जुड़े विद्यार्थियों एवं केन्द्र के कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं एवं उनके अभिभावको ने मतदान करने एवं अपने आस-पास के लोगों को मतदान हेतु प्रेरित करने का संकल्प लिया। नेहरु युवा केन्द्र वैशाली के स्वयंसेवको द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं गृह भ्रमण कर मतदाता जागरुकता अभियान के तहत संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बुनियाद केन्द्र बिदुपुर,महनार एवं पातेपुर, द्वारा मतदाताओं को जागरुक करने हेतु बुनियाद केन्द्र के कर्मियों ने घर-घर जागरुकता अभियान चलाया। गृह भ्रमण के दौरान घर पर उपस्थित सभी मतदाताओं से हि लोक सभा आम निर्वाचन 2024 में अपने मताधिकार का प्रयोग करने एवं आस- पास के मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने की अपील की।

तिसीऔता में लगी आग से पांच दर्जन घर की लाखों की संपत्ति जलकर राख

प्रात : किरण संवाददाता

पातेपुर । तिसीऔता थाने की पिंडऔता गांव में रविवार को गांव के मिश्री सहनी के घर में खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में आग पकड़ लिया।जिससे सिलेंडर विस्फोट कर गया।आग की धधक से गांव के 60 घरों को अपने चपेट में ले लिया।ग्रामीणों ने निजी पंपसेट से आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन और आग की लपटें पछुआ हवा बहने से तेज हो गया।इस बीच सूचना पर पांच छह सरकारी दमकल घटना स्थल पर आने के बाद पानी का बौछार होने लगा।तीन से ढाई घण्टे तक दमकल चलने के बाद आग को काबू में लाया गया।आग मिश्री सहनी के घर से लगी और तेजी से अनिल पासवान,राजकुर पासवान,पवन,सहनी, विनीता देवी,प्रेमलाल सहनी, अर्जुन सहनी, बुचन सहनी समेत 60 घरो को अपने चपेट में ले लिया।आग लगने से लाखों रुपये के सामान जलकर नष्ट हो गए।कपड़ें, गहने, रुपये के अलावा बर्तन,खाने पीने के समान आदि जल गए।आग की लपटें इतने तेजी से आगे की ओर बढ़ रहे थे कि लोग हिम्मत नहीं जुटा पाए कि वह सामान घर से निकाल पाएं।लोग अपना अपना जान बचाकर भाग भाग रहे थे।घटना स्थल पर सीओ प्रभात,थानाध्यक्ष के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि आये और घटनास्थल का छानबीन किये।अग्निकांड की जानकारी मिलते ही विधायक लखेन्द्र कुमार रौशन,पूर्व विधायक प्रेमा चौधरी आदि पहुंचीं।

पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों में लगाए जा रहे हैं अतिक्ति कोच

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर नियमित एक्सप्रेस ट्रेनों में विभिन्न श्रेणियों के अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं । गाड़ी संख्या 13228/13227 राजेन्द्रनगर टर्मिनल-सहरसा-राजेन्द्रनगर टर्मिनल इंटरसिटी एक्सप्रेस में 22 अप्रैल से स्थायी तौर पर चेयरकार का एक अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा । अतिरिक्त कोय लगाए जाने के बाद यह ट्रेन 21 एलएचबी कोच से परिचालित होगी । गाड़ी संख्या 12203/12204 सहरसा-अमृतसर-सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का एक अतिरिक्त कोच लगाया जा रहा है । यह सुविधा 12204 अमृतसर-सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस में 20 अप्रैल से 30 जून तक जबकि 12203 सहरसा-अमृतसर गरीब रथ एक्सप्रेस में 21अप्रैल से 01 जुलाई तक उपलब्ध होगी ।

14 किलो एक सौ ग्राम गांजा, 76 हजार नगद, एक ट्रक सहित एक तस्कर गिरफ्तार

नोट गिनने का मशीन सीसीटीवी का डीभीआर बॉक्स को किया बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) कुमारखंड थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर चंडी स्थान पंचायत स्थित लक्ष्मीपुर चंडी स्थान एसएच 91 के बगल में न्यू हिंदुस्तान ट्रेडर्स डिपो में कुमारखंड थाना पुलिस ने श्रीनगर थाना पुलिस के सहयोग से मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में छापामारी कर 14 किलो एक सौ ग्राम गांजा, एक ट्रक कंटेनर, 76 हजार रूपए नकद , तीन मोबाइल सेट, नोट गिनने का मशीन सीसीटीवी का डीभीआर बॉक्स को बरामद करते हुए आरोपी तस्कर को गिरफ्तार कर रविवार को पुलिस अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

इस संबंध में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर उनके अलावा प्रतिनियुक्ति मजिस्ट्रेट सह कुमारखंड सीओ आकांक्षा, श्रीनगर थानाध्यक्ष राघवेंद्र नारायण, एएसआई दिलीप कुमार, मधुकर पासवान, पीटीसी राकेश कुमार पुलिस बल के जवान एवं चौकीदार के साथ थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर चंडी स्थान पंचायत स्थित स्टेट हाईवे के किनारे न्यू हिंदुस्तान ट्रेडर्स डिपो पर पहुंचकर छापामारी की। उन्होंने बताया कि छापामारी दल को देखते हुए डिपो केंपस में मौजूद डिपो संचालक रविंद्र कुमार यादव भागने लगा। जिसे खदेड़ कर पुलिस ने पकड़ लिया। इसके बाद उनसे पूछताछ की गई और डिपो स्थित गोदाम में तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान गोदाम के अंदर खड़ा एक एचआर 38 डब्लू 5347 नंबर की ट्रक कंटेनर की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान छुपा कर रखा हुआ 14.100 किलोग्राम गांजा के अलावा 76 हजार रुपए नकद, नोट गिनने वाला मशीन, सीसीटीवी का डीभीआर बॉक्स, तीन मोबाइल सेट जप्त किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि इसके साथ ही मौके पर डिपो संचालक और अवैध रूप से गांजा तस्करी करने वाले रविंद्र कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि उक्त आरोपित तस्कर के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस अभिरक्षा में मधेपुरा जेल भेज दिया।

सशक्त मतदाता लोकतंत्र का भाग्य विधाता

दिव्यांगो का है कहना, मतदान करेंगे भाई बहना

- जन जन का यह नारा है, मतदान अधिकार हमारा है

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जिले के सिंहेश्वर प्रखंड अंतर्गत कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केंद्र प्राथमिक विद्यालय सतोखर में समावेशी स्वीप सह घर-घर जागरूक अभियान- सह-सशक्त संवाद कार्यक्रम का आयोजन जिला स्वीप एवं पीडब्ल्यूडी कोषांग के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर दिव्यांग मतदाताओं द्वारा ट्राई साइकिल रैली निकाली गई और घर घर जागरूक अभियान के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया तथा पीडब्ल्यूडी आईकॉन विनोद कुमार द्वारा मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित किया गया।

इस क्रम में दिव्यांग मतदाताओं को मतदान दिवस पर पिक एंड ड्रॉप सर्विस, मतदान केन्द्रों पर व्हील चेयर एवं वॉलंटियर की सुविधा हेतु सक्षम ईसीआई ऐप में आवेदन की प्रक्रिया के विषय में जानकारी देते हुए उनका ऑनलाइन आवेदन भी कराया गया।

मौके पर वरीय नोडल, स्वीप एवं पीडब्ल्यूडी कोषांग सह उप विकास आयुक्त अवधेश कुमार, नोडल स्वीप एवं पीडब्ल्यूडी कोषांग श्रीमति निकिता, डीपीओ आईसीडीएस श्रीमति रश्मि, प्रखंड विकास पदाधिकारी सिंहेश्वर, सहायक निदेशक बाल संरक्षण ईकाई श्रीमति विजेता रंजन, सहायक निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग सुश्री यशश्वी, एवं समाजिक सुरक्षा और बुनियाद केंद्र के कर्मीगण उपस्थित रहे।

भगवान महावीर की जयंती पर उनके जन्मभूमि वैशाली में निकाली गई भव्य शोभायात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

वैशाली । जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती के अवसर पर उनके जन्मस्थली वैशाली के ऐतिहासिक बावन पोखर स्थित जैन मंदिर से भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी। अहले सुबह से ही बिहार के अलग-अलग जिलों से आए जैन समाज के लोग यहां इकट्ठा होने लगे थे।सभी जैन धर्मावलंबियों ने पूजा-अर्चना की और शोभा यात्रा में शामिल हुए। अहिसा परमो धर्मः, जीयो ओर जीने दो, मांसाहार का त्याग कर शाकाहारी बनें आदि स्लोगन लिखे बैनर पोस्टर लिए श्रद्धालु शोभा यात्रा में शामिल हुए। शोभा यात्रा में शामिल दर्जनों बैलगाड़ी को सजाकर उस पर आकर्षक झांकी निकाली गयी जिसमें भगवान महावीर के कई रूप दिखाए गए थे। शोभा यात्रा में मुजफ्फरपुर, पटना एवं दिल्ली से आए सैकड़ों जैन धर्मावलंबी भजन गाते एवं नृत्य कर रहे थे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शोभा यात्रा बावन पोखर से वैशालीगढ़, हाईस्कूल चौक, अब्बुचक होते हुए भगवान महावीर की जन्मस्थली बासोकुंड पहुंची। शोभायात्रा के बासोकुंड पहुंचते ही वहां भव्य तरीके से स्वागत किया गया। जैन धर्म की परंपरा के अनुसार पूजा अर्चना की गई और मंगलाचरण भी किया गया। साथ ही भगवान जैनेन्द्र को पांच चांदी के कलशों से जलाभिषेक भी किया गया। भगवान को पालना में रखकर झुलाया गया। उसके बाद सभी जैन धर्मावलंबियों ने भगवान महावीर की आरती उतारी।इस शोभा यात्रा के दौरानमुकेश जैन, राजेश जैन, चक्रेश जैन, सुमेर जैन, राकेश जैन , आमिर जैन , सहित जैन समाज के सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित थे।

विचार मंथन

सम्पादकीय

जनादेश की गारंटी

सर्वोच्च न्यायालय ने लोक सभा सभा के प्रथम चरण के मतदान से एक दिन पहले चुनावी मशीन की विसनीयता के बारे में यही कहा। एडीआर और अन्य की तरफ से जारी जनहित याचिकाओं पर दूसरे दिन सुनवाई करते हुए इलेक्ट्रिक वोटिंग मशीन पर संदेह जताने को सही नहीं बताया। इस पर फैसला अभी आना है। पर इन टिप्पणियों से ईवीएम पर न्यायालय के रु ख का पता चलता है। स्वदेश निर्मित ईवीएम मशीन से चुनाव बीसवीं सदी के नौवें दशक से ही कराया जा रहा है। इसके पहले, 1982 में केरल की परवूर विधानसभा उपचुनाव में उसे कुछ बूथों पर आजमाया गया था। इसकी खामियों को दुरु स्त कर इसे प्रयोग-सक्षम बनाया गया। ईवीएम के जरिए यूपीए ने दो आम चुनाव जीते हैं और केंद्र में उनकी दो सरकारें बनी हैं। इसके पहले एनडीए की भी सरकार बनी है। विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव ईवीएम से ही हुए हैं। इसके बावजूद हारे हुए दल या गठबंधन हर आम चुनाव के वक्त ईवीएम को हटाने या उसे वीवीपीएटी से लैस करने की मांग चुनाव आयोग से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक करते रहे हैं। आयोग की तरफ से हर चुनाव के पहले उनके समक्ष ईवीएम के फूलप्रूफ डेमो के जरिए चिंताओं के निराकरण के बावजूद सवाल उठाते रहना एक रस्मी कवायद है। उनका आरोप होता है कि इसमें डाले गए वोट भाजपा को मिलते हैं। पहले के कुछ उदाहरण इसकी तस्दीक भी करते थे पर यह तो मशीनी गड़बड़ी हो सकती थी। अब तो इसमें पर्याप्त सुधार किया गया है। तभी तो सर्वोच्च न्यायालय ने चार करोड़ टेस्टेड डेटा पर अपना भरोसा जताया है। यह सही भी है। ऐसा नहीं होता तो यूपीए ही लगातार जीतता होता या एनडीए का राज बदस्तूर रहता। दलों को चुनावों में इतना पैसा और पसीना नहीं बहाना पड़ता। ईवीएम अपने आका को तश्तरी में नतीजे परोस देती। न्यायालय ने रस्मी याचियों से स्पष्ट कर दिया है कि बैलेट पेपर और बक्से की झीना-झपटी वाले प्रतिगामी चुनावी दौर में भारत जैसे महादेश को नहीं लौटाया जा सकता। यह जर्मनी नहीं है। अलबत्ता, इस मसले पर फिर उंगली न उठे इस लिहाजन हर वोट का हिसाब रखने के लिए ईवीएम को वीवीपीएटी के साथ जोडे पर विचार किया जा सकता है। अंतिम परिणाम में देरी के बावजूद। चुनाव बिल्कुल शुद्ध-पवित्र तरीके से होना चाहिए ताकि उसके जनादेश की गारंटी हो। सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी में अवाम का मत है।

झूठ के हलफनामे और हलफनामों का झूठ.....

राकेश अचल

भारत के नेता कितना झूठ बोल सकते हैं, इसकी कल्पना दुनिया का कोई मनोवैज्ञानिक, चिकित्सक या वैज्ञानिक नहीं कर सकता। भारत के नेताओं की पोल उस वक्त खुलती है जब देश में चुनाव होते है। देश में इस समय लोकसभा के चुनाव चल रहे है। इन चुनावों में जो प्रत्याशी हैं उनके सम्पत्ति के बाबद दिए जा रहे हलफनामें देखकर हंसी आती है। लेकिन कैंचुआ के पास ऐसी कोई दूरबीन नहीं है जो इन हलफनामों की जांच कर सके। इस मामले में सभी दलों के नेता एक से बढ़कर एक हैं।

लोकसभा चुनाव में भाजपा का नेतृत्व करने वाले देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह के हलफनामे से ही बात शुरू करते हैं। गांधीनगर से भाजपा उम्मीदवार और गृह मंत्री अमित शाह के पास 20 करोड़ की चल और 16 करोड़ की अचल संपत्ति है लेकिन शाह के पास खुद की कार नहीं है। आयोग में दाखिल चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास 72 लाख के गहने हैं। इनमें उनके खरीदे हुए सिर्फ 8.76 लाख के हैं। पत्नी के पास सोने के 1620 ग्राम और हीरे के 63 कैरेट के गहने हैं। गृह मंत्री के पास 24, 164 रुपये नकद, 42 लाख का लोन भी। शाह साहब करोड़पति होकर भी कार क्यों नहीं खरीद पाए ये एक रहस्य है। इसका उद्घाटन वे खुद कर सकते हैं या राम जी। कहते हैं कि राजनीति में आने से पहले वे मनसा में प्लास्टिक के पाइप का पारिवारिक व्यवसाय संभालते थे। वे बहुत कम उम्र में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। 1982 में उनके अपने कॉलेज के दिनों में शाह की भेंट नरेंद्र मोदी से हुई। 1983 में वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े और इस तरह उनका छात्र जीवन में राजनीतिक रुझान बना। शाह साहब 1997 सेचुनाव लड़ रहे है। पहले वे विधायक हुआ करते थे, अब देश के गृहमंत्री है। उनका खानदानी पेशा दलाली [ब्रोकरेज] का है। शाह जी ने अब तक 5 विधानसभा चुनाव लाडे और जीत। लोकसभा का पहला चुनाव उन्होंने 2019 में लड़ा और जीते, जीते ही नहीं सीधे गृहमंत्री भी बनाये गए, लेकिन बेचारे 27 साल में एक कार नहीं खरीद पाए।

अब आपको मैं पूरे 543 नेताओं के हलफनामे तो दिखा नहीं सकता किन्तु जो दिलचस्प हैं उनकी बात अवश्य करता हूँ। अल्पसंख्यकों के नेता औवेसी का चुनावी हलफनामा औवेसी की सम्पत्ति का खुलासा करता है। चुनाव आयोग में भरे अपने हलफनामे में असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी संपत्ति को लेकर खुलासा किया है। इसके मुताबिक उनके पास 2.80 करोड़ रुपए की चल संपत्ति हैं। इसमें कैश, सोना, बीमा जैसे चीजें शामिल हैं। ओवैसी की पत्नी के नाम पर 15.71लाख रुपए की चल संपत्ति दर्शाई गई है, जबकि उनके पास 16.01 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति भी है। 1994 से चुनावी राजनीति में सक्रिय औबेसी ओवैसी पर 7 करोड़ रुपए का लोन भी है। उन्होंने एक घर लोन पर लिया है जिसकी कीमत 3.85 करोड़ रुपए है। सबसे दिलचस्प हलफनामा मध्यप्रदेश के 18 साल मुख्यमंत्री रहे मामा शिवराज सिंह चौहान का है। विदिशा लोकसभा के बीजेपी प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने वाले शिवराज सिंह चौहान ने चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में बताया है कि उनके पास 1, 24, 85, 475 रुपये की चल और 2, 17, 60, 000 रुपये की अचल संपत्ति है। शिवराज की पत्नी साधना सिंह की संपत्ति भी 5 महीनों में 15 लाख रुपए बढ़ी है। अगर नकदी की बात करें तो शिवराज सिंह चौहान के पास कुल 2 लाख 5 हजार रुपये नकद हैं, वहीं उनकी पत्नी साधना सिंह के पास करीब 1 लाख 65 हजार रुपये नकद हैं। शिवराज सिंह चौहान के पास कोई कर्ज भार नहीं है, वहीं उनकी पत्नी साधना सिंह के ऊपर करीब 64 लाख रुपये का कर्ज है। मजे की बात ये की हमारे मामा के पास भी कोई कार नहीं है। मामा कार लेकर करते भी क्या। ? उन्होंने तो पूरे १८ साल सरकारी हवाई जहाज और हैलीकाप्टर को स्कूटर की तरह जोता था। हमारे देश में गरीबी अभिशाप और अमीरी वरदान है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों के हलफनामे देखकर आप चौंक सकते है। लेकिन मै आपको अभी तक आये हलफनामों के आधार पर बता सकता हूँ कि सबसे अमीर और सबसे गरीब प्रत्याशी कौन रहा। केंचुआ के आंकड़ों के मुताबिक सबसे अमीर उम्मीदवार मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से मौजूदा सांसद और कांग्रेस नेता नकुल नाथ हैं। वे मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे हैं और उनके पास 716 करोड़ रुपये की सम्पत्ति है। 2019 के लोकसभा चुनाव में नकुलनाथ मध्य प्रदेश से जीतने वाले इकलौते उम्मीदवार थे। दूसरी ओर, तमिलनाडु के थूथुकुडी से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे पोनराज के सबसे गरीब उम्मीदवार हैं, क्योंकि चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास सिर्फ 320 रुपये की संपत्ति है।

भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहां गरीब से गरीब और अमीर से अमीर व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है। लोग बेकार ही चुनाव लड़ने के लिए इलेक्टोरल बांड के फेर में पड़ते हैं। हमारे शहर ग्वालियर से चाय बेचने वाले एक सज्जन सिर्फ इसलिए लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं कि कहीं उन्हें भी मोदी जी की तरह कोई मौका मिल जाये। जाहिर है कि जितने भी प्रत्याशी हैं वे चुनाव आयोग की ही नहीं बल्कि देश की जनता की आँखों में धूल झौंकते हुए अपनी समपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करते हैं। लेकिन इन हलफनामों की न किसी ने शिकायत की और न कभी किसी ईडी या किसी अदालत ने स्वयं संज्ञान लेकर इनकी जांच करने की जरूरत समझी। इस मामले में अज्ञानी रहने में ही समझदारी है। हमारे यहां झूठी हलफ उठाने की पुरानी रिवायत है। लोग चुनाव लड़ते हैं तो संविधान की हलफ उठाते हैं और जब पंचायतों में जाते हैं तो गंगाजल को हाथ में लेकर हलफ उठाते हैं, लेकिन सच कभी नहीं बोलते। नेताओं का सच तो लाइ डिटेक्टर मशीन भी नहीं उगलवा पाती। हलफनामें केवल देने के लिए होते हैं और गंगाजल हलफ उठाने के लिए। अदालतों में पवित्र गीता के नाम पर हलफ उठाई जाती है। इसके पीछे भी यदि सरकार खोज कराये तो पाएगी कि किसी सनातनी का दिमाग होगा, अन्यथा अदालतों में हलफ उठाने के लिए गीता के साथ ही रामायण, कुरान, बाइबल और गुरु ग्रन्थ साहिब को भी सूची में शामिल न किया जाता। लेकिन कहते हैं न कसमें, वादे, प्यार, वफा सब बातें हैं, बातों का क्या ?

पृथ्वी को सुरक्षित रखना है तो प्लास्टिक को कहना होगा ना

22 अप्रैल को विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इससे निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। और इस बार पृथ्वी दिवस 2024 की थीम है, ह्लप्लैनेट बनाम प्लास्टिकह्व,जो पारिस्थितिक और मानव स्वास्थ्य दोनों की सुरक्षा के लिए प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है, ताकि पृथ्वी बची रहे। प्लास्टिक से पर्यावरण खतरे में हैं। हमने इसे आज खतरनाक स्थिति में पहुंचा दिया है। ऐसे में पर्यावरण की तस्वीर धुंधली होती जा रही है। विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, अवैध खनन, निर्माण और विनाशकारी पदार्थों के प्रयोग से पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है। कह सकते हैं पर्यावरण के जैविक और अजैविक घटकों में तेजी से हो रहे बदलाव ने प्रदूषण शब्द को पैदा कर दिया है। इसमें प्लास्टिक प्रदूषण एक प्रकार का अत्यंत धीमा जहर है, जो हवा, पानी, धूल आदि के माध्यम से न केवल मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर उसे रोग ग्रस्त बना रहा है, बल्कि जीव- जंतुओं, पशु -पक्षियों, पेड़-पौधों और वनस्पतियों को भी नष्ट कर रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के कारण ही आज विश्व में जीवन खतरे में है। इस की वजह से बहुत से जीव जंतु, पशु-पक्षी, वन्य प्राणी दुनिया से विलुप्त हो गए हैं या कगार पर हैं। यही नहीं प्रदूषण से कैंसर, रक्तचाप, शुगर, दमा, मलेरिया, चर्मरोग, नेत्ररोग जैसी बीमारी से इन्सान संघर्ष कर रहा है। डराने वाली बात कहें तो सारा विश्व भयाक्रांत है। पर्यावरण को प्रदूषित करने में आज के समय में प्लास्टिक की भूमिका अहम हो गयी है। प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के लिये एक गंभीर संकट बन गया है और आने वाले समय में यह और भी ज्यादा भयावह होने वाला है। प्लास्टिक बैग और प्लास्टिक से बने अन्य उत्पाद छोटे-छोटे टुकड़ो में टूट जाते है

संजय कुमार
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

1970 में शुरू हुआ, पृथ्वी दिवस आज एक वैश्विक उत्सव बन गया है, जिसमें 193 से अधिक देशों में सालाना एक अरब से अधिक लोग भाग लेते हैं। विकास और बेहतर जीवन की चाहत ने पृथ्वी को खतरे में डाल दिया है। खासकर पशु-पक्षी-मानव बल्कि हर जीव का स्वास्थ्य खतरे में है, जो एक गंभीर चिंता के रूप में है। 22 अप्रैल को विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इससे निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। और इस बार पृथ्वी दिवस 2024 की थीम है, ह्लप्लैनेट बनाम प्लास्टिकह्व,जो पारिस्थितिक और मानव स्वास्थ्य दोनों की सुरक्षा के लिए प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है, ताकि पृथ्वी बची रहे। प्लास्टिक से पर्यावरण खतरे में हैं। हमने इसे आज खतरनाक स्थिति में पहुंचा दिया है। ऐसे में पर्यावरण की तस्वीर धुंधली होती जा रही है। विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, अवैध खनन, निर्माण और विनाशकारी पदार्थों के प्रयोग से पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है। कह सकते हैं पर्यावरण के जैविक और अजैविक घटकों में तेजी से हो रहे बदलाव ने प्रदूषण शब्द को पैदा कर दिया है। इसमें प्लास्टिक प्रदूषण एक प्रकार का अत्यंत धीमा जहर है, जो हवा, पानी, धूल आदि के माध्यम से न केवल मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर उसे रोग ग्रस्त बना रहा है, बल्कि जीव- जंतुओं, पशु -पक्षियों, पेड़-पौधों और वनस्पतियों को भी नष्ट कर रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के कारण ही आज विश्व में जीवन खतरे में है। इस की वजह से बहुत से जीव जंतु, पशु-पक्षी, वन्य प्राणी दुनिया से विलुप्त हो गए हैं या कगार पर हैं। यही नहीं प्रदूषण से कैंसर, रक्तचाप, शुगर, दमा, मलेरिया, चर्मरोग, नेत्ररोग जैसी बीमारी से इन्सान संघर्ष कर रहा है। डराने वाली बात कहें तो सारा विश्व भयाक्रांत है। पर्यावरण को प्रदूषित करने में आज के समय में प्लास्टिक की भूमिका अहम्‌ हो गयी है। प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के लिये एक गंभीर संकट बन गया है और आने वाले समय में यह और भी ज्यादा भयावह होने वाला है। प्लास्टिक बैग और प्लास्टिक से बने अन्य उत्पाद छोटे-छोटे टुकड़ो में टूट जाते है तथा मिट्टी और पानी के स्त्रोतो में मिल जाते है, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है। देखें तो प्लास्टिक प्रदूषण हमारे पर्यावरण और पृथ्वी के जनजीवन पर सीधा प्रभाव डाल रहा है। एक गंभीर समस्या और है कि प्लास्टिक से उत्पन्न कचरा पानी के स्त्रोतो जैसे कि, नदियों, समुद्रो तथा महासागरों में मिल जाता है और जल स्त्रोतों को प्रभावित करता है। इसके अलावा हवा द्वारा उड़ा लिये जाने पर प्लास्टिक के छोटे- छोटे टुकड़े एक स्थान से उड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचा दिये जाते है और प्लास्टिक के यह टुकड़े हानिकारक रसायन उत्पन्न करते है, जो मिट्टी के गुण तथा उर्वरकता को नष्ट कर देता है। यह पेड़-पौधों के वृद्धि को भी प्रभावित करतें हैं। पशुओं द्वारा कचरे में फेका गया खाना खाया जाता है। वह प्लास्टिक बैगों को अपने खाने के साथ खा लेते है, जो उनके आंतो में फंस जाता है, जिससे अंत में या तो उनकी मृत्यु हो जाती है या फिर उनके अंदर कई गंभीर बीमारीयां उत्पन्न कर देता है। इसमें कोई शक नहीं कि प्लास्टिक प्रदूषण आज विकराल ही नहीं, बल्कि अपने भयावह काल से गुजर रहा है। जिस प्लास्टिक को हमने विकास से जोड़ा, इंसानी जीवन को बदला। आज वह इन्सान के साथ-साथ धरती के सभी जीव जंतुओं के लिए तबाही का हथियार बना हुआ है। पहले हमने प्लास्टिक को बढ़ावा दिया और आज यह हमारे जीवन में इतना घुल मिल गया है कि इसे निकाल पाना आसान नहीं है। हाँ, धीरे धीरे इसे कम किया जा सकता है, नहीं तो एक वक्त आएगा कि पूरी तरह से यह जीव जंतुओं को निगल जायेगा।

सरकारी प्रतिबंधों के बीच एकल उपयोग वाले प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग छूट नहीं रहा है। चोरी छिपे घटिया प्लास्टिक का खुलेआम इस्तेमाल हो रहा है। इसका जीता जगाता उदाहरण नालों-सड़कों से अटा-पटा प्लास्टिक कचरा है। यूएनईपी के कार्यकारी निदेशक इंगर एंडरसन की माने तो, जिस तरह से हम प्लास्टिक का उत्पादन, उपयोग और निपटान करते हैं, वह पारिस्थितिक तंत्र को प्रदूषित ही कर रहा है। यह लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है और जलवायु को अस्थिर कर रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना है तो, प्लास्टिक के उपयोग को लेकर बाजार में बदलाव की सख्त जरूरत है। इसके पुनः उपयोग, रीसायकल और उत्पादों में विविधता पर ध्यान देना होगा है। प्लास्टिक को ना कहना होगा तभी प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी। आंकड़े गवाह हैं कि प्रत्येक वर्ष 400 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से आधे को केवल एक बार उपयोग करने के लिये डिजाइन किया गया है। इसमें से 10 फीसदी से भी कम को रिसाइकिल किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि दुनिया भर के देश और कंपनियां मौजूदा तकनीकों का उपयोग करके नीति और बाजार में बदलाव करती हैं, तो 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण 80 प्रतिशत तक कम हो सकता है। आंकलन है कि पुनर्चक्रण या रीसाइक्लिंग, यदि पुनर्चक्रण एक अधिक स्थिर और लाभदायक उद्यम बन जाता है, तो 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को अतिरिक्त 20 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। पुनर्विन्यास और विविधता वैकल्पिक सामग्री जैसे कागज या कूड़े की खाद या कंपोस्टेबल सामग्री से बने उत्पादों के साथ प्लास्टिक रैपर, पाउच और टेकअवे आइटम जैसे उत्पादों के बदले अन्य सामग्रियों को अपनाने से प्लास्टिक प्रदूषण में कमी लाई जा सकती है। एकल या एक बार उपयोग और छोटी अवधि में उपयोग किए जाने वाले उत्पादों से 10 करोड़ मीट्रिक टन प्लास्टिक को अभी भी 2040 तक सुरक्षित रूप से निपटाने की आवश्यकता पड़ेगी। इसे बिना रीसाइक्लिंग योग्य प्लास्टिक के कचरे के निपटान के लिए डिजाइन और सुरक्षा मानकों को स्थापित करने और लागू करने और माइक्रोप्लास्टिक में बदलने वाले उत्पादों पर लगाम लगाकर हल किया जा सकता है।

ऐसा माना जा रहा है कि, पांच साल की देरी से 2040 तक 80 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक प्रदूषण बढ़ सकता है। प्लास्टिक प्रदूषण, प्लास्टिक के कचरे से उत्पन्न होता है । सवाल उठता है कि प्लास्टिक प्रदूषण को कैसे रोके । अपने दैनिक जीवन में अपना कर हम प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में महात्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। उपयोग ना करके/ अन्य विकल्पो को अपना कर प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिये सबसे महात्वपूर्ण कदम यह है कि हमें प्लास्टिक के उपयोग से बचना होगा । हम इनके उपयोग के आदि हो चुके है तथा यह काफी सस्ते भी है, इसलिये हम इनके उपयोग को पूरी तरह से बंद नहीं कर पा रहे हैं । हालांकि हम उन प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग को आसानी से बंद कर सकते है, जिनके इकोफ्रैंडली विकल्प उपलब्ध है। प्लास्टिक बैगों और प्लास्टिक से बने अन्य वस्तुओ का उपयोग नही बंद कर सकते तो कम से कम उन्हे फेंकने से पहले जितनी बार भी हो सके उनका पुनरुपयोग करे। प्लैनेट बनाम प्लास्टिकह्व विषय के साथ, पृथ्वी दिवस 2024-2040 तक प्लास्टिक उत्पादन में 60% की कमी, एकल-उपयोग प्लास्टिक के उन्मूलन पर अमल करें।

दलबदलू: हमको उनसे वफा की है उम्मीद ?

पहली श्रेणी उन लोगों की जिन्हें राजनीति पारिवारिक विरासत में मिली है । सरल भाषा में जिन्हें परिवारवादी राजनीतिज्ञ कहा जाता है । दूसरी श्रेणी के वह लोग जो छात्र राजनीति या गांव पंचायत की सियासत से निकलकर आये हैं । और अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि तीसरी श्रेणी में वह लोग आते हैं जो अपने जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो पाते और पूर्णतय : अयोग्य होते हैं । इसी श्रेणी प्राय : सम्प्रदायवादी, जातिवादी, क्षेत्रवादी राजनीति कर सफलता का शार्ट कट अपनाते हैं । बाहुबली व दबंग छवि के लोग भी प्राय : इसी श्रेणी में गिने जा । अपवाद स्वरूप कुछ ही लोग राजनीति में ऐसे होते हैं जो उच्च शिक्षा ग्रहण कर और अंतरात्मा से देश की सेवा करने की गरज से राजनीति में पदार्पण करते हैं । चूँकि ऐसे लोगों की संख्या कम होती है इसलिये कुल मिलकर नाकारे राजनीतिज्ञों का वर्ग इनपर भी हावी हो जाता है । और इसी दुर्भाग्यशाली परिस्थितियों का ही परिणाम है कि हमारा देश की राजनीति में इस समय चरित्रवान व विचारवान लोगों की कमी है जबकि अपराधी, स्वार्थी, चरित्रहीन, साम्प्रदायिकतावादी, जातिवादी, मक्कार, झूठे, बेईमान, दलबदलू, अवसरवादी तथा पूर्वाग्रही लोगों की भरमार है ।

तनवीर जाफरी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार है

वर्तमान दौर में हमारे देश में राजनीतिज्ञों की छवि ऐसी बन चुकी है कि यदि आप किसी भी अभिभावक से पूछें कि क्या वह अपनी संतान को नेता बनाना पसंद करेगा ? तो शायद ही इसके जवाब में कोई हाँ कहता दिखाई दे। दरअसल आम तौर से राजनीति में तीन श्रेणियों के लोग ही सक्रिय दिखाई देते हैं। पहली श्रेणी उन लोगों की जिन्हें राजनीति पारिवारिक विरासत में मिली है। सरल भाषा में जिन्हें परिवारवादी राजनीतिज्ञ कहा जाता है। दूसरी श्रेणी के वह लोग जो छात्र राजनीति या गांव पंचायत की सियासत से निकलकर आये हैं। और अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि तीसरी श्रेणी में वह लोग आते हैं जो अपने जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो पाते और पूर्णतयः अयोग्य होते हैं। इसी श्रेणी प्रायः सम्प्रदायवादी, जातिवादी, क्षेत्रवादी राजनीति कर सफलता का शार्ट कट अपनाते हैं। बाहुबली व दबंग छवि के लोग भी प्रायः इसी श्रेणी में गिने जा। अपवाद स्वरूप कुछ ही लोग राजनीति में ऐसे होते हैं जो उच्च शिक्षा ग्रहण कर और अंतरात्मा से देश की सेवा करने की गरज से राजनीति में पदार्पण करते हैं। चूँकि ऐसे लोगों की संख्या कम होती है इसलिये कुल मिलकर नाकारे राजनीतिज्ञों का वर्ग इनपर भी हावी हो जाता है। और इसी दुर्भाग्यशाली परिस्थितियों का ही परिणाम है कि हमारा देश की राजनीति में इस समय चरित्रवान व विचारवान लोगों की कमी है जबकि अपराधी, स्वार्थी, चरित्रहीन, साम्प्रदायिकतावादी, जातिवादी, मक्कार, झूठे, बेईमान, दलबदलू, अवसरवादी तथा पूर्वाग्रही लोगों की भरमार है। आपने देखा होगा कि कभी पत्रकार ने किसी एम एल ए से ही एमएलए का फुल फार्म पूछा और वह नहीं बता पाया। दूसरों को वन्देमातरम जबरन पढ़ाने के लिये मर मिटने के लिये तैयार कई लोगों से कैमरे के सामने लाईव डिबेट में जब वन्देमातरम सुनाने के लिये कहा गया तो वह स्वयं नहीं सुना पाया। अधिकांश नेताओं में जहालत के ऐसे अनेक प्रमाण सुनने को मिल जायेंगे।

जब ऐसे लोगों के राजनीति करने का मकसद ही धनार्जन, स्वार्थ, और अपने राजनैतिक भविष्य को सुरक्षित रखना हो तो जाहिर है वहां विचारधारा या वैचारिक प्रतिबद्धता नाम की चीज कोई महत्व रखती। ऐसे जमीर फरोशों और मौका परस्तों को भले ही जनता पहचानने में चूक कर देती हो और उनके वैचारिक धर्म परिवर्तन या दलबदल के बाद यहां तक कि कल के नंगे भूखे नेताओं के धनाढ्य बन जाने के बाद भी बार बार जनता उन्हें निर्वाचित भी करती रहती हो। परन्तु उनके इस चरित्र से उस दल के नेता भी भली भाँती वाकिफ होते हैं जहाँ वे अपने स्वार्थवश व अपना राजनैतिक भविष्य संवारने के नाम पर पनाह लेते हैं। ऐसे दलों के नेता चतुराई वश अपना कुंबा बढ़ाने की गरज से उन्हें पनाह देकर उनके जनाधार का लाभ तो उठा लेटे हैं परन्तु दल बदल या विचार परिवर्तन की इस स्वार्थपूर्ण प्रक्रिया में वह नेता यह भूल जाता है कि उसपर ह्यदलबदलू ह्य होने का ठप्पा भी लग चुका है। राष्ट्रीय व क्षेत्रीय स्तर पर ऐसे तमाम स्वार्थी व मौकापरस्त नेता मिल जायेंगे जिन्हें आज वही पार्टियां दूध की मक्खी की तरह निकाल कर फेक चुकी हैं जिनका या तो मकसद पूरा हो चुका है या अब उनकी वहाँ कोई जरुरत नहीं। वर्तमान चुनाव में भी ऐसे अनेक नेता दर दर भटकते दिखाई दे रहे हैं जिन्हें उनकी पार्टी ने इस बार प्रत्याशी नहीं बनाया। जबकि कल उन्होंने यही सोच कर दल बदल किया था कि नये दल में उनका राजनैतिक भविष्य सुरक्षित रहेगा। यहां मैं बिना नाम लिये एक उदाहरण देना चाहूंगा। एक व्यक्ति को कांग्रेस ने पहले जज फिर एक राज्य का मुख्यमंत्री बनाया। जबकि उसमें मुख्यमंत्री बनने का कोई गुण नहीं था सिवाए इसके कि उसके पिता बड़े राजनेता थे। बाद में वह सज्जन भाजपा में चले गये। आज चूँकि भाजपा वहां संघ पृष्ठभभूमि के नेताओं को पूरी तरह आगे ला चुकी है इसलिये उस राज्य में उसे आयातित नेताओं या दलबदलुओं अथवा विचार परिवर्तन करने वालों की फिलहाल कोई खास जरुरत नहीं इसलिये भाजपा ने उन पूर्व मुख्यमंत्री महोदय को ह्लपन्ना प्रमुख ह्न बना कर उनकी राजनैतिक हैसियत का अंदाजा करा दिया है। दलबदलुओं खासकर विपरीत विचारधाराओं में दलबदल करने वाले नेताओं के साथ एक और ह्यखेलह्न खेला जाता है। उन्हें सार्वजनिक रूप से उस विचारधारा के विरुद्ध मुखरित होकर बोलने को कहा जाता है जिसे वे छोड़ कर आये हैं। और मजबूरी वश चूँकि उसे अपने राजनैतिक भविष्य की चिंता होती है इसलिये वह पार्टी के मूल नेताओं से भी ज्यादा मुखरित होकर बोलता है। यहाँ कुछ उदाहरण पेश हैं। जैसे हिमंत विस्वा सरमा। यह पहले कांग्रेस के विश्वस्त नेताओं में थे। परन्तु जब से भाजपा में गए हैं तब से इनकी कारगुजारियां, इनके वक्तव्य सब कुछ भाजपाई या संघ संस्कारित नेताओं से कहीं बढ़कर हैं। ऐसा इसलिये है कि इन्हें अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाये रखने के लिये स्वयं को यह प्रमाणित करना है कि वे संघ व भाजपा की सभी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। इसी तरह शहजाद पूनेवाला जैसे दलबदलुओं को भाजपा, प्रवक्ता बनाकर कांग्रेस पर उसी के शस्त्र से प्रहार करवाती है। पिछले दिनों कांग्रेस के ही एकऔर प्रवक्ता गौरव बल्लभ भाजपा में शामिल हुये। कल तक उन्हें देश में कांग्रेस से बड़ी कोई भी धर्मनिरपेक्ष पार्टी नजर नहीं आती थी। परन्तु पार्टी छोड़ते ही उन्होंने भाजपा की भाषा बोलते हुये कांग्रेस को सनातन विरोधी बताना शुरू कर दिया।

आत्मपॅम्फ्लेट - भारत की अपनी फॉरेस्ट गंप जो मराठी में बनी है

जावेद अनीस

साल 2022 रिलीज हुयी आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा हॉलीवुड की कल्ट कलासिक फिल्म फॉरेस्ट गंप (1994) की आधिकारिक रिमेक थी, लेकिन इसमें रिमेक के दावे के अलावा फॉरेस्ट गंप जैसा कुछ भी नही था. यह एक डरी हुयी फिल्म थी जो गैर-विवादास्पद फिल्म बनने के दबाव में एक साधारण फिल्म बन कर रह गयी थी. वहीं 2023 में रिलीज हुयी मराठी फिल्म ह्यआत्मपॅम्फ्लेटह्न एक मौलिक फिल्म है जो बिना किसी महानता का दावा किये हमें लाल सिंह चड्ढा के डिजास्टर को भूल जाने का मौका देती है और अनजाने में ही सही खुद को फॉरेस्ट गंप के वास्तविक भारतीय संस्करण के रूप में पेश करती है. यह एक बहुत ही प्यार से बनायी गयी फिल्म है जो हमें प्यार, दोस्ती और मासूमियत का जश्न मनाने का मौका देती है. पिछले दिनों मराठी भाषा की इस ब्लैक कॉमेडी को अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ ओटीटी प्लेटफार्म जी-5 पर रिलीज किया गया है. फिल्म की कहानी हमारे यहाँ बहुत कम ऐसी फिल्में है जो सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर बात करते समय उपदेशात्मक नहीं होती जबकि ऐसी फिल्मों की संख्या तो बहुत ही कम है जो ऐसे मसलों को व्यंग्यपूर्ण तरीके से डील करती हैं, आत्मपैम्फलेट उन्हीं चुनिन्दा फिल्मों में से एक है जो बच्चों के नजरिए से भारतीय समाज पर एक मजेदार टिप्पणी करती है. आत्मपॉम्प्लेट हाल के दिनों में सामाजिक-राजनीतिक विषय पर आई सबसे प्रभावशाली व्यंग्यात्मक फिल्मों में से एक है.फिल्म का मुख्य किरदार महाराष्ट्र में दलित समुदाय एक किशोर लड़का आशीष बेडे है जिसे अपनी सहपाठी सृष्टि से प्यार हो जाता है जो ब्राह्मण समुदाय से है. इसमें उसके दोस्त जो अलग-अलग जाति और समुदायों (मुस्लिम, मराठा, ब्राह्मण और कुनबी) से हैं आशीष की मदद करते हैं. यह 80-90 के दशक और उसके बाद के वर्षों का वो दौर है जब भारत अपने राष्ट्रीय चरित्र में बदलाव के दौर से गुजर रहा था. नतीजतन यह फिल्म आशीष की एकतरफा प्रेम कहानी के साथ-साथ उस समय भारत में हो रहे बदलाओं और प्रमुख घटनाओं को भी बहुत बारीकी से दशार्ती है. फिल्म की कहानी काफी हद तक आशीष के बचपन और किशोरावस्था की प्रमुख घटनाओं पर आधारित है. फिल्म आशीष की जिंदगी के अहम पड़ावों को देश के इतिहास के महत्वपूर्ण मोड़ों के साथ लेते हुये आगे बढ़ती है जिसमें इंदिरा गांधी की हत्या, मंडल आयोग की रिपोर्ट की घोषणा और बाबरी मस्जिद विध्वंस जैसी महत्वपूर्ण घटनायें शामिल हैं. इस सामान्य किशोर प्रेमकथा में दिलचस्प मोड़ तब आना शुरू होता है जब हमें फिल्म के प्रमुख पात्रों के सामाजिक पृष्ठभूमि के बारे में पता चलना शुरू होता है.वो बातें जो फिल्म को खास बनाती हैं फिल्म शुरूआत में ही यह घोषणा कर देती है कि यह एक प्रेम कहानी है जोकि एक सफेद झूठ है. दरअसल फिल्म की पटकथा हल्की-फुल्की और सहज है लेकिन यह हमारे समय का एक काला हास्य है जो जाति, धर्म और अन्य गंभीर सामाजिक मसलों को हास्य के माध्यम से बहुत ही संतुलित तरीके से पेश करती है और ऐसा करते समय वो बिलकुल निर्भीक और निडर है. फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दो अलग विषयों प्रेम और सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को बहुत ही खूबसूरती से एक साथ लेकर चलती है, ऐसा करते समय संतुलन और प्रवाह पूरी तरह से बना रहता है और किसी भी चीज को अनावश्यक रूप से खींचा नहीं जाता है. फिल्म का मूल नैरेटिव विविधता में एकता है जो

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में युवक घायल, सदर अस्पताल रेफर

बनियापुर थाना क्षेत्र के भिठी शहाबुद्दीन गांव के सवालिया राय का पुत्र विकास कुमार राय देर रात सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं ।गांव वाले रोड में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। परिजनों द्वारा आनन फानन में बेहोशी की हालत में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इसुआपुर ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया।

जमीनी विवाद में मारपीट में युवती घायल,सीएचसी में भर्ती

मशरक थाना क्षेत्र के सिकटी भीखम गाँव मे रविवार की सुबह हुए मारपीट में एक युवती बूरी तरह घायल हो गई। घायल युवती को परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ संजय कुमार ने प्राथमिक उपचार किया । घायल युवती सिकटी भीखम गाँव निवासी रियाज खान की 21 वर्षीय पुत्री शबनम खातून है।

मशरक के गोपालवाड़ी में खेतों में लगी आग, ग्रामीणों ने पाया काबू

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के गोपालवाड़ी गांव में रविवार की सुबह अचानक खेतों के जंगलों में आग लग गई,आग ने देखते ही देखते गेहूं के फसलों और आवासीय परिसर की तरफ बढ़ने लगी।आग के विकराल रूप को देखकर फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी गई। मामले में आर्मी जवान संजय कुमार सिंह ने बताया कि खेतों के जंगलों में आग लग गई आग कैसे लगी पता नहीं चल पाया।पर यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो जान माल की बड़ी क्षति हो जाती। ग्रामीणों ने बताया कि फायर ब्रिगेड टीम के आने के पहले ही आग पर ग्रामीणों के सहयोग से काबू पा लिया गया।

मशरक में गेहूं के बोझे में लगी आग, फायर ब्रिगेड टीम ने पाया काबू

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के कर्ण कुदरिया वार्ड -10 में गेहूं काट कर रखे गये 700 बोझे में आग लग गई आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर ग्रामीणों के द्वारा आग पर काबू पाना मुश्किल देख फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी गई। अग्निकांड पीड़ित कर्ण कुदरिया गांव निवासी नवल ठाकुर ने बताया कि गेहूं की फसल काट बोझा बाध कर रखा गया था उसी में आग लग गई आग कैसे लगी पता नहीं चल पाया पर आग ने 700 गेहूं के बोझे को जलाकर राख कर दिया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

शादी की नियत से नाबालिग का अपहरण का मामला दर्ज

बनियापुर । शादी की नियत से नबालिग का अपहरण किए जाने की प्राथमिकी बनियापुर थाना मे पीड़ित मा ने दर्ज कराई है,जिसमे अज्ञात मोबाइल धारक को नामजद किया है। प्राथमिकी मे पीड़िता ने बताई है कि मेरी 17 वर्षीय पुत्री विद्यालय जाने के नाम से घर से गयी थी,जब निर्धारित समय से घर नही पहुंची, तब शाम तक चारो तरफ,रिस्तेदारो के घर काफी खोज बीन किया गया,कोई आता पता नही चला।पीड़िता का कहना है कि मोबाइल पर अज्ञात द्वारा फोन किया गया था,अंदेशा है उक्त अज्ञात मोबाइल धारक द्वारा पुत्री को बहला फुसलाकर शादी की नियत से अपहरण कर लिया गया है,मामले मे पुलिस मोबाइल नंबर खंघालते अग्रेतर करवाई मे जुटी है।

मिठाई की दुकान में लगी भीषण आग , नगदी समेत लाखों का समान स्वाहा

घोड़ासहन । स्थानीय श्रीपुर रोड अवस्थित एक होटल में अचानक आग लग गई, जिससे दुकान में रखे नगदी व लाखो का सामान जल कर स्वाहा हो गया। घटना के कारणो का खुलासा नही हो सका है । पीड़ित दुकानदार व चिरैया थाना क्षेत्र के बरैठा मूल निवासी राजेश चौरसिया ने बताया कि श्रीपुर रोड में जय श्री राम स्वीट्स के नाम से मेरा दूकान चलता है। शनिवार की रात दुकान में अचानक आग देर आग लग गयी , कुछ समझ पाते तब तक आग की लपटे दूकान के चारो तरफ फैल गये । सूचना पर पहुची फायर ब्रिगेड वाहन आग पर काबू कर पाती कि इस बीच दुकान में रखे सारा सामान जल कर राख हो गया । अशंका है कि शॉट सर्किट से आग लगी है । आग लगने से भारी क्षति हुई है । घटना के दौरान एक बाइक, दो फ्रिज, शो-केस, इन-वर्टर , बैटरी,फर्नीचर सामान, बर्तन व नगद 50 हजार समेत लगभग छह लाख रुपए का नुकसान हुआ है । वही दूकान मे लगे सीसीटीवी कैमरा सेट, पानी टंकी, मोटर आदि भी जल गये ।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुआ है: राष्ट्रीय प्रवक्ता

गरीबों को उत्थान के लिए चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों का उत्थान हुआ है,गरीबों के विकास के लिए अनेकों प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाएं चल रही है। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता धनंजय गिरि ने रविवार को श्री नंदनपति स्थित भारतीय जनता पार्टी के चुनावी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं। राष्ट्रीय प्रवक्ता धनंजय गिरि ने प्रेस मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब उन्होंने जो वादा किया है पूरे होंगे। एनडीए के 10 वर्षों के शासनकाल में भारत की अर्थव्यवस्था काफी मजबूत हुआ है, किसान सम्मान योजनासे किसानों को फायदा हुआ है, मुफ्त राशन योजना से गरीबों का उत्थान हो रहा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर देश तेजी से बढ़ रहा है, वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत एनडीए सरकार का बेहतर कदम है, विकास की नई - नई योजनाएं चल रही है, गरीबों को आवास योजना, बिजली बिल शून्य करने की दिशा में सोलर योजना कारगर साबित हो रहा है। मुद्रा योजना को 10 लाख से बढ़कर 20 लाख करना मोदी सरकार की उपलब्धि है। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि ड्रोन दीदी योजना से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है, पर्यटन के क्षेत्र में भी केंद्र द्वारा बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिये जाने के साथ-साथ डिजिटल इंडिया को और मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि पीएम मोदी का कोई विकल्प नहीं है, भारत की सभ्यता संस्कृति को जीवंत किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास से देश निरंतर आगे बढ़ रहा है, और विदेश नीति भी काफी मजबूत हुई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता धनंजय गिरि ने मीडिया को संबोधित करते हुए सारण लोकसभा से एनडीए प्रत्याशी राजीव प्रताप रूढ़ी एवं महाराजगंज से प्रत्याशी जनार्दन सिंह सिग्रीवाल को जीताने की अपील किया। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि छपरा के सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी विश्व में इकलौता सांसद हैं जिन्होंने राफेल जैसे लड़ाकू विमान उड़ाने की क्षमता भी रखते हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता अपनी वोट की ताकत को समझें, और चुनाव के दिन मतदान जरूर करें। इस अवसर पर प्रोफेसर कमल किशोर सिंह, जिला महामंत्री विवेक कुमार सिंह, कार्यालय मंत्री अर्धदू शेखर शहर एवं मीडिया प्रभारी बलवंत सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग को उपस्थित थे।

शौच करने गई विवाहिता की गला काटकर हत्या

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। जलालपुर थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज खबर सामने आ रही है, जहां बीती रात मे शौच करने गई विवाहिता की गला काटकर हत्या कर दी गई है. मृत महिला का शव जलालपुर थाना अंतर्गत नवादा गांव स्थित नहर से बरामद किया गया है. उसका गला धारदार हथियार से रेतकर नहर में फेंका गया था. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने नहर से शव को बरामद कर इस घटना की सूचना परिवार वालों को दी. मृत महिला की पहचान जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के नवादा मठिया गांव निवासी मुन्ना कुमार महतो की 30 वर्षीय पत्नी प्रियंका देवी के रूप में की गई है. इस घटना के बाद स्थानीय थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेजा, जहां शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद परिवार वालों को सुपुर्द कर दिया गया है. इस घटना के संबंध में मृत महिला के देवर ने बताया कि बीती रात्रि करीब 9:00 बजे शौच के लिए उसकी भाभी घर से बाहर निकली थी. देर रात तक वापस नहीं लौटी इसके बाद वे लोग उसकी खोजबीन कर रहे थे. खोजबीन के क्रम में उन लोगों ने देखा की नहर में प्रियंका देवी का शव पड़ा हुआ है और इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई. इस मामले में मृत महिला के परिवार वालों ने बताया कि उनका गांव में किसी से कोई दुश्मनी नहीं है. हत्या क्यों की गई है इसकी जानकारी उन्हें नहीं है. वहीं पुलिस इस मामले में छानबीन में जुटी हुई है. समाचार प्रेषण तक प्राथमिकी की प्रक्रिया चल रही थी. महिला का पति मुन्ना महतो और उसके मायके वाले दिल्ली में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं. सूचना के बाद वे लोग दिल्ली से छपरा के लिए निकल चुके हैं.

मतदाता जागरूकता हेतु लियो क्लब छपरा टाउन ने शहर में निकाली रैली

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। लियो क्लब छपरा टाउन और छपरा टुडे के संयुक्त तत्वावधान में छपरा शहर में मतदाता जागरूकता अभियान रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ छपरा अनुमण्डल पदाधिकारी श्री संजय कुमार राय, वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक लायन डॉ एस के पाण्डेय, लायन सुशील वर्मा, लायन विकास गुप्ता, लायंस गोविंद सोनी, लायन रणधीर जयसवाल ने हरी झंडी दिखा कर किया। मतदाता जागरूकता रैली का अध्यक्षता लियो अध्यक्ष आशुतोष पाण्डेय ने किया। लियो क्लब के द्वारा मतदाता जागरूकता रैली आयोजित करने पर सदर अनुमण्डल अधिकारी श्री संजय राय ने सराहना करते हुए कहा की नव युवकों के द्वारा नवयुवा मतदाताओं सहित अन्य लोगो को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होना बहुत जरूरी है, एक जिम्मेदार मतदाता ही सभी में जागरूकता ला सकता है। हमें वोट डालने का अधिकार है इसका हमें उपयोग करना चाहिए। मतदान के प्रतिशत को बढ़ाना भी हमारी एक बड़ी जिम्मेदारी है जिससे लोकतंत्र को और मजबूत बनाया जा सके। वही नेत्र चिकित्सक लायंस के पूर्व जिलापल डॉ एस० के० पाण्डेय ने लियो क्लब तमाम सदस्यो के द्वारा आज मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर ये संदेश देने का काम किया गया है की हर भारतीय को मतदान करने के अधिकार पर गर्व होना चाहिए मतदान भविष्य का विधाता होता है। युवा मतदाताओं को युवा पीढ़ियों को मतदान के लिए जागरूक करना चाहिए। मतदान से अपने योग्य उम्मीदवार को चयनित करें । वही छपरा टुडे के संस्थापक सुरभित दत्त ने कहा की लियो सदस्यो के साथ हमलोग भी हमेशा सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ के हिस्सा लेते है, मेरा मनाना है की कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका, पत्रकारिता चारों स्तंभ हमारे लोकतंत्र को मजबूती प्रदान किए हुए खड़े हुए हैं, हमें गर्व है हमारे लोकतंत्र पर हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमारे संविधान निमार्ता पर हमे गर्व है। लियो मनीष कुमार मनी ने कहा कि आज के परिवेश में हमे मतदान के दिन अपने मतों का प्रयोग करना हमारे लिए बहुत महत्पूर्ण है। हमारा वोट ही हमारा भविष्य तय करता है। लियो क्लब छपरा टाउन और लियो क्लब छपरा सारण के सदस्यो के साथ गाइड लाइन केमेस्ट्री क्लासेज के बच्चो ने पहले मतदान करे, फिर जलपान करें, बच्चा बच्चा करें पुकार, वोट डालना है हमारा अधिकार , लोकतंत्र की है पहचान, मत मतदाता और मतदानह्व जैसे नारों के साथ छपरा शहर में रैली निकाल मतदाता को जागरूक किया। मतदाता जागरूकता अभियान रैली में लायन कुंवर जयसवाल, लायन अमर गुप्ता, लायन साकेत श्रीवास्तव, लियो अमित सोनी, विकास, अभिषेक, शबाना खातून, लक्ष्मी सिंह, सर्वेश रंजन, मो सलमान, शुभम सिंह लियो सदस्यो की मुख्य भूमिका निभाई ।

मशरक में भैरो बाबा मन्दिर पर दो दिवसीय अखण्ड अष्टयाम भव्य कलशयात्रा से शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

मशरक। मशरक के देवरिया में जनमानस के कल्याण हेतु भैरो बाबा मन्दिर प्रांगण में सार्वजनिक दो दिवसीय अखण्ड अष्टयाम कलश शोभा यात्रा से शुरू हुई।कलश यात्रा भैरो बाबा मंदिर परिसर से आचार्य अरविन्द पाण्डेय एवं धनंजय ओझा की उपस्थिति में यजमान रामचन्द्र सहनी और धर्मपत्नी शारदा देवी की मौजूदगी में सैकड़ों पीला वस्त्र धारी कन्याओं और महिलाओं के हाथ में मंत्रोच्चार के साथ पवित्र कलश दिया गया।कलश यात्रा बहरौली होते हुए प्रसिद्ध चतुमुर्खी शिव मंदिर दुमदुमा पहुँच पूजा अर्चना के बाद रामजानकी पथ होते हुए घोघारी नदी के घाट पर पहुँची जहाँ विधिवत पूजा अर्चना के बाद गांव का भ्रमण करते हुए जल बोझी कर कलश यात्रा यज्ञ मण्डप पहुँची जहाँ विधिवत पूजा अर्चना के बाद 24 घण्टे का अखण्ड अष्टयाम हरेराम हरेराम राम राम हरे हरे हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे संकीर्तन से शुभारंभ हुआ।मौके पर ग्रामीण देवीलाल सहनी, बिगू माँझी, रामाधार सहनी, शिवचरण सहनी, रविन्द्र पड़ित, शिक्षक कमलेश सहनी सहित समस्त ग्रामीण जनता मौजूद रहे।

सड़क पार करने के दौरान अनियंत्रित वाहन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा । तरैया थाना अंतर्गत बाजार के समीप सड़क पार करने के दौरान अनियंत्रित वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत उपचार के दौरान छपरा अस्पताल में हो गई है. मृत व्यक्ति की पहचान जिले के तरैया थाना क्षेत्र निवासी स्वर्गीय रामायण सिंह के 60 वर्षीय पुत्र विक्रम सिंह के रूप में की गई है. इस घटना के संबंध में बताया जाता है कि वह बाजार आए थे, तभी सड़क पार करने के दौरान अनियंत्रित वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में लिया. जिसके कारण वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये. घायलावस्था में आनन-फानन में उन्हें परिवार वालों के द्वारा छपरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई. सदर अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉक्टर मेराज आलम के द्वारा उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित किए जाने के साथ ही परिवार वालों में रोना-पीटना लग गया. वहीं परिवार के अन्य सदस्य भी रोते-पीटते छपरा सदर अस्पताल पहुंचे, जहां चीख-पुकार मची हुई है. वहीं पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है. सदर अस्पताल में मौजूद भगवान बाजार थाना पुलिस के द्वारा पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की जा रही है. जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराये जाने के बाद परिवार वालों को सौंपा जाएगा. फिलहाल शव का पोस्टमार्टम कराए जाने की प्रक्रिया की जा रही है

हेमन ट्रॉफी के लिए पू.चम्पारण क्रिकेट टीम घोषित

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी।बिहार क्रिकेट एसोसिएशन बीसीए के तत्वावधान में आयोजित हेमन ट्रॉफी क्रिकेट टूनामेंट सीनियर के लिए पू.चम्पारण क्रिकेट टीम की घोषणा कर दिया गया हैं।ईस्ट चम्पारण डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव रवि राज के हवाले से जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी प्रीतेश रंजन ने बताया कि रणजी खिलाड़ी सकीबुल गनी के नेतृत्व में 16 सदस्यीय पू.च. क्रिकेट टीम की घोषणा आज कर दिया गया।टीम में बल्लेबाज,गेंदबाज और आलराउंडर खिलाड़ियों के साथ साथ अनुपम कुमार व शिवम कुमार सिंह को बतौर विकेटकीपर जगह दिया गया हैं।टीम आज ही मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हो जाएगी।पू.चम्पारण सहित प.चम्पारण, शिवहर,सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर की टीम को हेमन ट्रॉफी जोन-बी में रखा गया हैं।कपरपुरा ग्राउंड मुजफ्फरपुर में 22 अप्रैल को पू.चम्पारण का मुकाबला प.चम्पारण व 23 अप्रैल को शिवहर से होगा। वही 26 अप्रैल को मुजफ्फरपुर व 27 अप्रैल को सीतामढ़ी की टीम पू.चम्पारण के सामने होंगी।ईस्ट चम्पारण डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन इसीडीसीए ने वरिष्ठ खिलाड़ी हरप्रीत सिंह सलूजा उर्फ प्रिंस को टीम मैनेजर की जिम्मेवारी दिया हैं। स्टैंडबाई खिलाड़ी मो. साहिद भी टीम के साथ जुड़े रहेंगे।ट्रायल व कंडीशनिंग कैम्प के प्रदर्शन के आधार पर टीम का चयन चयनसमिति सदस्य रामप्रकाश सिन्हा, सुबोध कुमार व संजय कुमार टुन्ना द्वारा किया गया। मौके पर इसीडीसीए उपाध्यक्ष सह बीसीए गवर्निंग काउंसिल कन्वेनर ज्ञानेश्वर गौतम,सचिव रवि राज,वरिष्ठ खिलाड़ी सह खिलाड़ी प्रतिनिधि मधुरेन्द्र कुमार सिंह उपस्थित रहे।

नल जल योजना से लोगों को नहीं मिल पा रहा पानी

प्रात: किरण संवाददाता

माँझी। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल का जल से माँझी नगर पँचायत वार्ड संख्या नौ के नागरिक अब भी वंचित हैं। बदइंतजामी का आलम यह है कि सरकार द्वारा इस योजना पर लाखों खर्च करने के बावजूद भी लोगों को शुद्ध पेय जल नसीब नहीं हो पा रहा है। लोगो को शुद्ध पेय जल के लिए बाजार के बोतल बन्द पानी से संतोष करना पड़ रहा है। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या नौ में पी एच ई डी विभाग द्वारा पाइप लाइन बिछाने के बाद हर घर में कनेक्शन तो दे दिया गया लेकिन लगभग दो साल बीत जाने के बाद भी अब तक नलों को पानी नसीब नही हुआ। उक्त वार्ड में नल जल योजना शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। इस सम्बन्ध में उपभोक्ताओं द्वारा नगर पँचायत के पदाधिकारी के अलावा सांसद और विधायक से भी शिकायत भी की गई। बावजूद इसके लोगों की गुहार बेअसर रही। बताते हैं कि संवेदक द्वारा मानक के विपरीत पाइप लाइन बिछा दिए जाने के कारण टँकी के नजदीक के लोगों को कभी कभार पानी मिल जाता है,लेकिन लंबी दूरी के कारण कुँअर टोली में अब तक पानी का एक बूंद भी नहीं मिला है। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि वार्ड 9 में भी एक टावर का पॉइंट बनाया जाय,ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके। ग्रामीणों ने बताया कि जनसम्पर्क के लिए पहुँचे सांसद से भी उन लोगों ने शिकायत की थी बावजूद इसके समस्या यथावत बनी हुई है।

सुगौली पशु चिकित्सक की उपस्थिति में पशुपालकों को किया गया जागरूक

प्रात: किरण संवाददाता

सुगौलीः प्रखण्ड के करमवा दलित बस्ती सहित विभिन्न क्षेत्रों में पशु टिकाकर्मी सह स्वयंसेवक अवधेश कुमार गुप्ता ने बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ, वंचितों तक पहुँचाने को लेकर ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान चलाया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रविशंकर देव बर्मन ने किया। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए पशु टिकाकर्मी अवधेश कुमार गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार व केंद्र सरकार के द्वारा पशुपालन को बढ़ावा देने को लेकर अनेकों योजना चलाई जा रही हैं, जागरूकता के अभाव के कारण बहुत से किसान, पशुपालक, सरकारी योजनाओं के लाभ उठाने से वंचित हो रहे हैं। इसलिए हम सबको जागरूक बनने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारी केंद्र सरकार, राज्य सरकार, पशुपालन मंत्री, पशुपालन विभाग के सचिव, निदेशक तथा हमारे जिला पशुपालन पदाधिकार, भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी, ये सभी अधिकारी, किसान व पशुपालक के हित से जुड़े सरकारी योजनाओं का लाभ, समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिये प्रयासरत हैं, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। टिकाकर्मी गुप्ता ने किसान व पशुपालकों से मछली पालन, गाय पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन कर, आमदनी बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सरकार बहुत से योजनाओं में अनुदान राशि देती है, जिससे कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति अपनी आर्थिक स्थिति सुधार कर रोजगार पा सकते हैं। उन्होंने महिलाओं से मिलकर बकरी पालन कर अपनी आय बढ़ाने में जोर देने की बात कही। वही प्रभारी पशु चिकित्सक डॉ बर्मन ने टिकाकमीयी से ज्यादा से ज्यादा जागरूकता अभियान चलाने पर जोर देने को कहा ताकि हर पशुपालन जागरूक बन सके। मालूम हो कि सामाजिक कार्यकर्ता अवधेश कुमार गुप्ता, स्वयंसेवक के रूप में बिना किसी मानदेय व वेतन के, लोगों की निःस्वार्थ मदद करते रहते हैं। अभी तक उन्हें विभाग विभागों से अनेकों बार प्रशंसा पत्र व प्रशस्ति पत्र मिल चुका है। इस मौके पर करमवा रघुनाथपुर के प्रभारी डॉ महेन्द्र पासवान, पशु टिकाकर्मी रणधीर कुमार, प्रवीण कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

निर्भीक और निडर पत्रकारिता के स्तम्भ थे दिवंगत पत्रकार गुड्डू राय

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले के दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार एवं संजीवनी समाचार के संस्थापक गुड्डू राय के तृतीय पुण्यतिथि सादगी के साथ उनके पैतृक आवास समसुदीनपुर गांव में रविवार को मनायी गयी । सर्वप्रथम दिवंगत पत्रकार गुड्डू राय के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके छोटे भाई सुनील कुमार द्वारा प्रतिमा के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर और माला पहनाकर दिवंगत आत्मा को नमन किया गया। तत्पश्चात उपस्थित उनके पुरे परिवार ने पुष्प माला पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। उनके पिता कन्हैया राय ने कहा कि पत्रकार गुड्डू राय एक निर्भीक निडर, बेबाक पत्रकार थे। वो ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े होने के बाद भी अपनी कलम के धार के सामने किसकी को टिकने नहीं दिए क्योंकि वें बेबाक पत्रकारिता करते थे। उनकी कमी आज भी पुरे परिवार को खलती है। पूरा परिवार भरा पड़ा है लेकिन एक उनके ना रहने से पुरी दुनिया बीरान सी लगती है। इस मौके पर उनके छोटे भाई ने कहा कि पुरे परिवार को एक सूत्र में बांध कर रखते थे। उन्होंने कहा कि हमेशा परिवार के साथ साथ समाज व आस पास के लोगों के प्रति समर्पित रहते थे। समाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर अपना योगदान देते थे। हमेशा सच्चाई के रास्ते पर चलने की सिख देते थे। उन्ही के बताये हुए मार्गदर्शन पर चल सभी भाई उनके सपनो का सकार करने की कोशिश करते है। उनका प्यार हम लोगों के प्रति बेसुमार था। श्रद्धांजलि अर्पित करने में उनके पिता कन्हैया राय, माता सीधीया देवी, पत्नी अनिता देवी,पुत्र आशीष रंजन, पुत्री आकुती कुमारी, आयुषी कुमारी एवं पिटू यादव, गणपत आर्यन पत्रकार, धणपत कुमार, पप्पू राय, विनय कुमार यादव, सोनू कुमार, सुभम कुमार, शिवम कुमार, सचिन कुमार, रौकी कुमार,राजेंद्र राय, कामेश्वर राय, सुपन राय इत्यादि मौजूद थे। साथी पत्रकारों एवं दोस्त रिश्तेदारों ने सोशल मिडिया के माध्य से श्रद्धांजलि अर्पित की।

दरपा में बारात जा रही बोलेरो हुई दुर्घटनाग्रस्त, रामगढ़वा रामजानकी मंदिर परिसर में लगी आग

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। अनुमंडल क्षेत्र के दरपा थाना क्षेत्र में बारात जा रही एक बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में इसपर सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस दुर्घटना में किसी के मौत की सूचना नहीं है।बोलेरो पर अधिकांश बच्चे सवार थे।दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों नें बोलेरो का शीशा तोड़कर उसमें सवार बच्चों को बाहर निकाला। यह घटना शनिवार की रात्रि बैकुंठ धाम मंदिर के समीप घटित हुई है। बताया जाता है कि आदापुर से नरकटिया होकर लखौरा जाने वाली सड़क में तीनकोनी से बारात रामपुर जा रही थी। इस क्रम में सामने से आ रहे दूसरे वाहन से साइड लेने की दौरान गंभीर टक्कर हो गई। वहीं एक अन्य दुर्घटना में रामगढ़वा बाजार स्थित राम जानकी मंदिर परिसर में पटाखे की चिंगारी से आग लग गई। यह घटना शनिवार की रात्रि की है। बारात निकालने के दौरान आतिशबाजी से यह घटना घटित हुई बताई जाती है। हवा की तेज रफ्तार के साथ आग नें विकराल रूप धारण कर लिया।आग पर काबू पाने के लिए भारी संख्या में स्थानीय लोग एकत्रित हो गए और आग पर काबू पाया गया।

लायंस छपरा ग्रेटर ने किया अन्नपूर्णा खिचड़ी-वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा लायंस क्लब आफ छपरा ग्रेटर के द्वारा 152 गरीबों एवं भूखे को अन्नपूर्णा खिचड़ी-वितरण का कार्यक्रम अंश फ्लैश श्री दावत रेस्टोरेंट के नीचे किया गया खिचड़ी खाकर गरीब मजदूर रिक्शा वाले काफी खुश हुए और क्लब के लोगों को दुआएं दी क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन एस जेड ए रिजवी ने बताया कि खिचड़ी-वितरण का यह कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को दिन में 1:00 बजे से तीन माह से हर शनिवार को किया जा रहा है और इसका काम को सफल बनाने में सभी मेंबरों का भरपूर सहयोग मिल रहा है इस प्रोग्राम को सफल बनाने में मुख्य भूमिका प्रोग्राम अध्यक्ष मनीष मिश्रा, क्लब अध्यक्ष करण सिंह क्लब सचिव राजेश कुमार उपाध्याय, सुमन कुमार सिंह, दिलीप कुमार चौरसिया की रही इस कार्यक्रम में क्लब एडमिनिस्ट्रेटर एस जेड ए रिजवी उपाध्यक्ष विभूति नारायण शर्मा लायंस क्लब छपरा के अध्यक्ष सुशील कुमार वर्मा राजीव गुप्ता लियो उपाध्यक्ष रूपेश कुमार, सहित कई लायन साथी ने कार्यक्रम को सफल बनाया इस कार्यक्रम की जानकारी अध्यक्ष करण सिंह ने दी

संक्षिप्त खबरें

25 हजार के इनामी अपराधी को पुलिस ने दबोच, भेजा जेल

बिक्रमगंज (रोहतास) रविवार को बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि शनिवार को थानाध्यक्ष सूर्यपुरा को सूचना मिली कि सूर्यपुरा थाना कांड संख्या 198/23 के आलोक में विभिन्न धाराओं के नामजद अभियुक्त धामा मिश्रा उर्फ प्रेमचंद्र मिश्रा उम्र करीब 40 वर्ष पिता जगदीश मिश्रा साकिम मधुकरपुर थाना दिनारा जिला रोहतास ग्राम डबरिया में आकर उक्त कांड के वादी एवं गवाह को डरा धमका रहा है। उन्होंने कहा कि उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु सूर्यपुरा थाना के प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी द्वारा एक टीम का गठन करते हुए ग्राम डबरिया स्थित राधे कृष्ण मंदिर के पास से नामजद अभियुक्त धामा मिश्रा उर्फ प्रेमचंद्र मिश्रा को एक देसी कट्टा एवं चार जिंदा कारतूस के साथ रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

वाहन चालको से पुलिस ने काटा ऑनलाइन जुर्माना

काराकाट (रोहतास) लोकसभा चुनाव के मद्देनजर वरीय अधिकारियों के दिशा- निर्देश पर कछवां पुलिस लगातार वाहन चेकिंग अभियान थाना क्षेत्रों के सभी कस्बों में चला रही है। उसी क्रम में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में थाना मोड़ के समीप पुलिस पदाधिकारी व जवान द्वारा बड़े व छोटे वाहनों की तलाशी सघन रूप से ली। उक्त थाना के पुलिस पदाधिकारी द्वारा हेलमेट, सीटबेल्ट, प्रदूषण जांच, ड्राइविंग लाइसेंस, ऑनर -बुक सहित अन्य विंदुओं पर बारीकी से तलाशी ली जा रही है। जांच के दौरान कुछ त्रुटियां पाए जाने वाले वाहन चालकों से पुलिस ने 15 रुपये का ऑनलाइन चालान काट सभी चालकों के वाहनों को मुक्त किया। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि वाहन जांच निरंतर चलते रहेगा।

आईएएस प्रेम कुमार चौहान को नोनिया संघ ने किया सम्मानित

नोखा (रोहतास) नोनिया चौहान कर्मचारी संघ बिहार द्वारा आईएएस डॉ. प्रेम कुमार चौहान को सम्मानित किया। जिन्होंने परीक्षा में सफलता प्राप्त रैक 130 रैंक लाया। इस अवसर पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष सरयू चौधरी, संस्थापक शिवानंद चौधरी, संयोजक रामशरण चौधरी, प्रदेश महासचिव धर्मेन्द्र कुमार सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अरविंद कुमार, सचिव नन्द किशोर चौधरी, राष्ट्रीय चौहान महासंघ के प्रदेश सचिव अरूण कुमार चौहान, कोषाध्यक्ष डॉ. सरोज कुमार, औरंगाबाद जिला महासचिव रंजन कुमार चौहान सहित अन्य लोगों उन्हें सफलता पर बधाई दी।

रामचरित मानस संपूर्ण पाठ हुई संपन्न

नावानगर (बक्सर) स्थानीय प्रखंड के पवरपुर गांव में मालती सिंह व रामदुलार सिंह की अगुवाई में चल रहे रामचरित मानस सम्पूर्ण पाठ का समापन किया गया। जहां पाठ की समाप्ति के बाद हवन पूजन भी किया गया और बड़े पैमाने पर भंडारा का आयोजन कर गांव सहित सुदूर क्षेत्रों से आए लोगों को खीर पूड़ी बुंदिया का प्रसाद खिलाया गया। इस दौरान मालती सिंह द्वारा गांव के गरीबों, असहायों सहित अन्य कुल 1हजार महिला पुरुष के बीच साड़ी, टी शर्ट और अंग वस्त्र का वितरण किया गया। जहां वितरण करते मालती सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से भक्तिमय माहौल से समाज सहित अन्य सभी वर्गों के लोगों का बौद्धिक विकास होता है आगे मालती सिंह ने कहा कि गरीबों असहायों व बुजुर्गों के बीच इस वितरण से बहुत बड़ी आत्मिक सुख मिलती है।

सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति की हुई मौत

तरैया। थाना क्षेत्र के तरैया बाजार पर अज्ञात वाहन से सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई है। मृतक अंधरबाड़ी गांव निवासी 60 वर्षीय विक्रमा सिंह उर्फ बयास जी है। परिजनों ने बताया की मृतक सुबह में घर से बाजार गए थे। बाजार से दूध व मीठा खरीदकर लौट रहे थे कि खादरा नदी पुल पर अज्ञात वाहन ठोकर मारकर फरार हो गया। जिन्हे घायलावस्था में कुछ लोगो ने रेफरल अस्पताल तरैया पहुंचाया। जिन्हे चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार कर गंभीरावस्था में सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान रविवार की दोपहर उनकी मौत हो गई है। घटना के बाद पत्नी लीलावती देवी, पुत्री आशा देवी, पुतुल कुमारी व अन्य का रो रो कर बुरा हाल है।

सरकारी कराहा पथ से अतिक्रमण नही हटने पर लोग करेंगे वोट बहिष्कार

हाईकोर्ट के आदेश को ठेंगा दिखा अतिक्रमणकारी कर रहें अवैध भवन निर्माण

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के घोसिया पंचायत के रेड़िया मौजा में स्थित सरकारी कराहा पर अतिक्रमणकारी ने अवैध भवन निर्माण कर आम जनता के मुख्य पथ को किया अवरूद्ध। ज्ञात हो कि बिहार सरकार हाईकोर्ट के द्वारा सत्र 2002 में ही चिन्हित अतिक्रमणकारी को सूचना जारी कर अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त आदेश जारी किया था। इसके बावजूद भी कुछ अतिक्रमणकारी ने हाईकोर्ट के आदेश को ठेंगा दिखाते हुए वर्तमान समय में भी अवैध भवन निर्माण कार्य में लगे है। जिसकी भनक रोहतास जिला प्रशासन सहित बिक्रमगंज प्रशासन को अबतक नही है। जो सोचनीय बात है आखिर वर्ष 2002 में ही हाईकोर्ट द्वारा जारी आदेश बावजूद भी अतिक्रमण हटा क्यों नहीं। जो कहीं न कहीं प्रशासन पदाधिकारियों की अतिक्रमणकारियों के साथ मिलीभगत के तरफ इशारा कर रहा है। जिसको लेकर रेडिया मौजा के वार्ड 3 और नगर परिषद वार्ड 10 के मुख्य चौहदी पर बसे दोनों तरफ के सैकड़ों स्थाई निवासी ने बताया कि यह सरकारी कराहा आम लोगों का सार्वजनिक रूप से आज-जाने का मुख्य पथ है। लेकिन विगत लंबे वर्षो से चिन्हित अतिक्रमणकारी में शिवाजी तिवारी,पिता स्व. नन्हकू तिवारी, सा० धनगाई, मौजा रेडिया खाता 300, खेसरा 1555, अतिक्रमण का प्रारूप पक्का का मकान ईट का दीवार। रामानंद पासी, पिता स्व० रोगी पासी, सा० धनगाई, मौजा रेडिया, खाता 300, खेसरा 1555 जिसका अतिक्रमण प्रारूप ईट के दीवार का हाता, श्री रामाकांत तिवारी, पिता स्व० नन्हकू तिवारी, सा० धनगाई, मौजा रेडिया, खाता 300, खेसरा 1555 जिसका अतिक्रमण प्रारूप ईट का खपड़पोस मकान हाईकोर्ट के जारी नोटिस अंकित है। लेकिन वर्तमान में कुछ अतिक्रमणकारी आनन फानन नए पक्के मकान अवैध निर्माण कर चुके है। जिसका स्थानीय लोगों द्वारा विरोध करने पर अतिक्रमणकारी उनसे मारपीट करने की धमकी तक देते है। ज्ञात हो कि इस मुख्य पथ के अवरुद्ध होने से अब आए दिन एंबुलेंस वाहन, गर्भवती महिलाएं, बेटियों की शादी सहित अन्य मुख्य परेशानियों से लोग त्रस्त हैं। जिसको लेकर पीड़ित सैकड़ों स्थानीय लोग बिक्रमगंज अनुमंडल पदाधिकारी अनिल बसाक से इंसाफ की उम्मीद लगाए उन्हें लिखित आवेदन देकर जल्द मुख्य पथ को अतिक्रमण मुक्त कराने की आग्रह करेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि यदि आम जनता को प्रशासन द्वारा इंसान नहीं मिलता है तो वह वर्तमान के लोकसभा चुनाव सहित आगामी विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का सभी लोग बहिष्कार करेंगे।

अनियंत्रित ट्रक पेड़ से टकराई बाल-बाल बचें चालक-खलासी

काराकाट (रोहतास) थाना क्षेत्र के बरना नया पेट्रोल पंप के समीप रविवार को तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक का चालक गाड़ी से कैसे भी कुद कर जान बचाया तो वही उप चालक ट्रक के इंजन में ही बुरी तरह फस गया । मौके पर मौजूद स्थानीय पत्रकार समरेश पाण्डेय, हिमांशु सिंह व स्थानीय लोगों ने कड़ी मेहनत कर उप चालक कि जान बचा ली । घटना इतना भयावह था की ट्रक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानी लोगों ने रास्ते से जा रहे एक जरनेटर कि मदद से इंजन को गैस कटर के मदद से काट कर कड़ी मेहनत कर उप चालक को ट्रक से निकाला । जानकारी के अनुसार रविवार शाम तेज रफ़्तार खाली ट्रक बालू लेने के लिए उत्तरप्रदेश के दिलदार नगर से दाऊनगर जा रही थी । इसी दौरान बरना नया पेट्रोल पंप के समीप चालक ने गाड़ी से अपना नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी का इंजन पूरी तरह विपरीत दिशा में घूम गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक दुर्घटना में ट्रक का चालक मंटू सिंह इंजन से कूद कर जान बचा लिया । वही उप चालक नीतीश कुमार इंजन में ही बुरी तरह फस गया। जिसे कड़ी मेहनत कर स्थानीय पत्रकार और घटना स्थल पर मौजूद लोगों की मदद से ट्रक के इंजन को गैस कटर से काट कर घायल उप चालक को ट्रक से निकला गया। जख्मी उप चालक को पैर में चोट है जिसे उपचार के लिए बिक्रमगंज के निजी अस्पताल में भेजा गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पहुंची और ट्रक को अपने कब्जे में लेते हुए आगे की करवाई कर रही हैं।

गोली मार भाग रहें चार अपराधियों को ग्रामीणों ने दबोचा,दो फरार

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) एसडीपीओ बिक्रमगंज कुमार संजय ने रविवार को अपने कार्यालय कक्ष में घटना उद्भेदन को लेकर एक प्रेसवार्ता की। जिस में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि विगत शनिवार की रात करीब 9 बजे बिक्रमगंज थाना को सूचना मिली कि मानपुर पंचायत के बलुआही गांव में कुछ अपराधी के द्वारा एक युवक को गोली मार दिया गया है।

जिसमें से ग्रामीणों के द्वारा चार लोगों को पीछा कर पकड़ कर मारपीट किया जा रहा है तथा दो लोग वहां से भाग गए है । उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही बिक्रमगंज थाना की पुलिस के द्वारा ग्राम बलुआही जाकर ग्रामीणों के द्वारा पकड़े गए चारों लोगों को जख्मी हालत में अपने कब्जा में लेकर इलाज हेतु अस्पताल लाया गया। उन्होंने ने कहा कि ग्रामीणों से पता चला कि बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के मानपुर पंचायत के ग्राम बलुआही के भुअर ठाकुर उर्फ रंजन कुमार एवं उसके ममेरा भाई के साथ आपसी विवाद था।

जिसमें भुअर ठाकुर तीन लोगों को कार एवं दो लोगों को पल्सर बाइक से बुलाया था । उसी समय उमेश कुमार उम्र करीब 18 वर्ष पिता ललन साह उर्फ मंगरू साह साकिम बलुआही थाना बिक्रमगंज जिला रोहतास ऑनलाइन फॉर्म भरकर घर लौट रहा था। उसी दौरान लोगों के द्वारा गोली चलाया गया। जो गोली उमेश कुमार के दायां पंजरी एवं छाती में लग गया। जिस संदर्भ में जख्मी उमेश कुमार के भाई दिलीप कुमार पिता ललन साह ग्राम बलुआही के फर्द ब्यान पर बिक्रमगंज थाना में कांड संख्या 227/24 के आलोक में विभिन्न धाराओं में कांड दर्ज किया गया। साथ बताया फरार अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी में जुट गई है।

एक शिक्षक के कंधों पर वीकेएसयू का भोजपुरी विभाग

तीन सत्रों को अकेले संभाल रहे विभागाध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। 25 करोड़ लोगों की भाषा भोजपुरी है जो देश ही नहीं विदेशों में भी बोली जाती है उसके उच्च अध्ययन एवं शोध का विश्व का पहला पीजी विभाग जो वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा में अवस्थित है, वह शासन प्रशासन की उपेक्षा का शिकार हो चला है। ऐसा नहीं कि यहां छात्र नहीं पढ़ते, आलम तो यह है कि इस साल पीजी की 75 सीटें पहली मेरिट लिस्ट में ही फुल हो चुकी है। अभी यहाँ पीजी के चार सेमेस्टर के सैकड़ों विद्यार्थियों के अलावा भोजपुरी में रिसर्च करने वाले दर्जनों छात्र अध्ययनरत है। मगर उन्हें पढ़ाने के लिए केवल एक शिक्षक ही विभाग में उपलब्ध है। वर्तमान विभागाध्यक्ष प्रो दिवाकर पाण्डेय हिंदी विभाग के भी प्राध्यापक हैं मगर भोजपुरी में उच्च अध्ययन प्राप्त होने की वजह से उन्हें भोजपुरी विभाग का भी प्रभार सौंपा गया है। उनके कार्यकाल में विभाग की दशा और दिशा में खूब सुधार हुआ है, मगर उनके सामने प्रश्न यह है कि केवल एक शिक्षक के सहारे कक्षाएं कैसे संचालित होंगी? भोजपुरी विभाग ऐसा विभाग है कि यहाँ चारों सेमेस्टर के छात्र और शोधार्थी नियमित रूप से आते है साथ ही यह विभाग साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी केंद्र है। 1992 में विवि के स्थापना काल से ही संचालित भोजपुरी विभाग में स्थाई शिक्षकों की नियुक्ति की राह में सबसे बड़ी बाधा है अब तक शिक्षकों और कर्मचारियों का पद सृजन ना होना दुर्भाग्यपूर्ण है। विभाग अब तक हिंदी विभाग के शिक्षकों के प्रभार में चलता आ रहा है। ऐसा नहीं कि पद सृजन और नियुक्ति के प्रयास नहीं हुई,कई बार शिक्षा विभाग को इस आशय का पत्र भेजा गया कि विभाग के सुचारु संचालन के लिए स्थायी शिक्षकों कर्मचारियों का पद सृजन और नियुक्ति हो मगर यह अब तक लंबित पड़ा है। हाल में विभाग के पूर्ववर्ती छात्र संघ ने समाधान के लिए विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव, संजय मयूख के अलावा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के. के पाठक को पत्र दिया है। यही नहीं स्नातक स्तर पर भी भोजपुरी की पढ़ाई सभी अंगिभूत कॉलेजों में प्रारम्भ किये जाने और शिक्षकों की नियुक्ति के लिए प्रयास हुआ मगर शासन प्रशासन की उपेक्षा का शिकार भोजपुरी विभाग में बनी हुई है।

क्या कहते हैं विभागाध्यक्ष: भोजपुरी के विभागाध्यक्ष प्रो दिवाकर पाण्डेय बताते हैं कि उन्होंने कुलपति से शिक्षको की कमी के संबंध में बात की है। कुलपति ने वीकेएसयू के किसी अन्य कॉलेज से भोजपुरी भाषा के जानकार शिक्षको को बुलाने की बात कही है परंतु अभी तक बात नहीं बनी है।

क्या कहते हैं छात्र: वर्ष 2023-25 की छात्रा आशा कुमारी बताती है कि एक शिक्षक होने के कारण पठन पाठन सही से नहीं हो पा रहा है। अगर दो और शिक्षक मिल जाते तो हमलोगो की पढ़ाई सुचारू रूप से चलती। हमलोगो 23-25 के छात्र हैं रोजाना क्लास भी आते हैं परंतु दिवाकर सर के अकेले होने के कारण मात्र दो घंटे ही क्लास चल पाता है।

समाजसेवी उद्योगपति के अनुज की श्रद्धांजली सभा आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

नावानगर (बक्सर) भारत प्लस एथेनॉल लिमिटेड कंपनी के सीएमडी अजय कुमार सिंह के बड़े भाई प्रगतिशील किसान शैलेश सिंह के आकस्मिक निधन को लेकर एक श्रद्धांजली सभा का आयोजन भोजपुर जिला के बखोरापुर गांव के निजी आवास में सम्पन्न हुआ।जहां श्रद्धांजली सभा की अध्यक्षता सीएमडी अजय कुमार सिंह ने किया।श्रद्धांजली सभा में दो मिनट का मौन रख मृतक की आत्मा की शांति की कामना की गई तो दूसरी तरफ श्रद्धांजली सभा में उपस्थित गांव के किसानों सहित सुदूर क्षेत्रों व दूसरे जिलों से आए किसानों ने किसानों के दर्द को बताया जहां वक्ताओं ने कहा कि सरकार के अड़ियल अधिकारियों की ढुलमुल नीति के कारण सरकार से किसानों को मिलने वाली सुविधाएं बीज खाद पानी में लूट खसोट व बंदर बाट पर गहरी चिंता जताते किसानों के असमायिक मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया गया।अपने प्रगतिशील किसान शैलेश सिंह की असामयिक मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते कहा कि ये मृतक किसान हमेशा सरकार के अड़ियल अधिकारियों द्वारा फसल की नकली बीज मिलने को लेकर काफी दुखी रहा करते थे और अपने खेतों को झांक काफी निराश भरी जिंदगी जीने को मजबूर हो गए थे।जिसके कारण इनकी असामयिक मृत्यु हुई है।बाद में उपस्थित किसानों सहित अन्य सभी ने शैलेश सिंह के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण करते फूल चढ़ाते उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।जहां शैलेश सिंह को आत्म बोधि किसान बताते अड़ियल अधिकारियों की इस ढुलमुल नीति पर अविलंब लगाम लगाने की मांग किसानों ने श्रद्धांजली सभा के माध्यम से कहते प्रत्येक वक्ताओं ने इस असामयिक मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया श्रद्धांजली सभा में मुख्य रूप से आरएसएस बिहार झारखंड के बौद्धिक प्रमुख राणा प्रताप सिंह, डॉ मोहन सिंह,आरा के मेयर इंदु देवी,प्रेम पंकज,भाजपा के जिलाध्यक्ष दुर्गा राज,आरा सांसद प्रतिनिधि धीरेंद्र कुमार,प्रेम रंजन चतुवेर्दी, बंटी शाही,राजद वरीय नेता सोनू राय,सुनील यादव,मनोज सिंह,बिहार पुलिस एशोसियेशन के अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह,पूर्व उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन,बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह,कंपनी के जीएम अजीत शाही, एके पाण्डेय, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्रेष्ठ कर्म से मनुष्यता जीवन होता है प्राप्त : जीयर स्वामी

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) काराकाट प्रखंड क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दौरान प्रवचन में जीयर स्वामी जी महाराज ने अपने श्रीमुख से कहा कि मनुष्य बनने के लिए शास्त्र में बताया गया है कि केवल मनुष्य के घर जन्म ले लेने से हम मनुष्य नही हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्यता प्राप्त करने के लिए हमें अलग से शिक्षा प्रणाली पर ध्यान देना पड़ेगा। जैसे गाड़ी खरीद कर सीखा जा सकता है परंतु सीखने की व्यवस्था गाड़ी के शोरूम में नही है।

उसी प्रकार हम संसार में ऋषि संतान व मनुष्य हैं। लेकिन मनुष्य हो ऐसा करके हमारे में मनुष्यता है कि नही, इसके लिए कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है।

इसीलिए रावण ने वरदान मांगा कि नर और वानर के सिवाय किसी दूसरे से नही मरें। क्योंकि वह जानता था कि दुनिया में कोई मनुष्य हो हीं नही सकता है । श्री स्वामी जी ने कहा कि माता-पिता को कष्ट देने वालों का कुछ काम नही बनता है ।

जन्म लेते ही हम तीन प्रकार के ऋण से घिर जाते हैं । जिस दिन से हम और आप जन्म लेते हैं, तीन प्रकार के ऋण हमारे ऊपर हो जाता है । माता पिता का कर्ज, ऋषि का कर्ज, देवताओं का कर्ज । इसी को हमलोग पितृ ऋण, देव ऋण, ऋषि ऋण भी कहते हैं । माता पिता के तेज से हमलोग उत्पन्न हुए हैं । तो हमलोग माता-पिता का कर्जदार हुए । माता- पिता के ऋण से उऋण होने के लिए यह बताया गया है कि कितना भी माता-पिता कड़े स्वभाव के हों बर्दाश्त कीजिए। क्योंकि आपको माता-पिता भी बर्दाश्त किए हैं।

पत्नी के प्रति स्नेह रखिए, लेकिन माता-पिता नही होते तो पत्नी से स्नेह नही होता। जो व्यक्ति माता पिता को उदास, निराश, अपमान ,अवहेलना,मारा पीटा, गाली- गलौज किया चाहे वह साक्षात इन्द्र भी आकर कुछ नही कर सकते । कुछ भी काम नही बनेगा। ऐसा करने वाला नरक का भागी होता है। उन्होंने कहा कि इसलिए माता-पिता को कष्ट नही दीजिए। गृहस्थ आश्रम में माता-पिता के ऋण से उऋण होने का उपाय है कि बडे होकर शादी विवाह करके अच्छे संतान को जन्म दें। दूसरा है कि हमें ऋषि ऋण से मुक्त होने का उपाय है । पूजा-पाठ करना, हवन करना, ऋषियों को भोजन कराना आदि। मौके पर प्रवचन स्थल पर हजारों की संख्या में श्रोतागण मौजूद थे।

पूर्व राज्य सभा सांसद मोदी के स्वास्थ्य के लिए मां मंगला सै प्रार्थना : डॉ. मनीष पंकज मिश्रा

प्रात : किरण संवाददाता

गया।भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के स्वास्थ लाभ के लिए भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के जिला सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा सहित भाजपा नेताओं के द्वारा माँ मंगला गौरी शक्ति पीठ में पूजा पाठ कर हवन कर, जल्द स्वस्थ होने की माता रानी से कामना की।इस अवसर पर डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने कहा की सुशील मोदी भाजपा के बड़े नेता हैं, उनके नेतृत्व में बिहार प्रदेश भाजपा संगठन काफी मजबूती प्रदान किया है, आज लोकसभा 2024 के चुनाव में उनके अनुपस्थिति भाजपा कार्यकताओं को बहुत खल रही है, क्यूंकि उन्होंने सर्वदा भाजपा कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाने का कार्य किया है। माता रानी से प्राथना करते हैं की जल्द स्वस्थ होकर 2024 के लोकसभा चुनाव में पूनः हम सभी कार्यकताओं को मार्गदर्शन दें। आज के पूजा में युवा मोर्चा के अध्यक्ष आकाश गिरी, महेश यादव, बबलू गुप्ता सहित अन्य लोग शामिल हुए हैं।

अतरी विधानसभा की कार्यकर्ता बिहार में 40 और देश में 400 के लक्ष्य पूरा करने में जुटे : डॉ. चन्दन यादव

गया।आगामी लोकसभा चुनाव को ले कर जनता दल यूनाइटेड, बिहार के अतरी विधानसभा प्रभारी ने अतरी के विभिन्न गाँव में संपर्क अभियान चलाया एवं जनता दल यूनाइटेड द्वारा आयोजित खिजरसराय प्रखंड बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, जहाँ डॉ. यादव का प्रखंड अध्यक्ष पिंकी कुमारी जी एवं पंचायत अध्यक्षयों ने अंग वस्त एवं फूल माला से स्वागत किया है ।डॉ. यादव ने संगठन के विभिन्न स्तर पर समीक्षा किया एवं उपस्थित सभी जदयू नेताओं के बातों को गंभीरता से सुना, सभी कार्यकताओं एवं नेताओं से एक स्वर में कहा कि हमारे नेता नीतीश कुमार है एवं उनको मजबूत करना हम कार्यकताओं का प्रथम लक्ष्य है । इस मौके पर डॉ. यादव ने कहा कि पिछले बार हम सभी पूरे बिहार के कार्यकर्ता ने पूरी ईमानदारी से नेता के कार्यो को जनता तक पहुंचाया था, जिसका परिणाम रहा कि पूरे बिहार से जनता मालिक का आशीर्वाद मिला और एनडीए ने 39 सीट जीता था इस बार हम सभी मिल कर अपने नेता के नारों को साकार करेंगे और देश के 400 सीटों में बिहार से 40 के 40 सीट जनता के आशीर्वाद जीता के भेजेंगे । विधानसभा प्रभारी डॉ.यादव ने सभी नेताओं कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक कार्यकर्ता के लिए पार्टी माँ के समान होती है जो अपने कार्यकताओं के हितों की रक्षा करती है एवं उसको यह अधिकार देती है की वो सशक्त हो कर सामाजिक रक्षा कर सकें, इसलिए हम सभी कार्यकताओं का यह कर्तव्य बनता है कि हम सभी मिल कर पार्टी को मजबूत करें।डॉ. यादव ने कहा कि हमारे नेता आदरणीय नीतीश कुमार ने बिहार के विकास में जो योगदान किया है उसे राजनीतिक भावना में लोग जो कह लें मगर उसको कोई दरकिनार नहीं कर सकता एवं राष्ट्रीय स्तर पर देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी ने अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर जो देश की छवि बनाई है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का पंचायत स्तरीय हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पंचायत स्तरीय बैठक नोनहर कुसमभरा तथा खैरा भूधर के खिरोधरपुर में सम्पन्न हुई। वरिष्ठ राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता अखिलेश्वर प्रसाद सिंह ने पंचायत स्तरीय एवं बुथ स्तरीय करणीय कार्यो पर प्रकाश डाला। काराकाट लोक सभा के संयोजक नवीन चंद्र शाह ने सरकार के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कार्यकताओं में नई जोश एवं ऊर्जा भरने का कार्य किया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी जनता दल यू लोक जनशक्ति पार्टी तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के पंचायत स्तर सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे उनमें वीरेंद्र कुशवाहा ,सूरज नाथ प्रसाद, बादशाह पासवान ,रवि शंकर पासवान उपस्थित थे। साथ ही लाभार्थियों की समृद्धि मोदी की गारंटी पर भी चर्चा हुई।

दहेज के लोभियों ने विवाहिता की हत्या कर जलाया, मामला दर्ज

बनियापुर । एक बार फिर दहेज के लोभी ससुराल वालो ने विवाहिता की हत्या कर शव को जला डाला,जिस सूचना पर पहुंचे मायके वालो ने पुलिस को सूचना दिया,जहा मौके पर पहुंच पुलिस अग्रेतर करवाई मे जुटी है,प्राथमिकी मे पति सास ससुर व अन्य को नामजद किया गया है। घटना के संबंध दर्ज प्राथमिकी मे सिवान जिले के दरौदा थाना के भिखमपुर निवासी लक्ष्मण यादव ने बताया है कि दो वर्ष पूर्व 2022 मे अपनी पुत्री पिंकी देवी की शादी हाफिजपुर गाव निवासी शंभू यादव के पुत्र मुकेश यादव से धार्मिक रीति रिवाज के साथ दान दहेज के साथ किया था,शादी के कुछ दिनों बाद 50 हजार रुपया दहेज मे मायके से मागने के लिए दबाव बना रहे थे,जिसे कई बार समझौता कर किया गया था, निपटाया गया था ,काफी प्रताड़ित ,आज सुबह सूचना मिली की आपकी पुत्री की हत्या कर शव को जलाने ले जाया जा रहा है ,सूचना पर हाफिजपुर पहुंचते देखा की शव जला दिया गया है,सभी आरोपी फरार थे,घटना मे भसूर रितेश यादव शंभू यादव ममतादेवी शैल देवी पति मुकेश यादव को नामजद किया है,घटना मे पुलिस आरोपियों का धर पकड़ के लिए छापेमारी कर रही है।

चूल्हे की चिंगारी से 26 घर जल कर राख

तरैया प्रखंड के चंचलिया दलित बस्ती में शनिवार की रात्री चूल्हे की चिंगारी से लगी आग से 26 घर जलकर राख हो गए है।अग्नि कांड में अन्न,वस्त्र,बिछावन,नकदी रुपए,चौकी,पलंग,साइकिल ,08 बकरियां सहित अन्य दैनिक उपभोग की वस्तुएं जलकर नष्ट हो गई है।अग्नि पीड़ित सियालाल राम,शीला देवी,अच्छेलाल राम, हरेंद्र राम,विनोद राम,आशा देवी, संजीत राम, रामवती देवी,शारदा देवी,प्रभा देवी,मंजू देवी,रेशमी कुंवर,शिव कुमार राम,वीर बहादुर राम,मीरा देवी,गुलाबचंद राम,प्रभु राम,मुन्ना राम,निशा देवी,बच्चा राम, मुकेशरी कुंवर,देवंती देवी,माला देवी,उषा देवी,चिंता देवी व कन्हैया मांझी है।पीड़ितों ने बताया की चूल्हे की चिंगारी से अचानक तेज हवा के कारण एक झोपड़ीनुमा घर में आग लगी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।और आग बेकाबू हो गया।जिसमे 26 घर जलकर राख हो गए।लगातार तीन चार घंटे तक ग्रामीणों और अग्निशमन कर्मियों के परिश्रम के बाद आग पर काबू पाया गया।अग्निपीड़ितों ने बताया की अब तक स्थानीय प्रशासन द्वारा उन्हें मदद के नाम पर केवल तिरपाल दिया गया है।

ईंट लोड टैक्टर ट्राली से 470 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, चालक फरार

दुर्गावती। स्थानीय थाना क्षेत्र के महाराणा प्रताप होटल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग से एक ईंट लोड ट्रैक्टर से दुर्गावती पुलिस ने 470 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया है। वहीं पुलिस को देखकर चालक फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार एक ट्रैक्टर उत्तर प्रदेश से ईंट लोड करके मोहनिया जा रहा था तभी बीच रास्ते में दुर्गावती थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड दुर्गावती के पास उसके ट्रैक्टर के टाली का पहिया पंचर हो गया। इसके बाद भी वह ट्रैक्टर को चलता ही रहा थोड़ी दूर आगे जाकर महाराणा होटल के पास ट्रैक्टर की टाली अनियंत्रित होकर पलट गई। टाली पलटते ही जब ईट बाहर निकाला तो उसमें शराब की पेटी दिखाई दी। मौके पर उपस्थित लोगों के द्वारा इसकी सूचना दुर्गावती पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दुर्गावती पुलिस के द्वारा शराब को जप्त कर लिया गया। इसके बाद उसकी गिनती की गई तो कुल 470 लीटर शराब पाया गया। वहीं पुलिस को देखकर चालक फरार हो गया। पुलिस ट्रैक्टर के चेचिस नंबर के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

इस दिन से शुरू होगा विजय देवरकोंडा की वीडी 12 की शूटिंग का अगला शेड्यूल

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द फैमिली स्टार बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, जिसके बाद अब वे एक हिट की तलाश में भटक रहे हैं। हालांकि, एक बार फिर वे अपनी अगली फिल्म के साथ कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हैं। विजय निर्देशक गौतम तिन्नानुरी के साथ अपनी अगली स्पाई थ्रिलर फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थाई रूप से शीर्षक वीडी 12 है। अब इस फिल्म के बारे में नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग हाल ही में हैदराबाद में शुरू की गई थी और इस चरण में विजय देवरकोंडा पर कुछ महत्वपूर्ण दृश्य फिल्माए गए थे। इस फिल्म को लेकर नई जानकारी यह कि फिल्म की टीम अगले शेड्यूल के लिए विजाग के लिए रवाना होगी, जो 28 अप्रैल, 2024 को शुरू होगी। इसके बारे में जल्द ही आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है।

फिल्म से विजय की पहली झलक

इससे पहले नौ मई, 2023 को विजय देवरकोंडा के जन्मदिन पर फिल्म से उनका पहला लुक जारी किया गया था, जिसने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया था। वीडी 12 के जारी किए गए सेपिया-टिंटेड रेट्रो पोस्टर में कागज के कई टुकड़े थे, जिन्हें एक साथ लाने पर वे विजय के लुक की झलक दिखाते थे। इस पोस्टर में अभिनेता के लुक ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। वहीं, इस पर एक लाइन भी लिखी हुई थी। पोस्टर पर लिखा था, मुझे नहीं पता कि मैं कहां का हूं, आपको यह बताने के लिए कि मैंने किसके साथ विश्वासघात किया है।

भारी बजट पर बन रही इस स्पाई थ्रिलर के लिए सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज ने हाथ मिलाया है। मुख्य महिला भूमिका के लिए भाग्यश्री बोरसे और ममिता बैजू के नाम पर चर्चा चल रही है। श्रीकारा स्टूडियोज फिल्म प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें अनिरुद्ध रविचंदर संगीत रचना संभाल रहे हैं। विजय देवरकोंडा की आखिरी फिल्म द फैमिली स्टार बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई। हालांकि, वीडी12 के साथ उनकी दमदार वापसी की उम्मीद जताई जा रही है।

कम उम्र के हीरो के साथ रोमांस करना चाहती हैं मानुषी छिल्लर

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद मानुषी छिल्लर धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपने पैर जमा रही हैं। उन्होंने फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। मानुषी इन दिनों अपनी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर चर्चा में चल रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अपने से बड़े अक्षय कुमार के साथ रोमांस फरमाया है। हालांकि, इसके लिए अभिनेत्री को ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा है। अब हाल ही में, मानुषी ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

बड़े मियां छोटे मियां में मानुषी अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिखाई दी हैं। एक तरफ जहां सोशल मीडिया उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री की सराहना की गई है। वहीं, दूसरी तरफ उनके बीच उम्र के महत्वपूर्ण अंतर ने इंटरनेट पर बहस छेड़ दी। हाल ही में, मानुषी ने इस मामले पर अपने विचार साझा किए। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

बातचीत के दौरान जब मानुषी छिल्लर और अक्षय कुमार के बीच उम्र के अंतर का विषय उठाया गया, तो अभिनेत्री ने एक सुपरस्टार के रूप में उनकी प्रशंसा की और उनकी उम्र की परवाह किए बिना उनके साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि अक्षय के साथ काम करके उनका समय बहुत अच्छा गुजरा। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह कास्टिंग संबंधी निर्णय नहीं लेती हैं और कास्टिंग निर्देशकों द्वारा चुने गए विकल्पों का सम्मान करती हैं। वह उन्हें दी गई भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं और एक सुपरस्टार के साथ काम करने के अवसर को महत्व देती हैं, क्योंकि इससे प्रोजेक्ट पर महत्व बना रहता है। मानुषी ने कहा, सुपरस्टार के साथ काम करना अच्छा है। आपको अच्छा खासा स्क्रीन स्पेस मिलता है। अगर मैं अपनी पहली फिल्म के बारे में बात करूं तो उम्र का अंतर था, लेकिन हमने भूमिकाएं अच्छे से निभाई। हमने मार्केटिंग के लिए गाने बनाए, इसलिए उन्हें गाने के लिए दो लोगों को एक साथ रखना पड़ा, लेकिन यह ठीक है। मैं इसे कुछ ऐसा नहीं मानती, जो नहीं होना चाहिए था।

मानुषी ने यह भी उम्मीद जताई कि उन्हें भविष्य में कम उम्र के हीरो के साथ रोमांस करने का मौका मिलेगा। सम्राट पृथ्वीराज के साथ अपनी शुरुआत करने के बाद, अभिनेत्री ने विक्की कौशल के साथ द ग्रेट इंडियन फैमिली में अभिनय किया।

ट्विंकल खन्ना ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

अभिनेत्री से राइटर बनीं 50 साल की ट्विंकल खन्ना अक्सर अपनी फोटोज और वीडियोज को सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। ट्विंकल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अभिनेत्री अपने होठों पर लाल रंग की लिपस्टिक लगाती नजर आ रही हैं। उन्होंने यह वीडियो उन लोगों के लिए शेयर किया जिन्हें 50 साल से अधिक उम्र की महिलाओं के ऊपर गहरे लाल रंग की लिपस्टिक लगाने से परहेज हैं। ट्विंकल खन्ना के इस वीडियो में वह कुछ सैकेंड के लिए अपने होठों पर लाल रंग लगाते हुए नजर आ रही है। फिर उन्होंने कैमरे की तरफ कुछ इशारा किया। जब लोग कहते हैं कि 50 से अधिक उम्र की महिलाओं को ऐसा करना चाहिए, लाल लिपस्टिक मत लगाओ। अपने कैप्शन में ट्विंकल ने लिखा, क्या आपको इस लिपस्टिक पर उम्र सीमा लिखी दिख रही है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने सवाल पूछा कि, उन्हें क्या हाल फिलहाल में मेकअप को लेकर कोई सलाह मिली है? ट्विंकल खन्ना के इस इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद फैंस लगातार उन्हें अपनी राय दे रहे हैं। खासतौर पर महिला फैंस के कई रिप्लाई ट्विंकल खन्ना को लगातार आ रहे हैं। ट्विंकल के इंस्टाग्राम रील्स पर एक कमेंट में लिखा है, मेरा अभी 70वां जन्मदिन है और मैं नहीं रुक रही हूं। आपको या किसी और को क्यों ऐसा करना चाहिए। आपको लिपस्टिक लगाना पसंद है, कृपया ऐसा करना जारी रखें। आपको जो करना पसंद है वही करें। एक और यूजर ने लिखा मुझे लाल लिपस्टिक पसंद है। मैं बोल्ड प्रिंट पहनती हूं। किसी ने मुझे यह बताने की हिम्मत नहीं की कि मुझे क्या नहीं पहनना चाहिए। ट्विंकल खन्ना ने बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार से शादी के बाद अपना फिल्मी करियर छोड़ दिया था। अब वह एक राइटर बन गई हैं। 2022 में ट्विंकल ने लंदन यूनिवर्सिटी से फिक्शन राइटिंग में मास्टर्स किया है।

'पंड्या स्टोर' छोड़ने की वजह पर खुलकर बोलीं मेघा शर्मा

छोटे पर्दे की चर्चित अभिनेत्री मेघा शर्मा अब धारावाहिक 'पंड्या स्टोर' का हिस्सा नहीं रहीं। चर्चा है कि उन्हें शो की बदलती कहानी के चलते बाहर कर दिया गया है। हालांकि, मेघा का अब ये कहना है कि ये शो उन्होंने खुद छोड़ दिया है। मेघा का आरोप है कि जैसे जैसे कहानी आगे बढ़ रही थी, उनके किरदार को शो में बिल्कुल हाशिये पर पहुंचा दिया गया था। धारावाहिक 'पंड्या स्टोर' छोड़ने के अपने फैसले की वजह बताते हुए मेघा ने कहा, मैं लगभग 9-10 महीनों तक शो का हिस्सा रही और पहले चार महीनों तक मैंने अपनी भूमिका का भरपूर आनंद लिया। लेकिन फिर, चीजें दोहराई जाने लगीं और मेरा चरित्र विकसित नहीं हो रहा था। मुझे ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिल रहा था, इसलिए मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं एक अंतिम पड़ाव पर पहुंच रही हूं। मेघा के मुताबिक, जो कुछ हो रहा था, मुझे इस पर रोक लगाने की जरूरत महसूस हुई। इस प्रकार, मैंने शो छोड़ दिया क्योंकि मेरा किरदार विकसित नहीं हो रहा था और मेरे पास मुश्किल से ही कोई स्क्रीन टाइम या लाइन्स थीं। मैंने इसके बारे में बहुत सोचा, लेकिन जब मुझे एहसास हुआ कि मुझे चमकने का ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है, तो मुझे छोड़ने का फैसला करना पड़ा। मेघा कहती हैं, चलते हुए शो को छोड़ना एक कठिन निर्णय था क्योंकि मुझे टीम के साथ काम करने में बहुत मजा आया, वे बहुत अच्छे थे। लेकिन एक अभिनेत्री के तौर पर मुझे अभिनय के मौके चाहिए। जब उन अवसरों की कमी थी, तो मुझे एहसास हुआ कि मुझे आगे बढ़ने के लिए एक कदम आगे बढ़ाने की जरूरत है। इसलिए, मैंने अन्य अवसरों का लाभ उठाने के लिए छोड़ने का निर्णय लिया। अब, मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि भविष्य में मेरे लिए क्या होगा क्योंकि मैं अन्य परियोजनाओं पर विचार कर रही हूं।

भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर 2' की शूटिंग हुई पूरी

मशहूर यूट्यूबर और अभिनेता भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर सीजन 2' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। शूटिंग पूरी होने पर अभिनेता ने सभी का आभार जताया है। बता दें कि भुवन बम की वेब सीरीज 'ताजा खबर' को हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया गया था। इस सीरीज को फैंस और दर्शकों का काफी प्यार भी मिला था। अब अभिनेता इसकी दूसरी श्रृंखला लेकर प्रस्तुत हैं। उम्मीद की जा रही है कि इसका दूसरा सीजन जल्द ही हॉटस्टार पर प्रसारित होगा। कंटेंट निर्माता और अभिनेता भुवन बाम ने शूटिंग पूरी होने पर कहा, 'ताजा खबर सीजन 2' की शूटिंग घर वापसी जैसी थी। सेट पर हर दिन बहुत ही शानदार रहा। हमारी टीम एक परिवार की तरह है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा की हम शूटिंग के आखिरी दिन पर पहुंच गए हैं। श्रिया, प्रथमेश, देवेन जी और सभी सीजन 2 की शूटिंग के लिए उत्साहित थे।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे याद है जब मैंने सीजन 1 लॉन्च किया था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसे इतना प्यार मिलेगा, खासकर मेरे किरदार 'वसंत' को। अब सीजन 2 आने के लिए तैयार है। मैं इसका इंतजार नहीं कर पा रहा हूं कि दर्शक इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक दूसरे सीजन का आनंद लेंगे।

सीरीज की अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने कहा कि ताजा खबर सीजन 2 की शूटिंग बहुत मजेदार रही। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि हम शूटिंग के आखिरी दिन पर पहुंच गए हैं। यह शानदार सफर रहा। मैं मधु का किरदार निभाने और सेट के अनुभव को याद करूंगी। मैं इंतजार में हूं कि नए सीजन पर दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देंगे। अभिनेत्री आगे कहती हैं कि इस सीजन में 'मधु' का नया अवतार देखने को मिलेगा। बता दें कि यह सीरीज 'बीबी के वाइन्स प्रोडक्शंस' के बैनर तले रोहित राज और भुवन बाम द्वारा निर्मित है। इसका निर्देशन हिमांक गौड़ ने किया है। सीरीज में भुवन बाम के अलावा श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, देवेन भोजानी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

एसएसएमबी 29 को लेकर खास तैयारी कर रहे हैं महेश बाबू और एसएस राजामौली

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों फिल्म निर्माता एसएस राजामौली के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थायी शीर्षक एसएसएमबी 29 है। महेश बाबू और एसएस राजामौली को आज शुक्रवार की सुबह हैदराबाद लौटते देखा गया। उन्हें एयरपोर्ट पर देखा गया। एक्स और इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में महेश बाबू और एसएस राजामौली एयरपोर्ट से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। बताया गया है कि दोनों दुबई से लौट रहे थे। फिलहाल फिल्म एसएसएमबी 29 अपने प्री-प्रोडक्शन चरण में है।

महेश बाबू, एसएस राजामौली और निर्माता केएल नारायण दुबई से लौटने पर आज सुबह राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देखे गए। काफी समय हो गया है, जब प्रशंसकों को महेश बाबू और एसएस राजामौली को एक साथ देखने का आनंद मिला है।

महेश को काले और सफेद जैकेट और नीचे ग्रे टी-शर्ट पहने देखा गया। इसे उन्होंने जींस के साथ जोड़ा था। उन्होंने टोपी, धूप का चश्मा पहन रखा था और कंधे पर बैग ले जाते हुए नजर आए। दूसरी ओर राजामौली नीली जैकेट के साथ भूरे रंग की टी-शर्ट पहने नजर आए। दोनों ने पैपराजी से दूरी बनाए रखी। उनकी हालिया झलक से प्रशंसकों को विश्वास हो गया है कि महेश बाबू और एसएस राजामौली फिल्म के बारे में एक नई घोषणा करने पर काम कर सकते हैं। दोनों ने फिल्म की कहानी के बारे में चुप्पी साध रखी है। उन्होंने अभी तक शीर्षक का भी खुलासा नहीं किया है। हालांकि, हाल ही में एक साक्षात्कार में एसएस राजामौली ने फिल्म के बारे में बात की थी और बताया था कि उनकी कहानी तैयार है और हीरो भी तैयार है। फिल्म प्री-प्रोडक्शन में है। कास्टिंग पूरी नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही इस पर काम हो जाएगा। इस पर तेजी से काम जारी है।

एसएसएमबी 29 के जरिए महेश बाबू और एसएस राजामौली पहली बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म को एक जंगल एडवेंचर फिल्म माना जा रहा है और अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बड़े पैमाने पर होगी। इसके अलावा यह भी कहा जा है कि फिल्म में पौराणिक कथाओं और भारतीय महाकाव्यों की झलक होगी, जो राजामौली का ट्रेडमार्क है। वहीं कहानी के बारे में बात करें तो खबर है कि फिल्म की पटकथा और महेश बाबू का किरदार रामायण के भगवान हनुमान से प्रेरित है। फिल्म के लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में खुलासा किया था कि निर्माता अफ्रीका में एक एक्शन-एडवेंचर सेट के लिए हॉलीवुड अभिनेताओं को शामिल करेंगे।

व्यापार

1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में दी अनूप इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर इस हफ्ते एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेंगे। कंपनी एक शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 200 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में 4 अप्रैल को कहा था कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया जाएगा।

1 शेयर पर 118 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। डिविडेंड देने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। इस हफ्ते शेयर बाजार में एस्टर डीएम हेल्थकेयर लिमिटेड एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगा। कंपनी एक शेयर पर 118 रुपये का डिविडेंड दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी कैफ़े ने राजधानी भोपाल में अपने कदम रखे, रणविजय सिंह ने साझा किए अपने अनुभव

भोपाल। दुनिया भर में अपने अनूठे स्वाद का लोहा मनवाने के बाद, फर्जी कैफ़े ने राजधानी भोपाल में अपने कदम रखे। भोपाल की सबसे प्राइम लोकेशन में से एक बंसल वन में 4500 वर्ग फुट में फैले इस आउटलेट के लॉन्च के पहले दिन जहाँ फर्जी कैफे फ्रैंचाइज़ी के मालिक जोरावर कालरा मौजूद रहे वहीँ दूसरे दिन बॉलीवुड अभिनेता और रोडीज फेम रणविजय सिंह ने शिरकत की। रणविजय सिंह ने फर्जी कैफे भोपाल के लॉन्च के दौरान कहा, मैं फर्जी कैफे के लॉन्च में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मेरा फर्जी कैफ़े के दिल्ली और अन्य आउटलेट्स में पिछला अनुभव बहुत ही शानदार रहा है। फर्जी कैफे एक जबरदस्त कॉन्सेप्ट पर आधारित है, यह एक अनूठा कैफे है जो हमेशा कुछ नया और रोमांचक पेश करता है। भोपाल में फर्जी कैफ़े ने मुझे काफी प्रभावित किया है, मुझे यहां का माहौल और भोजन बहुत पसंद आया। मैंने यहां कुछ व्यंजन आजमाए हैं और वे सभी बहुत स्वादिष्ट थे। झीलों का यह शहर भोपाल हमेशा ही मेरा फेवरेट रहा है। फर्जी कैफ़े भोपाल की पूरी टीम को बहुत बहुत शुभकामनाएं जो उन्होंने इतना बहरीन वेन्यु तैयार किया, जिसने इस खूबसूरत शहर की खूबसूरती को चार चाँद लगा दिए हैं। मुझे लगता है कि युवा लोग कैफे के अनूठे कॉन्सेप्ट और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे।

लोरेंजी अपैरल्स लिमिटेड को अपने बोनस शेयर्स की लिस्टिंग के लिए ट्रेडिंग अप्प्रूवल मिला

monteil®

मुंबई, एजेंसी। रेडीमेड गारमेंट्स की मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइनिंग और मार्केटिंग के क्षेत्र में एक प्रमुख कंपनी लोरेंजी अपैरल्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसे एनएसई और बीएसई द्वारा 16 अप्रैल 2024 से इफेक्टिव अपने बोनस शेयर्स को सूचीबद्ध करने के लिए ट्रेडिंग अप्रूवल मिल गया है। लोरेंज़ी अपैरल्स लिमिटेड रेडीमेड गारमेंट्स की मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइनिंग और मार्केटिंग के क्षेत्र में एक प्रोमिनेन्ट प्लेयर है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों की अलग-अलग फैशन जरुरतों को पूरा करता है। फॉर्मल, सेमी-फॉर्मल और कैजुअल वेयर की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, यह क्वॉलिटी अटायर प्रदान करने पर गर्व करता है जो कंटेंपरेरी ट्रेंड्स और टाइमलेस स्टाइल के साथ मेल खाता है। रिटेल आउटलेट्स और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के माध्यम से ऑपरेशन करते हुए, कंपनी अपने ग्राहकों के लिए एक्सेसिबिलिटी और कन्वीनियंस सुनिश्चित करती है। इसके ऑपरेशनल सेंटर में एक कुशल गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग प्रॉसेस सम्मिलित है

गोदरेज ग्रुप की ताले बनाने से हुई थी शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। गोदरेज ग्रुप देश के सबसे पुराने घरानों में से एक है। गोदरेज ग्रुप का बंटवारा शुरू हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिवार के लोगों ने एक-दूसरे की कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। अब आने वाले समय में जल्द ही शेयरों की अदला-बदली हो जाएगी। गोदरेज ग्रुप करीब 126 साल पुराना है। इस ग्रुप की शुरुआत 1897 में हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, नादिर और आदि गोदरेज ने बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। वहीं जमशेद गोदरेज ने गोदरेज प्रॉपर्टीज और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड के बोर्ड में अपनी सीट छोड़ दी है। अब वह जल्द ही एक-दूसरे की कंपनियों में हिस्से बेच देंगे। यह विभाजन परिवार की दो शाखाओं के बीच हो रहा है। इसमें एक तरफ आदि गोदरेज और भाई नादिर गोदरेज हैं। वहीं दूसरी तरफ उनके चचेरे भाई जमशेद गोदरेज और उनकी बहन स्मिता गोदरेज कृष्णा हैं। गोदरेज इंडस्ट्रीज एंड एसोसिएट्स का नेतृत्व आदि गोदरेज और उनके भाई करते हैं। वहीं गोदरेज एंड बॉयस (जी एंड बी) का नेतृत्व जमशेद गोदरेज और उनकी बहन करती हैं। आदि ओर नादिर गोदरेज एंड बॉयस में अपने हिस्से को दूसरी शाखा को बेच देंगे। जमशेद गोदरेज और उनके परिवार के लोग गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) और गोदरेज प्रॉपर्टीज में अपने चचेरे भाइयों को पारिवारिक व्यवस्था के तहत हिस्सेदारी हस्तांतरित करेंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि यह बंटवारा सौहाद्रपूर्ण तरीके से हो रहा है।

बन गए दो ग्रुप

इस बंटवारे से पहले गोदरेज फैमिली में पहले से ही दो बिजनेस ग्रुप बन गए हैं। इनमें से एक ग्रुप गोदरेज इंडस्ट्रीज एंड एसोसिएट्स है जिसे आदि गोदरेज और उनके भाई नादिर गोदरेज संभालते हैं। वहीं दूसरी तरफ गोदरेज एंड बॉयस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी को आदि गोदरेज के चचेरे भाई जमशेद गोदरेज और स्मिता गोदरेज संभालते हैं। इस ग्रुप की पांच कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टेड हैं। इनमें गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट, गोदरेज एग्रोवेट, एस्टेक लाइफ साइंसेस और गोदरेज प्रॉपर्टीज शामिल हैं। इनकी वैल्यूएशन करीब 2.74 लाख करोड़ रुपये है।

ऐसे हुई थी ग्रुप की शुरुआत

गोदरेज ग्रुप की शुरुआत साल 1897 में ताले बेचने से हुई थी। आज गोदरेज ग्रुप कई सेक्टरों में कारोबार करता है। इसमें इंजीनियरिंग, इक्विपमेंट, सिक्योरिटी सॉल्यूशंस, एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स, रियल एस्टेट और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन सभी सेक्टरों में फैले कारोबार का बंटवारा किया जा सकता है।

राजनीतिक दलों के मुफ्त उपहारों पर लाना चाहिए श्वेतपत्र, पूर्व आरबीआई गवर्नर की केंद्र को सलाह

हैदराबाद एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने मुफ्त उपहार को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को सलाह दी है। उनका कहना है कि सरकार को मुफ्त उपहार देने के मुद्दे पर राजनीतिक दलों के बीच सहमति बनाने के लिए श्वेत पत्र लाना चाहिए। साथ ही इस बारे में गहन बहस होनी चाहिए कि इस संबंध में राजनीतिक दलों पर कैसे अंकुश लगाया जाए।

सुब्बाराव ने यह भी सलाह दी कि आम जनता को इन मुफ्त उपहारों की लागत और लाभों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए और यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस बारे में लोगों को कैसे शिक्षित करे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह एक राजनीतिक मुद्दा है और इस पर राजनीतिक सहमति होनी चाहिए। इसका नेतृत्व केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को करना होता है। मेरा मानना है कि उन्हें एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए और इस पर आम सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए।

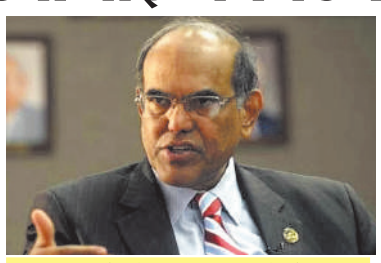

इस पर कैसे लगा सकते हैं रोक

आरबीआई के पूर्व गवर्नर का कहना है कि लोगों को मुफ्त उपहारों के बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि हम इस पर कैसे रोक लगा सकते हैं और हम इसे कैसे लागू कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत जैसे गरीब देश में यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सबसे कमजोर वर्गों को कुछ सुरक्षा तंत्र प्रदान करे और यह भी आत्मनिरीक्षण करे कि वित्तीय बाधाओं को देखते हुए उन्हें कितना दूर तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा, आपको पूछना चाहिए कि क्या यह इस धन का सर्वश्रेष्ठ उपयोग है या हम कुछ बेहतर कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें मुफ्त उपहारों पर अधिक जागरूक होना चाहिए। साथ ही जोरदार बहस करनी चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि हम राजनीतिक दलों पर कुछ संयम कैसे लगा सकते हैं।

वित्तीय अनुशासन बनाए रखना जरूरी

एफआरबीएम की सीमा का उल्लंघन करने वाले कुछ राज्यों के बारे में उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्र सरकार को वित्तीय अनुशासन बनाए रखना चाहिए और एफआरबीएम लक्ष्यों का पालन किया जाना चाहिए। एक सवाल पर सुब्बाराव ने कहा कि आईएमएफ के एक अध्ययन के अनुसार भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए 2047 तक लगातार 7.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, अगले 25 साल तक हर साल 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर को बनाए रखना, कुछ देशों ने ऐसा किया है, चीन ने यह किया है। लेकिन सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक, वैश्वीकरण जैसी चुनौतियों के कारण क्या हम यह कर सकते हैं।

66 पर जाएगा कंस्ट्रक्शन कंपनी का यह शेयर, लगातार दे रहा मुनाफा, विजय केडिया के पास हैं 1 करोड़ शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक विजय केडिया के पोर्टफोलियो में कुछ ऐसे भी स्टॉक हैं जिनकी कीमत 60 रुपये से कम है। ऐसा ही एक स्टॉक सिविल कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी- पटेल इंजीनियरिंग का है। बीते कुछ दिनों से सुस्त पड़े इस स्टॉक पर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। आनंद राठी की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक इस कंपनी के स्टॉक मंदी के दौर से गुजर रहे हैं लेकिन शॉर्ट टर्म में खरीदारी बढ़ने की संभावना है। ब्रोकरेज आनंद राठी ने पटेल इंजीनियरिंग के स्टॉक को 56-58 रुपये के रेंज में खरीदारी की सलाह दी है। इसके साथ ही अनुमान लगाया है कि स्टॉक शॉर्ट टर्म में 66 रुपये के स्तर तक जा सकता है। वहीं, 53 रुपये पर स्टॉप-लॉस की सलाह दी गई है। वर्तमान में पटेल इंजीनियरिंग के शेयर की कीमत 59 रुपये है। छह फरवरी 2024 को इस शेयर की कीमत 79 रुपये तक गई।

जोमैटो को भारी भरकम जीएसटी का नोटिस मिला

कंपनी को जुर्माने सहित 11.82 करोड़ रुपये टैक्स भरने को कहा गया है

जोमैटो के शेयर कल गिरावट के साथ बंद हुए थे

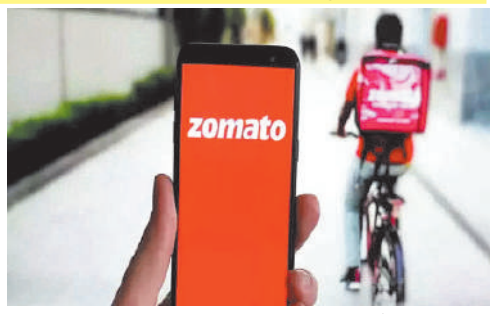

नई दिल्ली, एजेंसी। फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी जोमैटो को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को भारी भरकम जीएसटी का नोटिस मिला है। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाना पहुंचाने वाले मंच जोमैटो को जीएसटी प्राधिकरण से 11.82 करोड़ रुपये की कर मांग और जुर्माना देने का आदेश मिला है। कंपनी के जुलाई 2017 से मार्च 2021 के बीच भारत के बाहर स्थित उसकी सहायक कंपनियों को दी गई निर्यात सेवाओं के संबंध में यह नोटिस मिला। यह आदेश अतिरिक्त आयुक्त, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर, गुरुग्राम ने जारी किया। इसमें 5,90,94,889 रुपये की जीएसटी मांग के अलावा 5,90,94,889 रुपये का ब्याज और जुर्माना शामिल है। जोमैटो ने शुक्रवार देर शाम शेयर बाजार को बताया कि कंपनी उचित प्राधिकारी के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी। इससे पहले बीते महीने मार्च में भी जोमैटो को भारी-भरकम जीएसटी नोटिस मिला था।

कंपनी को यह नोटिस कर्नाटक में कमर्शियल टैक्स (ऑडिट) के असिस्टेंट कमिश्नर से मिला था। ऑनलाइन ऑर्डर देकर खाना मंगाने की सुविधा देने वाले मंच जोमैटो को कर अधिकारियों से 23.26 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला था। इसमें ब्याज और जुर्माना शामिल था। कंपनी ने कहा था कि वह आदेश के खिलाफ उपयुक्त प्राधिकार के समक्ष चुनौती देगी। इस बार कंपनी को नोटिस अतिरिक्त आयुक्त, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर, गुरुग्राम ने जारी किया है।

क्या शेयर पर दिखेगा असर

जोमैटो का शेयर कल यानी कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को करीब दो फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ था। जोमैटो का शेयर अभी 188.50 रुपये पर बंद हुआ है। हालांकि पिछले 5 दिनों से जोमैटो के शेयर में गिरावट देखने को मिली है। शेयर करीब 5 फीसदी गिरा है। पिछले एक महीने में जोमैटो के शेयर ने निवेशकों को 11 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले 6 महीने की बात करें तो जोमैटो का शेयर करीब 73 फीसदी तक उछला है। पिछले एक साल में जोमैटो के शेयर ने निवेशकों को 247.79 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है। निवेशकों को उम्मीद है कि आने वाले समय में जोमैटो के शेयर में और उछाल आ सकता है।

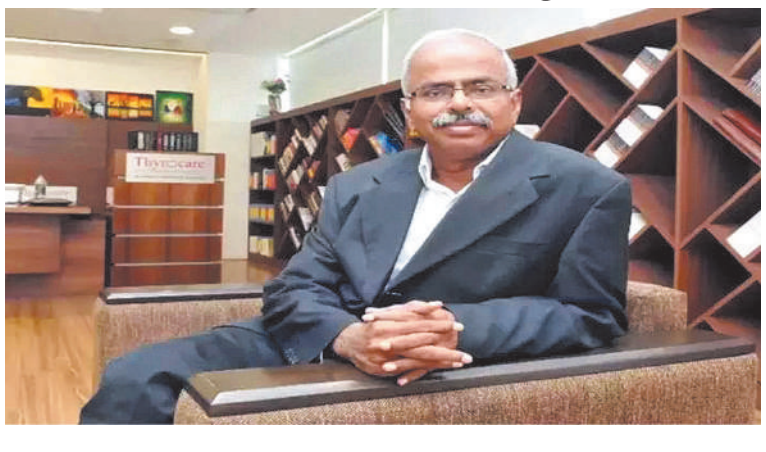

कभी चप्पल खरीदने के लिए भी नहीं थे पैसे, आज हैं दुनिया की सबसे बड़ी थॉयरॉइड टेस्टिंग कंपनी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड दुनिया की सबसे बड़ी थॉयरॉइड टेस्टिंग कंपनी है। इस कंपनी के 950 से अधिक ब्रांडेड और 5,000 से अधिक नॉन-ब्रांडेड आउटलेट्स हैं। कंपनी के फाउंडर, चेयरमैन और एमडी ए वेलुमणि का ताल्लुक तमिलनाडु के एक गरीब परिवार से है। उनके पिता एक गरीब किसान थे, उनकी अपनी जमीन नहीं थी। वेलुमणि का जीवन गरीबी में बीता। हालत यह थी कि उनके पास कपड़े और चप्पल खरीदने के लिए भी पैसे नहीं होते थे। लेकिन वेलुमणि ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ा मुकाम हासिल किया। आज उनकी कंपनी का मार्केट कैप 3,300 करोड़ रुपये है। इसका कारोबार भारत ही नहीं बल्कि कई दूसरे देशों में भी फैला है। वेलुमणि का जन्म तमिलनाडु में कोयंबटूर के करीब एक गरीब परिवार में हुआ। उनके तीन और भाई-बहन थे। परिवार का गुजारा करने के लिए मां दूध बेचने का काम करती थी। कई साल तक मां ने ही घर का खर्च चलाया। वेलुमणि ने अपनी स्कूलिंग गांव से पूरी की और फिर ग्रेजुएशन करने के लिए शहर चले गए। उन्होंने सारी पढ़ाई सरकारी स्कूल-कॉलेजों से ही पूरी की है। 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने बीएससी की डिग्री पूरी की और फिर कोयंबटूर में एक छोटी सी दवा कंपनी में काम करने लगे। यहां उनकी सैलरी 150 थी। सैलरी काफी कम थी लेकिन उन्होंने फिर भी वो 100 रुपये घर मां के पास भेजते थे, और किसी तरह से 50 रुपयों में खुद का खर्च चलाते थे। लेकिन कुछ समय बाद कंपनी ही बंद हो गई और वेलुमणि बेरोजगार हो गए। लेकिन कहते हैं कि एक रास्ता बंद होता है तो 100 रास्ते खुल जाते हैं। कंपनी बंद होने के बाद वेलुमणि ने भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में लैब असिसटेंट की पोस्ट के लिए अप्लाई किया। इसमें उनका सेलेक्शन हो गया। इसमें काम करते हुए उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई पूरी की और फिर साइंटिस्ट बने। 14 साल तक भाभा में काम करने के बाद वेलुमणि ने अपनी कंपनी खोलने की बात सोची। उनकी शादी सुमति वेलुमणि से हुई थी जो एसबीआई में कर्मचारी थीं। जब 1995 में उन्होंने कंपनी खोली तो उनकी बीवी ही पहली कर्मचारी थीं।

टीमो प्रोडक्शंस एचक्यू लिमिटेड, निर्माता मोहन की बिना शक्कर की चाय का पहला शूटिंग शेड्यूल पूरा

नई दिल्ली एजेंसी। मोहान नदार के नेतृत्व में टीमो प्रोडक्शंस हेडक्कार्टर्स लिमिटेड (टीपीएचक्यू) ने अपनी नवीनतम सिनेमाई प्रस्तुति बिना शक्कर की चायका पहला शूटिंग शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस चल रहे प्रोजेक्ट की लागत लगभग 40 मिलियन रुपये है और कंपनी के लिए 55960 मिलियन रुपये की आय उत्पन्न करने की उम्मीद है। प्रोजेक्ट की शूटिंग 5 मई 2024 तक पूरी की जाएगी। फिल्म को 31 मई 2024 से महोत्सव सर्किट्स में प्रोजेक्ट किया जाएगा और उसके बाद विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म्स पर रिलीज़ किया जाएगा।

TEAMO PRODUCTIONS HQ LTD. TPHQ

टीमो प्रोडक्शंस एचक्यू लिमिटेड (टीपीएचक्यू) के प्रबंध निदेशक, मोहन नादर ने साई देवधर की निर्देशकीय क्षमता की गहरी प्रशंसा व्यक्त करते हुए पुष्टि की, हमें साई देवधर पर बेहद गर्व है, जिनकी निर्देशन दृष्टि इस आकर्षक कथा में जान फूंक देती है। बिना शक्कर की चाय सिर्फ एक कहानी नहीं है; यह उन व्यक्तियों की अदम्य भावना का प्रमाण है जो सपने देखने का साहस करते हैं। इस सिनेमाई यात्रा पर हम पहले शूटिंग शेड्यूल के सफल समापन की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं, यह प्रगति वास्तव में एक मनोरम फिल्म अनुभव प्रदान करने हेतु मंच तैयार करती है।

डायरेक्टर साई देवधर ने फिल्म के सार पर विचार करते हुए कहा, बिना शक्कर की चाय के साथ, हमारा लक्ष्य एक ऐसी मार्मिक कहानी तैयार करना है जो दर्शकों को गहराई से मानवीय स्तर पर प्रभावित करे। मैं हमारे कलाकारों और कर्मचारियों के समर्पण और प्रतिभा के प्रति कृतज्ञता से पूर्ण हूं।

कलाकारों में प्रसिद्ध रेवती, सीमा सजदेह, राजेश शर्मा, श्रुति प्रकाश, रेवती पिल्लई (कोटा फैक्ट्री फेम), और ललित प्रभाकर शामिल हैं।

टीपीएचक्यू की सह-संस्थापक और निर्माता केतकी पंडित ने कहा, पहला शूटिंग शेड्यूल पूरा होने के बाद, हम स्क्रीन पर दिलों को छूते हुए और दर्शकों को प्रेरित करते हुए जादू को देखने के लिए उत्साहित हैं। टीपीएचक्यू के सीईओ और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता श्रबणी देवधर ने टिप्पणी की, हम जीवन के इस हिस्से को लाने के लिए उत्सुक हैं। दर्शकों को, यह याद दिलाते हुए कि जीवन की चुनौतियों के बीच, आनंद और संतुष्टि पाई जा सकती है। टीमो प्रोडक्शंस हेडक्कार्टर्स लिमिटेड (टीपीएचक्यू) की मुख्य कार्यकारिणी अधिकारी (सीईओ) और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्ममेकर श्रबणी देवधर ने टिप्पणी की, हम उम्मीद करते हैं कि हम इस जीवन के एक अंश को दर्शकों के सामने लाने में सफल होंगे, जो उन्हें याद दिलाएगा कि जीवन की चुनौतियों के बीच, खुशी और पूर्णता का अहसास हो सकता है।

बिना शक्कर की चाय दर्शकों को हंसी, आंसुओं और आत्मनिरीक्षण का आनंददायक मिश्रण परोसती है, जो उन्हें जीवन के अनुभवों का स्वाद लेने के लिए आमंत्रित करता है, चाहे वह मीठा हो, या मीठा न हो। फिल्म ने अपनी शूटिंग यात्रा 8 अप्रैल, 2024 को मुंबई के एक सुरम्य स्थान पर शुरू की, जो प्राकृतिक आकर्षण और हरियाली से पूर्ण था, यहां फिल्म का पहला शूटिंग शेड्यूल पूरा हो गया। रेवती और सीमा सजदेह के साथ फिल्म का दूसरा शेड्यूल शुरू हो चुका है।

छह कंपनियों के निवेशकों को लगा झटका, 1 हफ्ते में डूब गए 1.40 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में छह के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में इस सप्ताह 1,40,478.38 करोड़ रुपये की गिरावट आई। इस दौरान आईटी कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 1,156.57 अंक या 1.55 फीसदी की गिरावट आई थी। राम नवमी के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद थे।

इन कंपनियों को फायदा

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन बढ़ा। दूसरी ओर टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 62,538.64 करोड़ रुपये घटकर 13,84,804.91 करोड़ रुपये रह गया। इंफोसिस को अपने मूल्यांकन में 30,488.12 करोड़ रुपये की गिरावट का सामना करना पड़ा। कंपनी का मूल्यांकन 5,85,936.45 करोड़ रुपये था। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 26,423.74 करोड़ रुपये घटकर 7,49,023.89 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,234.76 करोड़ रुपये घटकर 6,70,059.86 करोड़ रुपये रह गया।

आईटीसी का मूल्यांकन 6,616.9 करोड़ रुपये घटकर 5,30,350.97 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 176.22 करोड़ रुपये घटकर 5,24,487.51 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 37,797.09 करोड़ रुपये बढ़कर 7,30,658.36 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,420.17 करोड़ रुपये बढ़कर 11,63,314.93 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 4,397.82 करोड़ रुपये बढ़कर 19,90,195.52 करोड़ रुपये और एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 1,201.75 करोड़ रुपये बढ़कर 6,15,453.90 करोड़ रुपये हो गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी रही।

आईपीएल-2024 में आज

राजस्थान रॉयल्स से बदला लेने उतरेगी मुंबई इंडियंस

जयपुर (एजेंसी)। पिछले चार मैच में तीन जीत से मुंबई इंडियंस की टीम उबरने की राह पर चल रही है और सत्र की खराब शुरूआत के बाद अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है जबकि राजस्थान रॉयल्स की टीम तूफानी रफ्तार से आगे बढ़ते हुए 12 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर काबिज है। पांच बार की चैम्पियन मुंबई ने पिछले मैच में आशुतोष शर्मा के अंत में लगाए गए अर्धशतक के बावजूद पंजाब किंग्स के खिलाफ नौ रन से जीत हासिल की थी। एक बार फिर जसप्रीत बुमराह ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाई और तीन विकेट झटके। भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने नई गेंद से चमकदार प्रदर्शन किया और ज्यादा रन लुटाए बिना ही ये विकेट हासिल किए। बुमराह 13 विकेट लेकर इस आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। उनका इकोनोमी रेट भी दूसरे सर्वश्रेष्ठ नंबर पर है और उन्होंने छह रन से भी कम रन गंवाए हैं। जहां वह शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं तो वहीं उनके साथी गेंदबाज ऐसा करने में जूझ रहे हैं।

गेराल्ड कोएत्जी ने भी 12 विकेट लेकर प्रभावित किया है, लेकिन उन्होंने काफी ज्यादा रन लुटाए हैं। आकाश मधवाल और कप्तान हार्दिक पंड्या अनिरंतर रहे हैं। श्रेयस गोपाल ने अभी तीन मैच खेले हैं और प्रत्येक में एक एक विकेट झटका है। मुंबई इंडियंस को अपने अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी के बतौर गेंदबाज अनुभव का इस्तेमाल करने की जरूरत है। बल्लेबाजी में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का शानदार शतक सुर्खियों में रहा है, लेकिन इसके बावजूद टीम हार गई थी। वहीं ईशान किशन भी निरंतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। हार्दिक ने भी अभी तक प्रभावित नहीं किया है जबकि तिलक वर्मा ने इन सबकी तुलना में अच्छा किया है। मुंबई इंडियंस के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक चीज सूर्यकुमार यादव की फॉर्म में वापसी है। पंजाब किंग्स के खिलाफ उनकी 53 गेंद में 78 रन की पारी मुंबई इंडियंस के लिए अहम रही और अगर वह लय में आ जाएं तो किसी भी आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में मुंबई इंडियंस की हालत काफी खराब रही थी, जिसमें ट्रेंट बोल्ट ने उनके तीन शीर्ष क्रम बल्लेबाजों को खाता भी नहीं खेलने दिया था और यह अनुभवी तेज गेंदबाज फिर से उनके लिए बड़ा खतरा होगा। आवेश खान को अंतिम ओवर में गेंदबाजी की जिम्मेदारी दी गई है और उन्होंने इसे बखूबी निभाया है।

मुंबई इंडियंस

हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

राजस्थान रॉयल्स

संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, आवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल, तनुष कोटियान और केशव महाराज।

6 गेंद 6 बाउंड्री, फिल साल्ट ने बना दिया लॉकी फर्ग्यूसन का भर्ता

एक ओवर में कूट दिए 28 रन

कोलकाता (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 36वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के ओपनर बल्लेबाज फिल साल्ट ने अपनी टीम के लिए तूफानी शुरुआत की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबले में साल्ट ने सिर्फ 14 गेंद में 48 रन कूट दिए। उनकी बल्लेबाजी में सबसे खास रहा लॉकी फर्ग्यूसन का ओवर, जिसमें उन्होंने सभी गेंद पर बाउंड्री उड़ाई। पारी का चौथा ओवर करने आए फर्ग्यूसन के इस ओवर में साल्ट ने कुल 28 रन अपने नाम किया। इस ओवर में उन्होंने चार चौके और 2 छक्के अपने नाम किए।

अगले चार महीनों में वजन प्रबंधन करना चुनौती होगी: विनेश फोगाट

बिश्केश (एजेंसी)। ओलंपिक कोटा हासिल कर राहत महसूस कर रही विनेश फोगाट का मानना है कि पेरिस खेलों की तैयारी के लिए 50 किग्रा के सबसे निचले वर्ग में अपना वजन बनाये रखना उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। विनेश ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने बिना अंक गंवाये अपना लगातार तीसरा ओलंपिक कोटा पक्का कर लिया।

विनेश भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के विरोध के कारण लगभग डेढ़ साल तक नियमित अभ्यास और खेल से दूर रही। इस दौरान अंतिम पंघाल ने 53 किग्रा वर्ग में कोटा स्थान हासिल कर लिया। विनेश लंबे समय से इसी भार वर्ग में चुनौती पेश करते रही है। देश की सबसे सफल महिला पहलवान के पास ओलंपिक कोटा सुनिश्चित करने के लिए वजन वर्ग बदलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

विनेश ने कहा, 'मैंने वजन में बदलाव इसलिए किया क्योंकि मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। मैंने अपनी खुशी से ऐसा नहीं किया। मैंने 50 किग्रा वर्ग में अपने देश के लिए कोटा जीता। मुझे खुशी है कि मैं ओलंपिक में जा सकती हूं। मैं 50 किग्रा वर्ग में जाऊंगा या 53 किग्रा वर्ग में, यह ट्रायल में तय होगा, लेकिन जो भी हो, मैंने अपने देश के लिए कोटा जीता है।

मेरी मांसपेशियां मजबूत हैं

विनेश ने 50 किग्रा वर्ग में कोटा सुनिश्चित करने के बाद कहा, 'मुझे अपने वजन को बेहतर तरीके से प्रबंधित करना होगा। मैंने इतने लंबे समय के बाद अपने वजन को कम कर 50 किलो तक किया है इसलिए मैं इसे जितना संभव हो उतना बनाए रखने की कोशिश करूंगी।% इस 29 साल की पहलवान ने कहा, 'मेरी मांसपेशियां मजबूत हैं, इससे मेरा वजन जल्दी बढ़ जाता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कितनी फिट हूं, फिर भी मेरा वजन बढ़ता है। मैं सिर्फ अपना वजन नियंत्रित करना चाहती हूं। मेरे पास चार महीने बचे हैं और हर दिन बहुत महत्वपूर्ण है।

भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों का क्वालीफायर में 'फ्लॉप शो', नहीं मिला ओलिंपिक का टिकट

बिश्केक (किर्गिस्तान)(एजेंसी)। भारत के ग्रीको रोमन पहलवानों ने रविवार को एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में निराशाजनक प्रदर्शन किया। जिससे इनमें से कोई भी पेरिस ओलिंपिक का कोटा हासिल नहीं कर सका। सुनील (87 किग्रा) ही एकमात्र भारतीय थे जो एक मुकाबला जीतने में सफल रहे वर्ना अन्य तो अपने पहले दौर में ही हारने के बाद बाहर हो गये। सुनील ने अपने पहले मैच में जापान के प्रतिद्वंद्वी सोह साकाबे को 5-1 से मात दी। लेकिन क्वार्टरफाइनल में उज्बेकिस्तान के जलगासबे बर्डीमुरातोव से 2-4 से हार गये।

क्वार्टर में कड़ा मुकाबला हुआ

सुनील ने क्वार्टरफाइनल में दो बार खुद को उठाये जाने से बचाया। बल्कि कुछ समय के लिए वह मुकाबले में आगे भी चल रहे थे। लेकिन दो बार उन्हें प्रदान किये गये अंकों को वापस ले लिया गया क्योंकि उज्बेकिस्तान के शिविर ने रेफरी के फैसले को चुनौती दी। अंत में सुनील को बर्डीमुरातोव से हार मिली। अंशु (67 किग्रा) की चुनौती दो मिनट से कम समय में ही समाप्त हो गयी। वह उज्बेकिस्तान के अबरोर अताबाएव से क्वालीफिकेशन मुकाबला तकनीकी श्रेष्ठता से हार गये।

अभी तक सिर्फ महिलाओ को कोटा- सुमित (60 किग्रा), विकास (77 किग्रा), नीतेश (97 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) भी पहले ही दौर में हार गये। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों ने पिछली बार ओलिंपिक में 2016 में हिस्सा लिया था जब रविंदर खत्री और हरदीप सिंह रियो ओलिंपिक में खेले थे।

पूर्व सलामी बल्लेबाज का दावा

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हार्दिक पांड्या

मुंबई (एजेंसी)। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस में वापसी इस आईपीएल सीजन के पहले भाग में उनके लिए अच्छी नहीं रही है। हार्दिक ने पांच बार खिताब दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा की जगह कमान संभाली और उन्हें फैंस से लगातार नकारात्मकता मिल रही है। पहले 7 मैचों में मुंबई ने नए कप्तान हार्दिक के नेतृत्व में केवल तीन जीत हासिल की हैं। वहीं पूर्व टी20 विश्व कप विजेता और सलामी बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने हाल ही में हार्दिक पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि हूटिंग के कारण इस ऑलराउंडर के लिए मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो गई हैं।

हार्दिक का पक्ष लेते हुए और मुंबई इंडियंस में वापसी के उनके फैसले का समर्थन करते हुए उथप्पा ने कहा कि प्रशंसकों से उन्हें जो व्यवहार मिल रहा है वह अनुचित है। उथप्पा ने कहा, वह एक ऐसा व्यक्ति है जिसमें भारतीय टीम के लिए सर्वकालिक महान बनने की क्षमता है। जिस टीम ने उसे खोजा था, उसने उसे जाने दिया, वह दूसरी फ्रेंचाइजी में चला गया। उनके साथ 3-4 खिताब जीतने के बाद वह चला गया। उसे थोड़ा बुरा लगा होगा, वह गुजरात टाइटंस में गया, एक खिताब जीता और दूसरे में उपविजेता रहा। उथप्पा ने कहा, मजाक, ट्रोलिंग, उनकी फिटनेस के बारे में मीम्स। आपको नहीं लगता कि इससे उन्हें दुख होता है? इससे उन्हें दुख होता है। यह किसी भी इंसान को दुख पहुंचाता है। वास्तव में कितने लोग इसकी वास्तविकता जानते हैं? हार्दिक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। निश्चित रूप से, मैं समझता हूं कि हम लोग, भारतीय होने के नाते, भावुक हैं। लेकिन किसी भी इंसान पर इस तरह का व्यवहार थोपना हमारे लिए अशोभनीय है, हमें इसके साथ हंसना नहीं चाहिए, हमें इन मीम्स को फॉरवर्ड नहीं करना चाहिए।

फीडे कैंडीडेट्स शतरंज

अबासोव को हराकर गुकेश फिर से सयुंक्त बढ़त पर

टोरंटो,कनाडा (एजेंसी)। फीडे कैंडिडेट शतरंज का विजेता कौन बनेगा अब यह जानने के लिए दो राउंड का इंतजार और शेष रह गया है और भारत के 17 वर्षीय डी गुकेश इस खिताब की दौड़ में फिलहाल सबसे मजबूत दावेदार में से एक नजर आ रहे है । डी गुकेश नें 12वें राउंड में अजरबैजान के निजत अबासोव को एक बेहतरीन मुक़ाबले में पराजित करते हुए 7.5 अंको के साथ एक बार फिर सयुंक्त बढ़त में खुद को शामिल कर लिया है, गुकेश के अलावा पूर्व कैंडिडेट विजेता रूस के यान नेपोमनिशी और यूएसए के हिकारु नाकामुरा भी 7.5 अंको के साथ सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है । गुकेश नें अबासोव पर काले मोहरो से निमजो इंडियन ओपनिंग में 57 चालों में जीत दर्ज की ।

बलराज पंवार ने हासिल किया पेरिस ओलंपिक नौकायन कोटा

चुंगजू (एजेंसी)। बलराज पंवार ने एशियाई और ओसनियाई रोइंग ओलंपिक क्वालिफिकेशन रेगाटा में पुरुष एकल स्कल्स (एम1एक्स) स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत का पहला नौकायन पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया। दक्षिण कोरिया के चुंगजू में आयोजित स्पर्धा में 25 वर्षीय पंवार ने हीट में 7:17.87 और सेमीफाइनल में 7:16.29 का समय लेकर चुंगजू के फाइनल में जगह बनाई।

बलराज पंवार 7:01.27 समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कजाकिस्तान के व्लादिस्लाव याकोवलेव ने 6:59.46 समय के साथ रेस जीती, जबकि इंडोनेशिया के मेमो ने 6:59.74 समय के साथ रजत पदक जीता। वह पिछले वर्ष चीन के हांग्झोउ में अपने पहले एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूक गए थे। इस बीच टोक्यो ओलंपियन अरविंद सिंह और उज्जवल कुमार ने भी पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स (एलएम2एक्स) में कांस्य पदक के साथ अपनी रेस समाप्त की।

न्यूजीलैंड 90 पर ढेर, मोहम्मद आमिर चमके, पाकिस्तान की 7 विकेट से जीत

रावलपिंडी (एजेंसी)। रावलपिंडी के मैदान पर पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया दूसरा टी20 मुकाबला 91 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 12.1 ओवर में ही जीत लिया। न्यूजीलैंडकी शुरूआत खराब रही थी क्योंकि पाकिस्तान की नेशनल टीम में लौटे मोहम्मद आमिर ने अपने पहले ही ओवर में टिम रॉबिन्सन को 4 रन पर आऊट कर दिया। सेफर्ट 12, फॉक्सरॉफ्ट 13, चैपमैन 19 तो नीशम 1 रन बनाकर आऊट हो गए। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 3, आमिर, अबरार अहमद और शादाब खान ने 2-2 विकेट लीं। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तानी टीम ने भी तीन विकेट गंवाए लेकिन अंत में मोहम्मद रिजवान के 45 रनों की बदौलत उन्हें जीत हासिल हुई।

जीत हासिल करने के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि हमें इस सीरीज में पहले 6 ओवरों में टोन सेट करना होगा। शाहीन, नसीम और आमिर ने जिस तरह से गेंदबाजी की वह शानदार थी। हम अलग-अलग नंबरों पर अलग-अलग बल्लेबाजों को आजमाएंगे। कागज पर जब भी आप पाकिस्तान टीम को देखेंगे तो हर खिलाड़ी मैच विजेता नजर आएगा। हम स्थिति के अनुसार खेलने की कोशिश करते हैं। टी20 विश्व कप से पहले हमारे पास 10 मैच हैं। हम तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड के कप्तान ब्रेसवेल ने कहा कि आज पर्याप्त रन नहीं बना सके। हम सतह से सामंजस्य बिठाने में धीमे थे और खुद को दबाव में डाल रहे थे। मैं चाहता हूं कि लोग स्थिति से सीखें। कल एक खेल है, बहुत जल्दी सीखना है। ब्लैक कैप्स के रूप में जिन चीज़ों पर हमें गर्व है उनमें से एक है अंत तक लड़ना।

तीन विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने शाहीन शाह अफरीदी ने कहा कि मैंने कुछ दिन बाद बॉलिंग की। एक गेंदबाज के लिए तुरंत लय हासिल करना आसान नहीं होता। आज मैंने अपने कौशल पर भरोसा किया। टी20 में एक ओवर के बाद स्विंग गायब हो जाती है इसलिए आज परिस्थितियों की मांग के अनुरूप गेंदबाजी की। आमिर की वापसी से गेंदबाजी मजबूत हुई है।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

न्यूजीलैंड - टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), टिम रॉबिन्सन, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मार्क चैपमैन, जेम्स नीशम, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), कोल मैककोन्ची, ईश सोढ़ी, जैकब डफी, बेन सियर्स, बेन लिस्टर

पाकिस्तान - बाबर आजम (कप्तान), सईम अयूब, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), उस्मान खान, इरफान खान, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, मोहम्मद आमिर, अबरार अहमद

संक्षिप्त समाचार

कलर्स दे रहा है भक्तों को लक्ष्मी और नारायण का अनोखा दर्शन

मुंबई, एजेंसी। चैत्र मास के पावन महीने में, कलर्स पूरे भारत के भक्तों को लक्ष्मी और नारायण के दिव्य जोड़े का आशीर्वाद पाने का अनूठा मौका दे रहा है। जैसा कि यह एचजीईसी 22 अप्रैल को रात 10 बजे अपनी महाकृति लक्ष्मी नारायण - सुख सामर्थ्य संतुलन का प्रीमियर करने के लिए तैयार है, इसने एक अनोखे आध्यात्मिक अनुभव का अनावरण किया है जो पारंपरिक पूजा-अर्चना की सीमाओं से परे है। लाखों लोगों का दिल जीतने के लिए तैयार, कलर्स ने अयोध्या और दिल्ली में मनोरम 4डी इंटरैक्टिव मंदिर बनाए हैं। ये आकर्षक गर्भगृह भक्तों को लक्ष्मी नारायण की दिव्य उपस्थिति का अभूतपूर्व ढंग से आनंद लेने की सहूलियत देते हैं। चैनल सभी को इस मंदिर में आमंत्रित करता है ताकि उन्हें ऐसे लोक में ले जाया जा सके जहां देवता जीवित हो उठते हैं, जिससे ऐसा अनूठा मंच तैयार होगा जहां भक्त उनकी आभा को महसूस कर सकते हैं। हालांकि, यह आध्यात्मिक सफर यहीं समाप्त नहीं होता है। कलर्स ने एक अत्याधुनिक डिजिटल मंदिर भी लॉन्च किया है, जो भक्त अपने घर में बैठकर ही लक्ष्मी और नारायण का आशीर्वाद पा सकते हैं। अपनी स्क्रीन पर बस कुछ टैप करके, भक्त आध्यात्मिक ज्ञान के वर्चुअल तीर्थ में कदम रख सकते हैं। चाहे कोई 4डी मंदिरों के दर्शन करना चाहे या डिजिटल मंदिर का भ्रमण करना चाहे, वे लक्ष्मी और नारायण की महिमा देख सकते हैं और उनसे प्रार्थना करके अपने मन की बात कर सकते हैं।

पत्नी से यौन संबंध नहीं बना पा रहा था पति, हाई कोर्ट ने माना तलाक का आधार

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने रिलेटिव इंपोटेंसी का हवाला देते हुए नव विवाहित जोड़े की शादी को निरस्त करने की मंजूरी दे दी। कपल की ओर से हाई कोर्ट में शादी रद्द करने की अर्जी डाली गई थी। याचिका में पीड़िता की ओर से बताया गया कि उसका 27 वर्षीय पति यौन संबंध नहीं बना पा रहा था। हाई कोर्ट ने माना कि पति की रिलेटिव इंपोटेंसी के कारण शादी को आगे जारी नहीं रखा जा सकता। अदालत ने माना कि दोनों मानसिक, भावनात्मक या शारीरिक रूप से नहीं जुड़ पाए। मामले में सुनवाई न्यायमूर्ति विभा कांकणवाड़ी और न्यायमूर्ति एस जी चपलगांवकर की खंडपीठ ने की। 15 अप्रैल को दिए अपने फैसले में अदालत ने कहा कि सिर्फ 17 दिन में ही दंपती की हताशा और पीड़ा का पता चलता है। बता दें कि दंपती ने इससे पहले परिवार अदालत में भी विवाद रद्द किए जाने की मांग की थी। लेकिन, उनकी याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि यह मामला ऐसे युवाओं की मदद करने के लिए उपयुक्त है जो एक-दूसरे के साथ मानसिक, भावनात्मक या शारीरिक रूप से नहीं जुड़ पाए। 'रिलेटिव इंपोटेंसी' का मतलब ऐसी नपुंसकता से है, जिसमें व्यक्ति किसी के साथ यौन संबंध बनाने में असमर्थ हो सकता है। ऐसा नहीं है कि वह दूसरे व्यक्तियों के साथ भी यौन संबंध न बना पाए। यह अर्थ मानसिक और भावनात्मक रूप से है। यह सामान्य नपुंसकता से भिन्न स्थिति है।

अब ममता ने इंडिया गठबंधन के मेनिफेस्टो पर लगाया अड़ंगा

कोलकाता, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी रथ को रोकने के लिए तैयार इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों के बीच सीट शेयरिंग पर तो आम सहमति नहीं बन सकी, हालांकि अब साझा घोषणापत्र जारी करने पर विचार किया जा रहा है। वह भी ऐसे समय में जब पहले चरण की वोटिंग खत्म हो चुकी है। इंडिया गठबंधन में आम सहमति बनने में सबसे बड़ी बाधा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी बन रही हैं। सूत्रों का कहना है कि टीएमसी प्रमुख को मतदाताओं के सामने विपक्ष के वादों को पूरा करने के लिए एक न्यूनतम आम सहमति दस्तावेज पेश करने की तात्कालिकता पर जोर देकर अपने साथ लाने की कोशिशें जारी हैं। आपको बता दें कि टीएमसी ने आगे बढ़कर बंगाल में लेफ्ट के साथ गठबंधन से साफ इनकार कर दिया था। इतना ही नहीं, कांग्रेस के लिए भी सिर्फ एक या दो सीटें छोड़ी थी।

बड़ी योजना बना रहा लॉरेंस बिश्नोई, झारखंड के जेल में बंद अमन साहू के साथ किया गठजोड़

नई दिल्ली , एजेंसी। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सहयोगियों ने झारखंड स्थित जेल में बंद गैंगस्टर अमन साहू के साथ गठजोड़ किया है। बिश्नोई और साहू के खिलाफ कई मामलों की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इसका खुलासा किया है। बिश्नोई पिछले साल कई बार एनआईए की हिरासत में गया था। एजेंसी के अधिकारियों ने खालिस्तानी संगठनों के लिए फंडिंग से संबंधित मामले में उससे पूछताछ की थी।

आपको बता दें कि पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी बिश्नोई फिलहाल गुजरात की साबरमती जेल में बंद है। पूछताछ के दौरान बिश्नोई ने एनआईए को बताया कि उसके उत्तर प्रदेश (धनजय सिंह), हरियाणा (काला जठेरी), राजस्थान (रोहित गोदारा) और दिल्ली (रोहित मोई और हाशिम बाबा) के जेल में बंद गैंगस्टरों के साथ संबंध हैं।

इस पूरे मामले पर एक सूत्र ने कहा, अपने प्रतिद्वंदियों को खत्म करने रे लिए एक-दूसरे को हथियारों के साथ-साथ शूटर भी मुहैया कराते हैं। वे उन्हें सीमा पार करने में भी

सहायता प्रदान करते हैं। इसके बदले में कमीशन दी जाती है।

मुंबई पुलिस ने सोमवार देर रात दो लोगों सागर पाल और विक्की गुप्ता को बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास पर तड़के हुई गोलीबारी में उनकी भूमिका के लिए गुजरात के भुज से से गिरफ्तार किया। बिहार का मूल निवासी सागर पाल दो साल से हरियाणा में छोटी-मोटी नौकरी कर रहा था। वहीं, विक्की गुप्ता बिहार में रह रहा था। केंद्रीय एजेंसियों को शक है कि सलमान के घर पर फायरिंग ट्रायल रन हो सकती है और बिश्नोई कोई बड़ी योजना बना रहा है। फिलहाल अमन साहू जेल में हैं। झारखंड के आतंकवाद विरोधी दस्ते और एनआईए जैसी एजेंसियां उसके खिलाफ दर्ज कई मामलों की जांच कर रही है। एक सूत्र ने कहा, कई मामलों की जांच से पता चला है कि साहू और उसके गिरोह के सदस्य प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) सहित विभिन्न संगठनों को हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति करते हैं। वह जेल से अपने गिरोह के सदस्यों के माध्यम से काम कर रहा है। खनन क्षेत्रों में जबरन वसूली के लिए हथियारों और गोला-बारूद का उपयोग करते हैं। तिहाड़ जेल में साहू के एक सहयोगी ने बिश्नोई के सहयोगियों से मुलाकात की है।

हाल ही में साउथ दिल्ली के एक बिजनेसमैन को रंगदारी के लिए कॉल आई और कॉल करने वाले ने लॉरेंस बिश्नोई और अमन साहू का नाम लिया। उस संबंध में मालवीय नगर पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी और जांच चल रही है।

सूत्र ने बताया, रोहतक में शहर के सट्टेबाज सचिन मुंजाल की हत्या के मामले में दो लोगों की पहचान उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके के निवासी शाहनवाज और जयपुर के सुल्तानिया गांव के निवासी सुनील करोलिया के रूप में की गई थी। उन्हें बिहार के मुजफ्फरपुर से तब गिरफ्तार किया गया जब वे नेपाल के लिए सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। पिछले साल बिश्नोई ने एनआईए को बताया था कि वह डी-कंपनी और उसके प्रमुख दाऊद इब्राहिम के खिलाफ है।

बसपा का बड़ा ऐलान, अब हिमाचल प्रदेश में भी उतारेगी प्रत्याशी

शिमला, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा चुनावों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। शनिवार को बसपा ने ऐलान करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों पर वह अपने प्रत्याशियों को चुनावी मैदान पर उतारेगी। शुक्रवार को बसपा के प्रदेश नेतृत्व और केंद्रीय समन्वयकों के बीच प्रत्याशियों के नाम को लेकर मैराथन बैठक का आयोजन पार्टी के प्रदेश कार्यालय रक्कड़ कॉलोनी ऊना में किया गया। बैठक के दौरान प्रदेश के चारों संसदीय क्षेत्रों से लोकसभा चुनाव का टिकट पाने की चाहत रखने वाले बसपा नेता भी मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता पूर्व सांसद ऐर केंद्रीय समन्वयक राजाराम ने की। जबकि दो केंद्रीय समन्वयकों में पूर्व राज्यसभा सांसद डॉक्टर अवतार सिंह करीमपुरी और दयाचंद भी मौजूद रहे। पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय बाहड़ी प्रदेश नेतृत्व के रूप में बैठक में पधारे।

इस मौके पर केंद्रीय समन्वयक और पूर्व सांसद राजाराम ने कहा कि बसपा ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी के साथ चर्चा करने के बाद प्रदेश की चारों संसदीय सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि प्रत्याशियों को लेकर नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ लंबी चर्चा हुई है। हालांकि उम्मीदवारों के नाम पार्टी की अध्यक्ष मायावती की मुहर लगने के बाद ही घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि बसपा केवल मात्र औपचारिकता के लिए चुनाव नहीं लड़ रही बल्कि संगठनात्मक तौर पर पार्टी को प्रदेश में मजबूत करने के लिए भी काम किया जा रहा है।

मणिपुर में 11 बूथों पर फिर से कराए जाएंगे मतदान, कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

इंफाल, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मणिपुर हुई हिंसा के बाद आंतरिक मणिपुर की सीट पर 11 बूथों के मतदान को रद्द करने का आदेश दिया गया है। राज्य चुनाव आयोग ने कहा है कि 11 बूथों पर फिर से मतदान करवाए जाएंगे। बता दें कि मतदान के दौरान ही मणिपुर में कई जगहों पर हिंसा की घटनाएं सामने आई थीं। बीते एक साल से मणिपुर में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। अब सोमवार को इन 11 बूथों पर फिर से वोटिंग करवाई जाएगी। दो लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार को हुए मतदान के दौरान चुनाव में धांधली और बूथ पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए 47 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराए जाने की मांग की थी। हिंसा प्रभावित मणिपुर में गोलीबारी, डराने-धमकाने तथा ईवीएम में तोड़फोड़ की घटनाओं के बीच 68 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। मणिपुर की दो लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ था। साठ-सदस्यीय मणिपुर विधानसभा के 32 निर्वाचन क्षेत्र 'इनर मणिपुर' लोकसभा सीट के तहत आते हैं, जबकि 28 विधानसभा क्षेत्र 'आउटर मणिपुर' संसदीय क्षेत्र का हिस्सा हैं।कांग्रेस की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष के. मेघचंद्र ने कहा कि पार्टी ने मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई है और 'इनर मणिपुर' निर्वाचन क्षेत्र के 36 तथा 'आउटर मणिपुर' निर्वाचन क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराए जाने की मांग की है। मेघचंद्र ने शुक्रवार रात पत्रकारों से कहा, 'अज्ञात हथियारबंद बदमाश कांग्रेस उम्मीदवार अंगोमचा बिमोल अकोइजाम और पार्टी चुनाव एजेंट को कुछ दिन से धमकी दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने इनर मणिपुर के 36 मतदान केंद्रों और आउटर मणिपुर के 11 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान के लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई है।'

केदारनाथ हेली सेवा जून तक फुल, बदरीनाथ, गंगोत्री-यमुनोत्री चारधाम को 11 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली , एजेंसी। केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा बुकिंग शुरू हो गई है। पहले दिन शाम चार बजे तक 51 हजार 940 टिकट बुक हो गए थे। मई-जून महीने के सारे टिकट पहले दिन देर शाम तक ही बुक हो गए। बदरीनाथ, गंगोत्री-यमुनोत्री समेत चारों धामों के लिए 11 लाख से ज्यादा तीर्थ यात्रियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। विदित हो कि चारधाम रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हो गया था।

फर्जीवाड़ा और हेली कंपनियों की मनमानी रोकने लिए उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने लगातार दूसरे साल ऑनलाइन टिकट बुकिंग की जिम्मेदारी इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) को दी है। कंपनी ने शनिवार दोपहर 12 बजे से बुकिंग शुरू की। यह भी पढ़ें:चारधाम पर टैक्सियों-कमर्शियल गाड़ियों के लिए ग्रीन कार्ड जरूरी, इसके बिना नहीं होगी यात्रा

गत वर्ष एक-एक सप्ताह के स्लॉट पर बुकिंग की गई थी, लेकिन इस बार एक साथ 10 मई से 20 जून और फिर मानसून के बाद 15 सितंबर से 31 अक्तूबर तक की बुकिंग खोली। मई-जून के करीब 25 हजार टिकट देर शाम तक फुल हो गए। यूकाडा के सीईओ सी रविशंकर ने बताया कि इस बार भी केदारघाटी के तीन हेलीपैड के जरिए नौ हेली कंपनियां सेवाएं देंगी। पिछले सीजन में केदारनाथ में हुई हेली दुर्घटना के बाद प्रतिबंधित क्रेस्टल एविएशन भी इसमें शामिल है। डीजीसीए ने कंपनी को सिरसी हेलीपैड से उड़ान संचालन की अनुमति दे दी है। वेबसाइट पर बुकिंग की शर्तें स्पष्ट कर दी गई हैं। एक आईडी पर छह यात्रियों के लिए ही टिकट बुक हो पाएगा। दो साल से अधिक उम्र के बच्चे का पूरा टिकट लगेगा। इससे कम उम्र के बच्चे का टिकट तो नहीं लगेगा, लेकिन बच्चे का वजन, किसी एक अभिभावक के साथ जोड़ा जाएगा, ऐसी स्थिति में यदि वजन 80 किलो के पार गया तो फिर प्रति किलो 150 रुपये का अतिरिक्त चार्ज देना होगा।

तुम लोगों का इस्लाम दुपट्टे से ही क्यों शुरू होता है... युवक ने महिला यूट्यूबर को ओढाया शॉल तो लग गई तगड़ी क्लास

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में एक महिला यूट्यूबर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि जब महिला यूट्यूबर लोगों से बातचीत कर रही होती है वहां पर एक युवक आता है और उसके सिर को जबरन ढकने लगता है। युवक के इस व्यवहार को देखकर महिला गुस्सा उठती है। महिला तुरंत सिर से शॉल उतार देती है। इसके बाद महिला ने युवक की तगड़ी क्लास लगा दी। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक महिला से कहता है कि हम एक इस्लामिक देश में हैं और पारंपरिक रूप से महिला को अपना सिर ढकना चाहिए। और वो अपने शॉल से महिला

के सिर पर शॉल रख देता है। इसके बाद महिला हंसते हुए कहती है,तुम लोगों का इस्लाम दुपट्टे से क्यों शुरू होती है क्या इस्लाम तुमको यही सिखाता है क्या कोई अजनबी बिना इजाजत के किसी महिला को छू सकता है आप अरेस्ट हो सकते हो ये सोशल हरासमेंट है। इस वीडियो पर कई यूजर्स ने दिलचस्प कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, मैं इस युवा और साहसी महिला को सलाम करता हूं जिसने नैतिक पुलिसिंग की तरह व्यवहार करने वाले किसी भी व्यक्ति को सही सबक सिखाया। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, ये महिला की आजादी है कि वो क्या पहने।

इस्राइल को अमेरिका से मिली सैन्य मदद के बाद टली जंग की संभावना, ईरान ने भी पीछे खींचे हाथ

वॉशिंगटन/यरुशलम, एजेंसी। दुनिया के कई देश युद्ध में घिरे हुए हैं। जहां रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है, वहीं हमास और इस्राइल बीते छह महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। इस बीच ईरान और इस्राइल के बीच भी जंग छिड़ती दिख रही थी। हालांकि, अब युद्ध की संभावना कम हो गई है। इसका कारण यह है कि इस्राइल के बचाव में उसका जिगरी दोस्त अमेरिका उतर आया है। अमेरिकी सांसदों ने शनिवार को इस्राइल के लिए नई सैन्य सहायता की मंजूरी दी है।

वेस्ट बैंक में संघर्ष तेज: बताया जा रहा है कि ईरान ने इस्राइल से बदला लेने के लिए कुछ कदम पीछे ले लिए हैं। उसने ड्रोन और मिसाइल हमले में कमी कर दी है। इस कदम ने उन आशंकाओं को कम दिया है कि कट्टर दुश्मनों के बीच बढ़ते हमले मध्य पूर्व में एक जंग में बदल सकते हैं। हालांकि, इराक में हाल ही में ईरान समर्थित सैन्य ठिकानों पांच धमाके हुए। इससे क्षेत्र में तनाव देखने को मिला। वहीं, गाजा में इस्राइल लगातार हमला कर रहा है। इससे वेस्ट बैंक में संघर्ष तेज हो गया है।

अमेरिका के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव ने आयरन डोम वायु रक्षा प्रणाली सहित इस्राइल की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से मदद करने का फैसला लिया। इसलिए उसने इस्राइल के लिए नई सैन्य सहायता के लिए 13 अरब डॉलर को मंजूरी दी।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन अगले सप्ताह जाएंगे चीन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एंटनी ब्लिंकन जैसा हमेशा करते हैं, वैसा ही इस बार करेंगे। वह सीधे रूप से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अमेरिका की चिंताओं पर बात करेंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन जल्द ही चीन का दौरा करने वाले हैं। इसकी जानकारी देते हुए अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि ब्लिंकन 24 से 26 अप्रैल तक चीन की यात्रा पर रहेंगे।

विदेश विभाग का कहना है कि ब्लिंकन शंघाई और बीजिंग में चीनी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिलेंगे। इस दौरान मध्य पूर्व संकट, यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध, क्रॉस-स्ट्रेट मुद्दे और दक्षिण चीन सागर पर भी बात होगी।

एक बयान में कहा गया, विदेश मंत्री नवंबर में वुडसाइड शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन और शी द्वारा किए गए प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए चल रहे

कार्यों पर भी चर्चा करेंगे, जो कि काउंटरनार्कोटिक्स सहयोग, सैन्य-से-सैन्य संचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर है।

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ सार्वजनिक कूटनीति और सार्वजनिक मामलों की अवर सचिव लिज एलेन, पूर्वी एशियाई और प्रशांत मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव डैनियल क्रिटेनब्रिंक, अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स और कानून प्रवर्तन मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव टॉड रॉबिन्सन और साइबरस्पेस और डिजिटल नीति के लिए बड़े पैमाने पर राजदूत नथानिएल फिक भी होंगे।

विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, मंत्री की यात्रा निश्चित रूप से अमेरिका-चीन संबंधों को मजबूत करने के लिए होगी। वहीं, यह यात्रा पिछले एक साल में हमारी गहन कूटनीति पर आधारित होगी। सबसे पहले महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करना लक्ष्य है। हमारा मानना है कि उच्च स्तरीय कूटनीति हमें उन मुद्दों पर आगे बढ़ने के लिए दबाव डालने को अनुमति देती है जो अमेरिकी लोगों और दुनिया के लिए मायने रखते हैं और जहां पीआरसी के साथ सीधा जुड़ाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि विदेश मंत्री जैसा हमेशा करते हैं, वैसा ही इस बार करेंगे। वह सीधे रूप से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अमेरिका की चिंताओं पर बात करेंगे। वह हमारे मूल्यों और हमारे हितों के लिए बोलेंगे।

चीनी में बुनियादी ढांचे के बढ़ते वजन से लाखों इमारतों पर खतरा

बीजिंग, एजेंसी। अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने 2015 से 2022 की अवधि में 20 लाख से अधिक लोगों की आबादी वाले प्रत्येक चीनी शहर में भूमि धंसाव को मापा। उन्होंने जिन 82 शहरों की जांच की, उनमें से टीम ने पाया कि कुछ शहर तेजी से धंस रहे हैं।

नए शोध में पता चला है कि चीन के करीब आधे प्रमुख शहरों पर पानी की निकासी और शहरी इमारतों व बुनियादी ढांचे के बढ़ते वजन के कारण खतरा मंडरा रहा है। जर्नल 'साइंस' में छपे इस शोध में पाया गया कि बीजिंग और तियानजिन समेत चीनी शहर भूस्खलन के 'मध्यम से गंभीर' जोखिम में हैं। शोध में चीनी जमीन के धंसने की दर भी बताईगई। अध्ययन के मुताबिक, चीन की 45 प्रतिशत शहरी भूमि प्रति वर्ष 3 मिलीमीटर से अधिक तेजी से धंस रही थी, जबकि 16 प्रतिशत प्रति वर्ष 10 मिलीमीटर से अधिक की दर से धंस रही है। अध्ययन के लिए

वैज्ञानिकों ने 2015 से 2022 की अवधि में 20 लाख से अधिक लोगों की आबादी वाले प्रत्येक चीनी शहर में भूमि धंसाव को मापा। उन्होंने जिन 82 शहरों की जांच की, उनमें से टीम ने पाया कि कुछ शहर तेजी से धंस रहे हैं। छह में से एक शहर प्रति वर्ष 10 मिमी से अधिक तेजी से धंस रहा है। उन्होंने यह भी पाया कि शंघाई जहां लगातार डूब रहा है, वहीं बीजिंग वार्षिक रूप से 45 मिलीमीटर नीचे जा रहा है। वैज्ञानिकों ने धंसते शहरों व भूजल क्षति के बीच एक मजबूत संबंध भी पाया, जो परत में खाली छिद्र छोड़ देता है और ऊपर वजन के ढेर में सिमट जाता है। शोध के अनुसार, अन्य कारकों में शहरी परिवहन नेटवर्क, साथ ही हाइड्रोकार्बन निष्कर्षण और खनन शामिल हैं।

ढांचे की अखंडता के लिए बड़ा खतरा: शोधकर्ताओं ने जोर देकर कहा, चीन के शहरों की गिरावट को संबोधित करने की कुंजी भूजल निकासी के दीर्घकालिक, निरंतर नियंत्रण में निहित हो सकती है। ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय में जलवायु अनुकूलन के प्रोफेसर रॉबर्ट निकोल्स ने कहा, यह धंसाव इमारतों और बुनियादी ढांचे की संरचनात्मक अखंडता के लिए बड़ा खतरा है और बाढ़ के संदर्भ में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बढ़ाता है।

लंदन मेयर पद की दौड़ में शामिल हुआ दिल्ली में जन्मा शख्स, पाकिस्तानी मूल के सादिक खान को देंगे चुनौती

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के लंदन में मेयर पद पर पाकिस्तान मूल के सादिक खान तीसरी बार जीत हासिल करने के लक्ष्य के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, इस बार उन्हें भारतीय मूल के एक उम्मीदवार से चुनौती मिलने वाली है। इनका नाम है तरुण गुलाटी। दिल्ली में जन्मे तरुण का कहना है कि लंदन के नागरिकों को सभी राजनीतिक पार्टियों ने दुखी किया है। उन्होंने आगे कहा कि वह लंदन को अनुभवी सीईओ की तरह चलाना चाहते हैं, जिससे सभी को लाभ मिल सके। उनका मानना है कि एक व्यवसायी और निवेश विशेषज्ञ के रूप में उनका अनुभव लंदन को लाभ पहुंचाने में मददगार साबित होगा। दो मई को होने वाले मेयर चुनाव में 63 वर्षीय भारतीय मूल के तरुण गुलाटी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव में उतरेंगे। मेयर पद के लिए उनकी लड़ाई 13 अन्य उम्मीदवारों से होने वाली है। तरुण गुलाटी ने कहा, मैं लंदन को एक अनोखे वैश्विक शहर के तौर पर देखता हूं। यह विश्व के वैश्विक बैंक की तरह है, जहां दुनियाभर के लोग एकत्रित होते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129